दैनिक
संस्करण : जयपुर, टोंक, अलवर एवं कोटा
बढ़ता राजस्थान
Since : 2004
कदम बढ़ाएं, सच के साथ
वर्ष : 15 | अंक : 241 | जयपुर | शनिवार ,05 जुलाई, 2025 | ज्येष्ठ, शुक्ल पक्ष दशमी संवत्-2082 | भारत व राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत | मूल्य : ₹5.00 | पृष्ठ : 10
www.badhatarajasthan.in badhatarajasthan@yahoo.com badhatarajasthan.dainik badtarajasthan

8 रुपए से 153 रुपए पहुंचा शेयर का भाव:
राजस्थान में 2 कंपनियों के ठिकानों पर ईडी के छापे

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने डेबॉक इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नेचुरो एग्रोटेक इंडिया लिमिटेड कंपनी के जयपुर और कोटा स्थित करीब आधा दर्जन ठिकानों पर शुक्रवार को छापेमारी की। डेबॉक इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नेचुरो एग्रोटेक इंडिया लिमिटेड का ऑफिस एक ही एड्रेस पर है।
सूत्रों के मुताबिक, डेबॉक कंपनी के संचालक मुकेश मनवीर सिंह के ऑफिस और घर और नेचुरो एग्रोटेक इंडिया लिमिटेड के प्रवर्तक गौरव जैन और ज्योति चौधरी के अलावा इनके सहयोगियों के यहां छापेमारी हुई। इस दौरान ईडी को 80 लाख रुपए कैश मिलने की सूचना है। इसके साथ ही कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज,

इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और मोबाइल जब्त किए गए हैं। शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनियां भी अब ईडी की रडार पर है। ईडी टीमों की ओर से जयपुर और कोटा में देर रात तक कार्रवाई जारी है। पीएमएलए कानून के तहत इस कार्रवाई में ईडी की टीमों को बड़ी सफलता मिलने की उम्मीद है। ईडी की ओर से जल्द खुलासा किया जाएगा।

कंपनी का शेयर 8 रुपए से 153 रुपए पर पहुंचा

जानकारी के मुताबिक इन कंपनियों पर फेक कंपनी और डमी डॉयरेक्टर बनाकर बड़े पैमाने पर वित्तीय फर्जीवाड़ा करने के आरोप हैं। ईडी के सूत्रों के मुताबिक इन लोगों ने फर्जी कंपनी और फर्जी डायरेक्टर बनाए। उसे शेयर मार्केट में लिस्ट किया और छह महीने में उस कंपनी के शेयर का भाव 8 रुपए से 153 रुपए पहुंच गया। छापे की कार्रवाई में एक दर्जन से अधिक लग्जरी गाड़ियों का स्टॉक मिला है।

गहलोत बोले- विपक्ष की बात नहीं मानोगे तो तकलीफ पाओगे
बिहार में निष्पक्ष चुनाव कैसे होंगे, चुनाव आयोग ने एकतरफा फैसला किया

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स)। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने चुनाव आयोग और देश की जांच एजेंसियों पर दबाव में काम करने का आरोप लगाते हुए सवाल उठाए हैं। गहलोत ने बिहार में निष्पक्ष चुनाव होने पर भी संदेह जताया। गहलोत ने मीडिया से बातचीत में कहा कि देश में लोकतंत्र कमजोर हो रहा है। सरकार ने सब एजेंसियों को दबाव में ले लिया है। जो आज सत्ता में हैं, प्रधानमंत्री हों या इनके नेता हों।

उन्हें सोचना चाहिए कि सत्ता पक्ष तभी होता है, जब विपक्ष होता है। विपक्ष की बात नहीं मानोगे नहीं सुनोगे तो देश भी तकलीफ पाएगा। आप भी तकलीफ पाओगे। गहलोत जयपुर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। गहलोत ने कहा– चुनाव आयोग ने बिहार में एक नया शिगूफा छोड़ दिया, मैं खुद पटना जा कर आया हूं। इसका परसों वहां बहुत भारी रिएक्शन है। मेरे ड्राइवर कह रहे थे साहब कि आप बताइए मेरे से मां बाप से डेट ऑफ बर्थ सर्टिफिकेट मांग रहे हैं। मैं कहां से लेकर आऊंगा? इनकी प्रोसेस से लाखों लोग वंचित रह सकते हैं। ये स्थिति बन गई है। कैसे डेमोक्रेसी रहेगी। बिहार में चुनाव निष्पक्ष कैसे होंगे बता दीजिए। चुनाव आयोग किसके कहने से यह सब लेकर आया।

गहलोत ने कहा– मैं लंबे अरसे से कह रहा हूं कि देश किस दिशा में जा रहा है, किस दिशा में जाएगा, उसका नमूना ये है।

हमने भी कई ऐसी बातें कहीं होंगी। उससे हो सकता है ईसीआई प्रमुख को या मेंबर को अच्छा नहीं लगा होगा। तब भी उनका व्यवहार बड़ा शालीनता से होता था। यह उनकी ड्यूटी भी है कि कोई नागरिक है, देश का मतदाता कोई भी है, किसी दल का नेता है।

ज्युडिशियरी, चुनाव आयोग दबाव में हो वहां किस लोकतंत्र की बात कर रहे

गहलोत ने कहा– आप सोच सकते हो कि देश कहा जा रहा है, सब दबाव में काम कर रहे हैं। इनकम टैक्स, ईडी, सीबीआई ये तीनों संस्थाएं दबाव में हैं। ईडी, इनकम टैक्स, सीबीआई, इनकी जो भूमिका है, वो देशहित में है। लेकिन जो दबाव में इनको लिया गया है। इससे विपक्षी पार्टियों के नेताओं के साथ अन्याय हो रहा है। वो जगजाहिर है। गहलोत ने कहा– संसद में जवाब आया है। 193 केसेज इन्होंने किए हैं। केवल दो प्रूव कर पाए हैं। मतलब एक प्रतिशत। कितना तंग किया होगा लोगों को। उनके परिवार वालों पर क्या बीती होगी? जिस मुल्क में ये स्थिति चल रही हो, दबाव में ज्युडिशियरी, इलेक्शन कमीशन और ब्यूरोक्रेसी हो। कैसे डेमोक्रेसी की बात वो करते हैं? डेमोक्रेसी कमजोर होती जा रही है। ये हित में नहीं है। सोचने वाली बात है।

श्रीकृष्ण जन्म भूमि मामले में हिंदू पक्ष को बड़ा झटका, याचिका खारिज

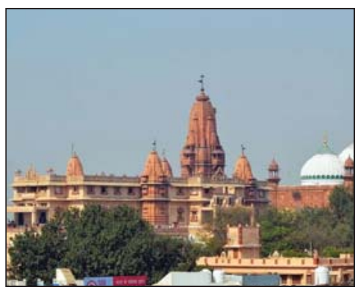

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कृष्ण जन्मभूमि मामले में भविष्य की सभी कार्यवाहियों में शाही ईदगाह मस्जिद को विवादित संरचना के रूप में संदर्भित करने के लिए हिंदू पक्ष द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। अदालत ने शाही ईदगाह मस्जिद को विवादित संरचना घोषित करने के हिंदू पक्ष के अनुरोध पर अपना फैसला सुनाया। यह अनुरोध करने वाले आवेदन ए-44 को खारिज कर दिया गया। न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की अगुवाई वाली पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि आवेदन को इस स्तर पर खारिज किया जा रहा है।

सूट नंबर 13 में याचिकाकर्ता, एडवोकेट महेंद्र प्रताप सिंह ने शाही मस्जिद को विवादित संरचना घोषित करने के लिए प्रार्थना प्रस्तुत की थी। आवेदन ए-44 के माध्यम से याचिकाकर्ता ने अदालत से अनुरोध किया था कि वह अदालत के स्टेनोग्राफर को मूल मामले में भविष्य की सभी कार्यवाही के दौरान शाही ईदगाह मस्जिद के बजाय विवादित संरचना शब्द का उपयोग करने का निर्देश दे। हालांकि, मुस्लिम पक्ष ने इस आवेदन पर लिखित आपत्ति दर्ज की। अदालत द्वारा आवेदन को खारिज करना मुस्लिम पक्ष के लिए एक बड़ी राहत के रूप में आया है।इस बीच, हिंदू पक्ष की ओर से दायर 18 याचिकाओं पर सुनवाई अभी भी जारी है। इस मामले की सुनवाई फिलहाल जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा की अगुवाई वाली सिंगल जज बेंच कर रही है। यह विवाद मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद से जुड़ा है, जो मुगल बादशाह औरंगजेब के समय की है। आरोप है कि मस्जिद का निर्माण भगवान कृष्ण के जन्मस्थान पर स्थित मंदिर को तोड़कर किया गया था।

पहले ही दिन हाईकोर्ट में पेश हुए नए डीजीपी
जज बोले-आरोपी आपके आने का इंतजार नहीं करेगा, पुलिस आज भी पुरानी तकनीक से काम कर रही

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। राजस्थान में नाबालिगों की गुमशुदगी के मामले में नवनियुक्त डीजीपी राजीव शर्मा हाईकोर्ट में पेश हुए। जस्टिस अवनीश झिंगन और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने पुलिस की कार्यशैली पर नाराजगी जताई। अदालत ने कहा– आज भी पुलिस पुरानी तकनीक के आधार पर काम कर रही है। उन्होंने कहा– हर केस में पुलिस का कहना यह होता है कि मोबाइल बंद है। ऐसे में हम ट्रेस नहीं कर पा रहे हैं। आज के युवा इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि कब उन्हें मोबाइल ऑन करना है और कब ऑफ करना है। पुलिस को इसके अलावा भी नई तकनीक पर काम करना चाहिए। इससे नाबालिगों की बरामदगी जल्द हो सके।इस पर डीजीपी राजीव शर्मा ने कहा– हम कई अन्य तरीकों से भी बरामदगी का प्रयास करते हैं। आगे भी मॉडर्न तकनीक अपनाने पर जोर दे रहे हैं। अदालत ने नाबालिगों से जु?ी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं पर डीजीपी को तलब किया था।

पुलिस एआई का इस्तेमाल करेगी तो काफी सहूलियत होगी

कोर्ट ने कहा– पुलिस के पास डीएनए का कोई रिकॉर्ड नहीं है। हमारे सामने एक केस आया था, जिसमें 2 साल का बच्चा गायब हुआ था। अब 6 साल बाद हम उस केस को सुन रहे हैं। पुलिस के पास ऐसा कोई मेथड नहीं है कि उस बच्चे का स्केच भी बनाया जा सके। अगर पुलिस् ढ्ढ का इस्तेमाल करेगी तो उसको काफी सहूलियत होगी।कोर्ट ने डीजीपी से कहा– आपने अभी जॉइन किया है। हम उम्मीद करते हैं कि आपके कार्यकाल में पुलिस नए मेथड, इफेक्टिवनेस और मॉडर्न तकनीक के साथ काम करेगी। इसका असर यह होगा कि हमारे सामने दायर होने वाली पिटिशन की संख्या में कमी आएगी।

दो केसेज में 10 दिन में रिपोर्ट मांगी

वकील नगेन्द्र शर्मा ने बताया– सीकर के खाटूश्यामजी से मई 2025 में लापता एक युवक के मामले में आज सीकर एसपी भी कोर्ट में पेश हुए। सीकर एसपी ने कहा– आरोपी पॉलीग्राफी टेस्ट के लिए सहमत है। इस पर कोर्ट ने पुलिस को 10 दिन में रिपोर्ट सब्मिट करने के निर्देश दिए हैं।

आरोपी आपके आने का इंतजार नहीं करेगा

वकील सैयद सआदत अली ने बताया– रामगंज थाना इलाके से एक नाबालिग 6 फरवरी से लापता है। परिजनों ने नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस आज तक उसकी तलाश नहीं कर पाई। कोर्ट ने कहा– अमूमन देखा जाता है कि अगर किसी नाबालिग की लोकेशन नॉर्थ ईस्ट में ट्रेस होती है तो यहां से पुलिस उसे पकड़ने के लिए भेजी जाती है। लेकिन होना यह चाहिए कि आप उस स्टेट, उस जिले के पुलिस अधिकारियों संपर्क करें। तुरंत पुलिस भेजकर उन्हें डिटेन करने की करवाई करें।

भारत की पहली मोबाइल टेली रोबोटिक सर्जरी यूनिट जयपुर पहुंची
एसएमएस मेडिकल कॉलेज में मेडिकल स्टूडेंट्स और डॉक्टरों को मिला लाइव डेमो

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। भारत में बनी पहली मोबाइल टेली-रोबोटिक सर्जरी यूनिट एसएसआई मंत्रा एम गुरुवार को दो दिवसीय यात्रा पर जयपुर पहुंची। जयपुर इसका पहला पड़ाव है, जहां एसएमएस मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर्स, मेडिकल स्टूडेंट्स और हेल्थ स्टाफ के लिए इसकी टेक्नोलॉजी का लाइव डेमो और ट्रेनिंग सेशन रखा गया। यह यूनिट 2 जुलाई को गुरुग्राम से रवाना हुई थी। अगले कुछ दिनों में राजस्थान के अलग-अलग मेडिकल कॉलेजों तक पहुंचेगी।यह रोबोटिक सिस्टम एसएस इनोवेशन्स की ओर से तैयार किया गया है, जिसे खासतौर पर उन इलाकों तक आधुनिक सर्जिकल टेक्नोलॉजी पहुंचाने के लिए डिजाइन किया गया है, जहां इसकी पहुंच अभी कम है। जयपुर में यूनिट के लॉन्च पर मेडिकल फील्ड से जुड़े कई सीनियर प्रोफेशनल्स मौजूद रहे।

एसएमएस मेडिकल कॉलेज में हुए इस कार्यक्रम में जनरल सर्जरी विभाग की एचओडी डॉ. प्रभा ओम, अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. मोनिका जैन, ऑन्को सर्जरी विभाग के एचओडी डॉ. सुरेश सिंह, पीडियाट्रिक सर्जरी के सीनियर सर्जन डॉ. प्रवीण माथुर और एसएस इनोवेशन्स के फाउंडर डॉ. सुधीर श्रीवास्तव मौजूद रहे। डॉक्टरों और स्टूडेंट्स को मोबाइल यूनिट के अंदर रोबोटिक सिस्टम के काम करने का तरीका दिखाया गया। 4 जुलाई को भी यह यूनिट एसएमएस कॉलेज में ही रहेगी।इस यूनिट की खास बात यह है कि यह मेडिकल कॉलेज या अस्पताल जाकर वहां के प्रोफेशनल्स को सर्जिकल रोबोट का ट्रेनिंग प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराती है। जयपुर के बाद 5 जुलाई को यह एम्स जोधपुर, 6 जुलाई को रफकोन और मथुरा दास माथुर मेडिकल कॉलेज पहुंचेगी।

हिंदुओं का ये रूप देखकर ट्रंप भी हैरान!
अमेरिका में 100 साल पुराने चर्च को बना दिया मंदिर

बढ़ता राजस्थान

वाशिंगटन (एजेंसी)। स्वामी नारायण संप्रदाय ने 180 करोड़ रुपए में खरीदा फिर दो साल के अंदर इस चर्च को मंदिर में बदल दिया। इस चर्च को मंदिर में बदलने के दौरान इसकी वास्तुकला में कोई परिवर्तन नहीं किया गया। इस मंदिर में भारतीय मंदिरों जैसे गुंबद और शिखर जैसी स्थापिय शैली का इस्तेमाल किया गया है। इस मंदिर की कुल जमीन 4.13 एकड़ है। जबकि मंदिर परिसर जो पहले एक चर्च था वो 19 हजार वर्ग फुट में फैला हुआ है।अमेरिका के एक 100 साल पुराने चर्च को मंदिर में बदल दिया गया है। यहां पर भगवान की मूर्तियां स्थापित हो चुकी हैं और हिंदुओं ने पूजा पाठ भी शुरू कर दिया है। आपने आज से पहले कई बार लोगों के धर्म परिवर्तन की बात सुनी होगी। कई बार ये धर्म परिवर्तन स्वेच्छा से होता है तो कई बार डरा-धमकाकर लालच देकर भी इसे कराया जाता है। लेकिन अमेरिका में चर्चा के धर्म परिवर्तन की खबर इससे बिल्कुल अलग है।अमेरिका के ओहवो

राज्य के क्लीवलैंड में इस मंदिर का निर्माण किया गया है। ये मंदिर पहले एक 100 साल पुराना एक चर्च था। जिसे स्वामी नारायण संप्रदाय ने 180 करोड़ रुपए में खरीदा फिर दो साल के अंदर इस चर्च को मंदिर में बदल दिया। इस चर्च को मंदिर में बदलने के दौरान इसकी वास्तुकला में कोई परिवर्तन नहीं किया गया।

Tariq : 9509674415
Mahi Car Decor
• Seat Covers • Floor Mats
• Android Players • Speakers
• Center Locking • Power Windows
• Perfumes • Ambience Light
Manufacturer of Car Seat Covers

Chacha Complex, Jalupura Link Road, M.I.Road, Jaipur

रामदेव, पतंजलि और कोर्ट कचहरी, रूह अफ़ज़ा के बाद अब च्यवनप्राश को लेकर मचा नया बवाल क्या है?

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। डाबर की याचिका में आरोप लगाया गया है कि पतंजलि स्पेशल च्यवनप्राश यह दावा करके विशेष रूप से डाबर च्यवनप्राश और सामान्य रूप से च्यवनप्राश का अपमान कर रहा है कि किसी अन्य निर्माता को च्यवनप्राश तैयार करने का ज्ञान नहीं है। रामदेव, पतंजलि और कोर्ट कचहरी ये तीनों तो नामों एक साथ नत्थी हो गए हो। विज्ञापनों, शिकायतों और कोर्ट से परी डांट का एक पुराना पैटर्न है। इतनी बार दोहराया गया कि दुनिया एक मैट्रिक्स है और हम एक लूप में फंसे हुए है वाली रील बन

जाए। इस बार डाबर का चवनप्रास केंद्र में है। दिल्ली हाई कोर्ट ने पतंजलि को हिदायत दी है कि डाबल चवनप्रास के खिलाफ भ्रामक और अपमानजनक विज्ञापन फैलाना बंद करें। डाबर ने शिकायत की थी कि पतंजलि आजतन अपराधी है।

याचिका में क्या कहा गया है?

डाबर की याचिका में आरोप लगाया गया है कि पतंजलि स्पेशल च्यवनप्राश यह दावा करके विशेष रूप से डाबर च्यवनप्राश और सामान्य रूप से च्यवनप्राश का अपमान कर रहा है कि किसी अन्य निर्माता को च्यवनप्राश तैयार करने का ज्ञान नहीं है।

सम्पादकीय कार्यालय:-डी-38,चौमू हाउस,सी-स्कीम,जयपुर(राज.) 302001, बून्दी, झालावाड़, बांरा,बहरोड़,,सुजानगढ़, रावतभाटा,अजमेर, भीलवाड़ा, सवाईमाधोपुर, सीकर, झुन्झुनू,खाटूश्याम जी, नि[illegible]बाहेड़ा, चूरु, धौलपुर, जौधपुर, उदयपुर, चाकसू,टोंक निवाई, पीपलू, मालपुरा, उनियारा, अलिगढ़, देवली, कोटपुतली, शाहपुरा, भरतपुर में प्रसारित

दैनिक बढ़ता राजस्थान

देवली पालिका प्रशासन चहेते ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने की नियत पर कर रही है सरकारी धन का दुरुपयोग

पूर्व में बने सीसी रोड पर मात्र दो से तीन इंच गिट्टी सीमेंट डाल कर फिर से बना डाला सीसी रोड,, भ्रष्टाचार भरी कार्य नीति पर पालिका के अधिकारी करवा रहे हैं नियम विरुद्ध सीसी रोड का निर्माण कार्य

बढ़ता राजस्थान

देवली (गोविंद सिंह सेठी)। यहां भ्रष्टाचार भरी नीति पर पालिका के निर्माण कार्य चल रहे हैं । ऐसा ही एक मामला शुक्रवार को सामने आया है । जहां साफ तौर पर देखा गया कि । पालिका प्रशासन के अधिकारी ने सीसी रोड के निर्माण नियमों को ताक में रखकर सीसी रोड का निर्माण कार्य करवा दिया है । यह मामला शहर के घोसी मोहल्ले के पूर्व में बने सीसी रोड का है। पालिका के सीसी कार्य में भ्रष्टाचार साफ तौर पर दिखाई दिया गया है । यहां देखने वाली बात तो यह रही की सीसी रोड कार्य निर्माण से संबंधित अधिकारी ने अपनी मौजूदगी के रहते सीसी रोड का निर्माण कार्य नियम विरुद्ध करवा डाला है। इसलिए की अधिकारी के द्वारा जिस रोड का निर्माण कार्य करवाया उसमें मात्र दो से तीन इंच तक ही सीमेंट गिट्टी का मटेरियल बिछाया गया है। यह स्थिति शहर के घोसी मोहल्ले के नवीन सीसी रोड निर्माण में देखी गई है। जानकारी के अनुसार सरकारी एजेंसियां जहां कहीं भी सीसी रोड का निर्माण कार्य करवाने की योजना बनाती है तो अधिकांश तौर पर पहले पूर्व में बने सीसी रोड को तोड़कर या खुदाई करके फिर से नवीन सीसी रोड बनाया जाता है। जिस कि लगभग मोटाई 8 से 10 इंच निश्चित की जाती है। लेकिन यहां पालिका की भ्रष्टाचार भरी कार्य नीति के चलते उक्त सीसी रोड का नवीन निर्माण कार्य,खुदाई या छिलाई किए बिना मात्र 2 से 3 इंच सीमेंट गिट्टी डालकर सीसी रोड बना दिया गया है। पालिका के उक्त कार्य नीति यहां जग जाहिर है कि पालिका के द्वारा करवाए गए निर्माण कार्यों या विकास कार्यों में भ्रष्टाचार चढ़ी हुई परत दर परत आसानी से साफ तौर पर देखी जा सकती है। यहाँ लोगों का यह भी मानना है कि निर्माण कार्य में हो रहे भ्रष्टाचार

का मुख्य कारण, शायद मोटा कमीशन भी हो सकता है। इसलिए की नगर पालिका के कार्य से संबंधित अधिकारी ठेकेदार के साथ मिलकर कार्य नीति और नियम को ताक में रखकर सीसी रोड का निर्माण कार्य नियम विरुद कर रहे है। उल्लेखनीय की अभी हाल ही में देवली शहर के वार्ड नंबर 13 में पालिका द्वारा सीसी रोड का निर्माण कार्य करने की, योजना बनाई गई थी। उक्त दौरान कार्य से संबंधित अधिकारी और ठेकेदार द्वारा पूर्व में बने सीसी रोड को तोड़े बगेर सीसी रोड बनाने,कि तैयारियां जोर-जोर से शुरू कर दी गई थी। लेकिन, जागरूक वार्ड वासियों ने उक्त निर्माण कार्य नीति का जमकर विरोध किया। यहां वार्ड वासियों ने रोड की खुदाई करके, नवीन सीसी रोड बनाए कि मांग कि और जिद पर अड़े रहे उक्त दौरान ऐसे हालातो पर ठेकेदार और कार्य से संबंधित अधिकारी को उल्टे पांव लौटना पड़ा ।

गौरतलब है कि अभी हाल ही में सार्वजनिक निर्माण विभाग ने देवली शहर के चर्च रोड पर नवीन सीसी रोड का निर्माण कार्य रोड की खुदाई करके करवाया है। ऐसे में यहां नगर पालिका प्रशासन की सीसी रोड निर्माण कार्य की नीति अलग ही दिखाई पड़ रही है। मात्र 2 से 3 इंच सीमेंट गिट्टी का मटेरियल डाल कर सीसी रोड का निर्माण किया जा रहा है। ऐसे में कार्य से संबंधित अधिकारी कि नीयत अपने चहते ठेकेदार को मोटा मोटा लाभ पहुंचाने की दिखाई पड़ रही है । नियम अनुसार सीसी रोड निर्माण का कार्य 8 से 10 इंच की मोटाई पर करवाया जाता है। लेकिन यहां 2 से 3 इंच गिट्टी सीमेंट का मिक्स मसाला डालकर उक्त कार्य में महज खानापूर्ति की गई है।लोगों का यह भी मानना है कि देवली पालिका के द्वारा करवाए जा रहे निर्माण कार्य केवल मोटे कमीशन की नीति नीयत पर हो रहे । जिनमे साफ तौर पर भ्रष्टाचार की परत दर परत देखी जा सकती है। इधर सूत्रों को यह भी आशंकाएं में व्याप्त हो रही है कि पालिका अपने चहते ठेकेदारों को सरकारी धन का लाभ पहुंचाने की नियत पर किए गए कार्य के,मापदंड को एम बी बुक में अधीकाधिक,दर्शाकर भुगतान कर रही है। ऐसे में यह जाच का विषय बनता है।

क्या कहते है अधिकारी

पूर्व में बने सीसी रोड का बेस मजबूत है। इसलिए इसे बिना तोड़े बिना छिले इस पर फिर से तीन से चार इंच तक गिट्टी सीमेंट का, मटेरियल डालकर फिर से नवीन सीसी रोड बनाया जा रहा है। यह बिल्कुल मजबूत बनेगा चाहे तो जांच करवा ले ।

प्रियांशु विजय,कनिष्ठ अभियंता,नगर पालिका देवली टोंक ।

गौवंश हत्या मामले में आक्रोश, पुलिस पर कार्रवाई का दबाव

पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया, लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं

बढ़ता राजस्थान

पावटा (सुशील कुमार बंसल)। प्रागपुरा थाना इलाके में पावटा कस्बे स्थित भूरामल स्कूल के पास गौवंश के अवशेष मिलने के मामले में आक्रोश और पुलिस पर कार्रवाई का दबाव बढ़ता जा रहा है। उल्लेखनीय है कि बिते मंगलवार की रात पावटा में भूरामल स्कूल स्थित एक गौवंश के कटी हुई गर्दन व पैर मिलने से ग्रामीणों में आक्रोश है और वे गौ हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है, लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। इस मामले को लेकर पावटा तहसीलदार संजीव खेदड़ और प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह भी घटना स्थल पहुंचे और गौसेवकों को समझाने का प्रयास कर धरना प्रदर्शन खत्म करने की बात की। लेकिन असफल रहे। इस पर उन्होंने धरना स्थल पहुंचे पूर्व विधायक इन्द्रराज गुर्जर की उपस्थिति में गौसेवकों को समझाया व धरनार्थियों पर मुकदमे नहीं लगने की बात कह कर धरना स्थगित करवाते हुए बुधवार शाम 4 बजे तक पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर गौसेवकों को आगे की कार्रवाई की सहमति दी गई लेकिन 48 घंटे बीत जाने के बावजूद गौवंश की मौत श्वानों के हमले से होना या फिर अज्ञात लोगों द्वारा गौवंश की हत्या करने की बात पुलिस सिद्ध नहीं कर पाई है और गौसेवकों को पोस्टमार्टम रिपोर्ट की जानकारी भी नहीं दी गई है, जिससे आरोपियों के हौसले बुलंद हैं। गौ सेवक एवं संकल्प हरियाली टीम संयोजक नीरज सैन ने कहा कि सनातन धर्म में गाय को माता का दर्जा मिला है, लेकिन अज्ञात व्यक्तियों ने धारदार हथियार से गौवंश की हत्या कर दी। यह घटनाक्रम बेहद निंदनीय है। सुशील योगी, नितेश शर्मा, नरेश जाट, पवन शर्मा, अमित वर्मा, आकाश निर्माण और चीनू कुमावत ने क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड़ से पूछा है कि उनकी क्या मजबूरी है जो वे गौमाता की मौत के 48 घंटे बाद भी कोई कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं। पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए निंदा की है और पुलिस से अतिशीघ्र कार्रवाई करने का आग्रह किया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि पुलिस ने कार्रवाई नहीं की तो ग्रामीण उग्र आंदोलन करने पर विवश हो सकते हैं।

भीम आर्मी के नेताओं का जोरदार स्वागत

समाज में समानता और न्याय की भावना को बढ़ावा देने का संकल्प

बढ़ता राजस्थान

पावटा (सुशील कुमार बंसल)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम रामपुरा में शुक्रवार को भीम आर्मी भारत एकता मिशन के प्रदेशाध्यक्ष सुरेन्द्र मेहरा और जिलाध्यक्ष मुकेश गोठवाल के जयपुर जाते वक्त रास्ते में जोरदार स्वागत किया गया। जिला सचिव अजय मेघवंशी रामपुरा के नेतृत्व में भीम आर्मी कार्यकर्ताओं ने माला और साफा पहनाकर दोनों नेताओं का स्वागत अभिनन्दन किया। इस अवसर पर सुरेन्द्र मेहरा ने कहा कि भीम आर्मी का उद्देश्य समाज में समानता और न्याय की भावना को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि हमें समाज के वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए लड़ना होगा और उनकी आवाज को सरकार तक पहुंचाना होगा। उन्होंने कहा कि भीम आर्मी लगातार समाज में जागरूकता फैलाने का काम कर रही है और हमें अपने अधिकारों के लिए जागरूक रहना होगा। मुकेश गोठवाल ने कहा कि भीम आर्मी समाज में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए काम कर

रही है। उन्होंने कहा कि हमें समाज के लोगों के साथ मिलकर काम करना होगा और उनकी समस्याओं का समाधान करना होगा। उन्होंने कहा कि भीम आर्मी के कार्यकर्ता समाज के लोगों के अधिकारों के लिए लड़ने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। जिला सचिव अजय मेघवंशी ने भीम आर्मी के नेताओं का स्वागत करते हुए कहा कि उनके आगमन से संगठन को नई दिशा और गति मिलेगी। कार्यक्रम में कैलाश नैनावत, विजेन्द्र खाड़िया, गजेन्द्र, प्रवीण, लोकेश मुलोदिया, संदीप मेघवंशी, नवल गुरुजी, महेंद्र वाल्मीकि, अशोक समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

विराटनगर में जमीन विवाद: फर्जी दस्तावेजों से भूमि बेचने का मामला दर्ज

बढ़ता राजस्थान

पावटा (सुशील कुमार बंसल)। विराटनगर थाना क्षेत्र में एक जमीनी विवाद ने बड़ा रूप ले लिया है, जिसमें एक व्यक्ति पर फर्जी वारिस प्रमाण पत्र बनाकर भूमि बेचने के गंभीर आरोप लगे हैं। पीड़ित समंदर सिंह पुत्र चन्दन सिंह, निवासी बुडोली, जिला रेवाड़ी (हरियाणा) ने न्यायालय में परिवाद दायर कर बताया कि उनके मृतक भाई पारस और उनके नाबालिक भाई दिलबाग की भूमि को अवैध रूप से आरोपी अशोक कुमार और धर्मेन्द्र ने फर्जी तरीके से बेच दिया। पीड़ित के अनुसार, मृतक पारस की मृत्यु 1993 में हो चुकी थी, इसके बावजूद आरोपियों ने फर्जी गवाह और जाली दस्तावेजों के माध्यम से जमीन को बेच दिया। परिवादी समंदर सिंह ने बताया कि वर्ष 2024-25 के दौरान जब परिवार ने भूमि के दस्तावेज जांचे, तब यह फर्जीवाड़ा सामने आया। दस्तावेजों की गहराई से जांच करने पर ज्ञात हुआ कि 24-06-1994 को बनावटी तरीके से अशोक कुमार ने अपने चचेरे भाई धर्मेंद्र के साथ मिलकर भूमि का नामांतरण कराया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय के आदेश पर विराटनगर थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आईपीएस की धाराओं 420, 467, 468 और 471 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। प्रकरण की जांच प्रभारी कश्मीर सिंह के नेतृत्व में की जा रही है। पुलिस ने ष्टष्टञ्जहृस् पोर्टल पर एफआईआर संख्या क्रमांक 255/25 दर्ज कर ली है और आगे की कार्रवाई नियमानुसार की जा रही है।

नशा मुक्ति अभियान का भव्य उद्घाटन

बढ़ता राजस्थान

रावतभाटा (निस.)। शाम 7.30 बजे आत्म अनुभूति भवन राजयोग सेवाकेंद्र पर नशा मुक्ति अभियान का हरी झंडी दिखाकर उद्घाटन हुआ। यह नशा मुक्ति अभियान प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के समाज सेवा प्रभाग एवं भारत सरकार के संयुक्त प्रयास से किया जा रहा है। इस अभियान को चलाने के लिए ब्रह्माकुमारी एव भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के बीच एम ओ यू साइन हुआ, इस अभियान के दौरान 5 जुलाई से लेकर 13 जुलाई तक इसका आयोजन रावतभाटा और आस पास के स्कूलों, कॉलेजों, महत्वपूर्ण स्थानो एवम सामाजिक संगठनों के लिए किया जाएगा। इस अभियान के दौरान एक वेन को सजाया गया है उसके द्वारा एल इ डी शो के माध्यम से नशे के दुष्प्रभाव के बारे में बताया जाएगा। जैसे सामाजिक, आर्थिक एवम स्वास्थ्य के ऊपर होने वाले नुक़सान के बारे में समझाया जाएगा। समाज को नशा मुक्त करने के लिए राजयोग की विधि के द्वारा नशा मुक्त करने हेतु प्रेरित किया जाएगा। इस अभियान के भव्य उद्घाटन के अवसर पर श्री पी सतीश महाप्रबंधक भारी पानी संयत्र कोटा, तथा राजयोग सेवाकेंद्र प्रभारी रावतभाटा बी के अंकिता दीदी के मार्गदर्शन में, समस्त बी के परिवार की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़ ने किया बीर, कानाखेड़ी और पालरा शिविर का किया निरीक्षण

बढ़ता राजस्थान

अजमेर (घनश्याम दास)। 4 जुलाई को पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा के अन्तर्गत बीर, कानाखेड़ी और पालरा में आयोजित शिविरों का संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़ द्वारा निरीक्षण किया गया।ओर संभागीय आयुक्त श्री शक्ति सिंह राठौड़ द्वारा शुक्रवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के अंतर्गत बीर, कानाखेड़ी और पालरा में आयोजित शिविरों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने शिविरों में उपस्थित आमजन से संवाद किया एवं राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर फीडबैक भी लिया। शिविरों में हुए कार्यों की प्रगति की विभागवार समीक्षा की। साथ ही आगामी शिविरों की कार्ययोजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने ज्योतिबा फुले व सावित्रीबाई की मूर्ति का किया अनावरण

सैनी समाज ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को 101 किलो की माला पहनाकर किया सम्मान

बढ़ता राजस्थान

हिंडौन सिटी (अंशु गुप्ता)। गांव बाढ़ करसौली में शुक्रवार को सैनी समाज की ओर से आयोजित ज्योतिबा फूले व सावित्रीबाई की मूर्ति के अनावरण के अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बालिका शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि ज्योतिबा फुले सावित्रीबाई ने बालिका महिला शिक्षा का प्रसार किया। समाज सेवा के लिए समर्पित रहे ज्योतिबा फूले व सावित्रीबाई के आदर्श व बलिदान पूरा देश नहीं भूल सकता। ज्यादा से ज्यादा बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने का संकल्प लें। तभी विकसित भारत संभव होगा। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मोदी सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि वृदजनो को को 5000 से अधिक की मासिक पेंशन देनी चाहिए ताकि उनका जीवन यापन भाली भांति हो सके। केंद्र में राज्य में डबल इंजन की सरकार है। लेकिन विकास के नाम पर कोई ठोस काम नहीं किए हैं। कांग्रेस के शासनकाल में खोले गए इंग्लिश मीडियम विद्यालय को भी सरकार बंद करने जा रही है। शिक्षा का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। सरकारी चिकित्सालय में सरकार द्वारा कोई सुविधा उपलब्ध नहीं करने से मरीजों को निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सभा संबोधन से पहले फीता काटकर ज्योतिबा फूले व

सावित्रीबाई की मूर्ति का अनावरण किया। दोनों को माला पहनाई। सभा स्थल पर सैनी समाज के लोगों ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत साफा व 101 किलो की माला पहनाकर सम्मान किया। सम्मान में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित सांसद भजनलाल जाटव विधायक हिंडौन अनीता जाटव , उदयपुर भाटी के विधायक भगवान राम सैनी,टोडाभीम विधायक घनश्याम मेहर, धौलपुर विधायक शोभा रानी कुशवाह, ताराचंद गहलोत,कांग्रेस जिला अध्यक्ष शिवराज मीणा ,भवानी शंकर सैनी सैनी समाज के जिला अध्यक्ष जमुनालाल, महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष शरदो गुर्जर, प्रधान विनोद जाटव, राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सैनी का सम्मान किया।

सासंद भजन लाल जाटव ने सासंद कोष से 15 लाख रुपए के विकास करने की घोषणा की। तथा विधायक अनीता जाटव ने विद्या छात्रावास में दो कमरे बनवाने की घोषणा की। पूर्व अध्यक्ष भगवान सहाय शर्मा, कांग्रेस ब्लॉक के अध्यक्षरविंद्र बेनीवाल,रामचरण खुर्सतपुरा, पूर्व पार्षद नरेश गुर्जर, आदि ने पूर्व मुख्यमंत्री को ज्योतिबा फुले की तस्वीर जिसमें अशोक गहलोत साथ हैं। तथा एक किसान का खेत जुताई का हल स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट किया। मूर्ति अनावरण के अवसर पर सैनी समाज के भंवर सिंह सैनी, गोपाल सैनी करौली, कमल सिंह सैनी, गोपाल सैनी, दिनेश चंद सैनी, रेती लाल सैनी, कलुआ राम सैनी, मोहनलाल सैनी, महेश सैनी,अशोक सैनी, सूरजमल सैनी,बद्री सैनी,महेश सभापति रामवीर सैनी, रमेश सैनी, विजेंद्र सैनी, बबलू सैनी, तरुण सैनी आदि सहित सैनी समाज करौली, महवा, हिन्डौन,टोडाभीम, श्री महावीर जी, सूरौठ, आदि केसैकड़ों गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जिम्मेदारों की लापरवाही का दंश झेल रहे ग्रामीण

बामनटुकड़ा आमेट रोड की सड़कों पर बाइक सवार हो रहे हादसों का शिकार

ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन कर विभाग के खिलाफ की नारेबाजी

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। केलवा बामन टुकड़ा पॉवडर प्लांट की सड़क जो मुख्य बस स्टैंड तक खस्ताहाल होकर कीचड़ ने दलदल का रूप ले लिया है । इस सड़क का निर्माण वर्ष 2005 में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत हुआ था। इसके बाद इस सड़क पर एक भी बार डामरीकरण नहीं हुआ। खस्ताहाल सड़क को लेकर ग्रामीणों ने कई बार प्रशासनिक अधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों को लिखित एवं मौखिक में शिकायत की मगर जिम्मेदारों ने अब तक इसकी सुध नहीं ली। अब लगातार हो रही बारिश से पूरी सड़क कीचड़ से सन चुकी है। दुपहिया वाहन चालकों एवं पैदल जाने वाले राहगीरों को मार्ग पर

चलने में कोई दिक्कत तो परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है कई बार विद्यालय जाने वाले विद्यार्थियों के कपड़े कीचड़ से सन जाते हैं ।बामन टुकड़ा में काफी संख्या में मिनरल प्लांट लगे हुए है इस कारण यहां पर भारी वाहन की आवाज आई दिन भर बनी रहती है इस कारण सड़क पूरी टूट चुकी है और सड़क से तो डामर का नामोनिशान ही मिट चुका है। इस खस्ताहाल सड़क पर जगह जगह बड़े बड़े खड्डे हो गए है। इस कारण खड्ढों में बारिश का पानी भर जाने पर आए दिन बाइक सवार गिर रहे है। साथ ही जहां पर बड़े खड्?ढे थे वहां पर मिट्?टी डाल दी थी। अब बारिश होने के बाद मिट्टी ने दलदल का रूप ले चुकी है । अब इस सड़क पर बाइक लेकर निकलना जोखिम भरा हो चुका है। वाहनों की आवाजाही के कारण मिट्टी चिकनी हो चुकी है इस कारण बाइक सवार आए दिन गिर रहे है। लेकिन जरा सी चुक होने पर बाइक सवार किचड़ से लथपथ हो जाते है। सड़क का काम शुरू नहीं होने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

इनका कहना है

बामन टुकड़ा से मुख्य बस स्टैंड तक सड़क के हालात खस्ता हाल हो चुके हैं । इस सड़क के लिए डीएमएफटी फंड से सीसी सड़क बनाने के लिए प्रस्ताव दे रखा है। जल्द ही सड़क का कार्य शुरू करवाएंगे।

अरविन्दसिंह राठौड़, प्रधान, पंचायत समिति, राजसमंद।

बामन टुकड़ा की सड़क पर दलदल व कंटिली झाड़ियां होने से ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है साथ ही इसकी शिकायत कई बार लिखित में प्रशासनिक अधिकारी को दी गई है। परंतु कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

लहरी लाल दवे, सरपंच ग्राम पंचायत बामन टुकड़ा

बामन टुकड़ा रोड को लेकर 60 लाख स्वीकृत हुए थे, लेकिन इंडस्ट्रीज व ग्रामीण सड़क दोनों एक ही है इसके कारण उसे 2 करोड़ रूपये का डीएमएफटी फंड में भी प्रस्ताव रखा था पर यह 2 करोड़ की बजट सी सी सड़क में होने का प्रस्ताव है इसके लिए विधानसभा से बजट पारित करवाया जाएगा और शीघ्र ही सड़क का निर्माण कराया जाएगा।

दीप्ति किरण माहेश्वरी, विधायक राजसमंद

जयपुर में सर्वाधिक 1 लाख 98 हजार 272 अपात्र लाभार्थियों ने किया 'गिव अप'

अपात्र लाभार्थियों द्वारा 'गिव अप' मामले में 41 जिलों में प्रथम स्थान पर जयपुर जिला, जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी कर रहे 'गिव अप' अभियान की नियमित मॉनिटरिंग

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने वाले अपात्र व्यक्ति को स्वेच्छा से नाम हटवाने के लिए प्रेरित करने हेतु जयपुर जिले में 'गिव अप' अभियान का सफल संचालन किया जा रहा है। योजना के तहत जयपुर जिले में सर्वाधिक 1 लाख 92 हजार 272 अपात्र व्यक्तियों ने गिव अप किया है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं जिले में गिव अप अभियान के क्रियान्वयन एवं प्रगति की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। गिव अप अभियान के तहत अपात्रों के गिव अप करने के मामले में राज्य के 41 जिलों में जयपुर ने प्रथम स्थान पर है।

जिला रसद अधिकारी श्री त्रिलोकचंद मीणा ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जयपुर में जिला मुख्यालय से ग्राम पंचायत स्तर तक मुहिम के तहत गिव अभियान का संचालन किया जा रहा है। रात्रि चौपाल, जन सुनवाई, ग्राम सभा सहित समस्त सार्वजनिक कार्यक्रमों में जन प्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों सहित समाज मौजीज लोगों द्वारा सर्व साधारण को गिव अप के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यही कारण है कि गिव अप अभियान को जयपुर जिले में आमजन का भी भरपूर समर्थन मिल रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में आयोजित हो रही नियमित रात्रि चौपाल एवं जनसुनवाई कार्यक्रमों में जिला प्रशासन द्वारा प्रोत्साहित किये जाने पर आमजन गिव अप के लिए आगे आ रहे है।

जिला रसद अधिकारीत्रिलोकचंद मीणा ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अपात्र लाभार्थियों के खिलाफ कार्यालय द्वारा सख्ती बरती जा रही है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार जयपुर में योजना के 1 हजार 536 अपात्र व्यक्तियों को स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा सूची से अपना नाम हटवाने के लिए नोटिस जारी किया गया है। विभाग ने गिव अप अभियान को आगामी 31 अगस्त, 2025 तक संचालित करने का फैसला किया गया है।

उन्होंने बताया कि 31 अगस्त 2025 तक स्वेच्छा से अपना नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटवाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही नहीं की जायेगी। उसके पश्चात शास्ति की गणना 27 रुपये प्रति किलोग्राम के अनुसार खाद्य सुरक्षा सूची में नाम अंकित होने की तिथि से नाम हटाने की तिथि तक उप व्यक्ति द्वारा जितना खाद्यान्न प्राप्त किया गया है, अनुसार की जाकर मय ब्याज वसूली की जाएगी। जिला कलक्टर के निर्देशानुसार ऐसे कार्मिकों की सूचियां तैयार की जा रही हैं एवं ऐसे कार्मिकों के संबंधित विभागों को वसूली की राशि कार्मिक के मासिक वेतन से कटौती करने हेतु लिखा जावेगा।

बच्चों के सुरक्षित भविष्य की पहल वार्ड 30 में लगा टीकाकरण शिविर

जन्म से लेकर16 साल तक के बच्चों को लगाए गए पोलियो, खसरा, काली खांसी समेत कई बीमारियों से बचाव के टीके

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। नगर निगम हेरिटेज के वार्ड नंबर 30 में पार्षद जमीला बेगम मोहम्मद शाकिर खान के नेतृत्व में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से विशेष टीकाकरण कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में जन्म से लेकर 16 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो, काली खांसी, खसरा सहित अन्य गंभीर बीमारियों से बचाव के टीके लगाए गए। यह शिविर छोटा अस्पताल, मोती कटला डिस्पेंसरी के सौजन्य से आयोजित किया गया। इस मौके पर पार्षद जमीला बेगम मोहम्मद शाकिर खान ने बताया कि यह शिविर बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और उज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए लगाया गया है। साथ ही वरिष्ठ समाजसेवी मोहम्मद नजर राज ने भी बच्चों के स्वास्थ्य की दिशा में इस पहल की सराहना की।पार्षद ने आगे कहा कि हर महीने इसी तरह का टीकाकरण शिविर आयोजित किया जाएगा ताकि वार्ड के अधिक से अधिक बच्चों को गंभीर बीमारियों से बचाया जा सके। शिविर में डॉ. चित्रा शर्मा और डॉ. अनुराधा सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अपनी सेवाएं दीं।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने दी 81.61 करोड़ रूपये लागत के 20 अटल पथों की मंजूरी

अब तक 574.11 करोड़ रूपये की लागत से 269 अटल प्रगति पथ स्वीकृत

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को प्रदेश के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के गांवों में बनने वाले 20 अटल प्रगति पथों की स्वीकृति दी है। उपमुख्यंमत्री ने 14 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 81.61 करोड़ रूपये की लागत से 49.10 किमी लम्बाई के अटल प्रगति पथों की स्वीकृति प्रदान की है। इस स्वीकृति के तहत विधानसभा क्षेत्र नोखा में 11.29 करोड़ रूपये की लागत से 7 किमी लम्बाई के 3, लूणी में 13.50 करोड़ रूपये की लागत से 9 किमी के 3, खेतड़ी में 5.10 करोड़ रूपये की लागत से 3.70 किमी के 2, श्रीडूंगरगढ़ में 9 करोड़ रूपये की लागत से 6 किमी के 2, अनूपगढ़ में 4.50 करोड़ की लागत से 1.60 किमी के 1, लूणकरणसर में 4.50 करोड़ की लागत से 3 किमी के 1, बैगू में 4.47 करोड़ की लागत से 2.20 किमी के 1, चित्तौड़गढ़ में 4.50 करोड़ की लागत से 3 किमी के 1, मनोहरथाना में 4.50 करोड़ की लागत से 2.90 किमी के 1, खानपुर में 4.50 करोड़ की लागत से 2.40 किमी के 1, मण्डावा में 4.50 करोड़ की लागत से 2.40 किमी के 1, मेड़ता में 4.50 करोड़ की लागत से 2.20 किमी के 1, राजसमंद में 3.15 करोड़ की लागत से 2 किमी के 1 तथा सिरोही में 3.60 करोड़ की लागत से 1.70 किमी के 1 अटल प्रगति पथ का निर्माण करवाया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने पं. दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा के अंतर्गत शिविर का किया अवलोकन

अन्त्योदय संबल पखवाड़े से अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा योजनाओं का लाभ, राज्य सरकार आमजन से किए हर वादे को कर रही पूरा - भजनलाल शर्मा

बढ़ता राजस्थान

जयपुर, (का.स.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार गरीब को गणेश मानकर वंचित वर्ग, किसान, युवा और महिला के साथ ही हर वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक इन योजनाओं को पहुंचाने के संकल्प के साथ हमारी सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़े के अंतर्गत प्रदेशभर में शिविरों का आयोजन कर रही है।

शर्मा शुक्रवार को खैरथल-तिजारा के ग्राम असलीमपुर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पखवाड़े के माध्यम से ग्राम स्तर पर ही किसानों को वर्षों से लंबित राजस्व के विभिन्न प्रकरणों में तुरंत राहत मिल रही है। गांवों में इन शिविरों के माध्यम से पानी, बिजली, स्वच्छता से जुड़े विभिन्न कार्य प्रमुखता से किए जा रहे हैं। वहीं, हर पात्र परिवार तक आयुष्मान कार्ड का वितरण एवं पशुओं का टीकाकरण भी किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने गरीबों का जीवन स्तर बनाया बेहतर–

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना के तहत बीपीएल परिवारों को विभिन्न योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 के बाद गरीब कल्याण की परिभाषा बदलकर उसका जीवन स्तर बेहतर बनाने का काम किया है। उनके नेतृत्व में हमारी सरकार युवा, महिला, किसान, मजदूर के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान बनाने के लिए राज्य सरकार ने राम जल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना जैसी विभिन्न योजनाओं तथा इंदिरा गांधी नहर एवं गंगनहर के माध्यम से किसान और उद्योगों के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की है।

तिजारा विधानसभा क्षेत्र का हो रहा चहुंमुखी विकास–

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार खैरथल-तिजारा जिले में विभिन्न विकास कार्य करवा रही है। इन कार्यों से तिजारा विधानसभा क्षेत्र का भी चहुंमुखी विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि तिजारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को उप जिला चिकित्सालय में क्रमोन्नत किया गया है। खुशखेड़ा उप स्वास्थ्य केंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत किया गया है। भिवाड़ी में नवीन पॉलिटेक्निक महाविद्यालय खोलने हेतु स्वीकृति जारी की जा चुकी है। वहीं, तिजारा में कन्या महाविद्यालय खोला जाएगा तथा भिवाडी को क्लीन एंड ग्रीन-इको सिटी बनाएंगे।

मुख्यमंत्री ने खैरथल-तिजारा और अलवर को दी विकास की विभिन्न सौगातें

केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव

केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने अलवर, भरतपुर के लिए 5 हजार 432 करोड़ रुपये की चम्बल पेयजल योजना को स्वीकृति प्रदान कर तिजारा के 172 गांवों में पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि अलवर की रूपारेल नदी के लिए मुख्यमंत्री ने स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड के माध्यम से जो प्रस्ताव भेजा उसे नेशनल वाइल्ड लाईफ बोर्ड से स्वीकृति मिल चुकी है। इससे रूपारेल नदी में पानी की आवक होगी।

केन्द्रीय मंत्री यादव ने कहा कि बीडा के माध्यम से भिवाड़ी, नीमराणा और अब बहरोड़ तक सतत विकास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने यहां के ओद्योगिक क्षेत्र को दृष्टिगत रखते हुए बजट में पॉलिटेक्निक कॉलेज दिया, तिजारा के लिए कन्या महाविद्यालय, खैरथल-तिजारा में सावित्री बाई छात्रावास और एक महाविद्यालय स्तरीय छात्रावास की भी सौगात दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा उपलब्ध करवाई गई वित्तीय सहायता से भिवाड़ी में खेलों के विकास के लिए इंडोर स्टेडियम और बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।

इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, विधायक महंत बाबा बालक नाथ, सुखवन्त सिंह, विभिन्न जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

जेडीए ने उन्नीस बीघा भूमि पर पॉच अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-04 जोन-12 निजी खातेदारी करीब 11 बीघा कृषि भूमि पर 03 नवीन अवैध कॉलोनियों को पूर्णत: ध्वस्त किया गया। जोन-13 में निजी खातेदारी की करीब 08 बीघा कृषि भूमि पर 02 नवीन अवैध कॉलोनियों को पूर्णत: ध्वस्त किया गया।

महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया को जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित सीकर रोड़, ग्राम जाहोता, जिला जयपुर में करीब 02 बीघा कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़के, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम जयरामपुरा, जिला जयपुर में करीब 06 बीघा तथा इसी के पास 03 बीघा कुल 09 बीघा कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें, मुड्डियां व अन्य अवैध निर्माण कर 02 नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जेडीए द्वारा जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित नायला रोड़, कानोता, जिला जयपुर में करीब 03 बीघा कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर ''ज्वाला विहार'' के नाम से बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़के व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम हरध्यानपुरा, जिला जयपुर में करीब 05 बीघा कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर ''श्री लक्ष्मणगढ़'' के नाम से बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़के व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्ष चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-द्वितीय, तृतीय, प्रवर्तन अधिकारी जोन-12, 13 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई। प्रवर्तन प्रकोष्ठ जविप्रा द्वारा वर्ष 2024 में 383 व वर्ष 2025 में 215 आज तक कुल 598 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयासों को विफल किया गया।

संगम सामुदायिक केन्द्र में नई रसोई एवं स्नानगृह निर्माण की नींव रखी गई

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। विजयवर्गीय (वैश्य) राजसेवा परिषद, जयपुर द्वारा संचालित संगम सामुदायिक केन्द्र में दिनांक 04 जुलाई 2025, शुक्रवार को शुभ मुहूर्त 12.31 बजे परिषद के अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बुटेरी के नेतृत्व में विधी-विधान से पांच पत्थर नींव में रखे गये एवं 2 वर्तमान परिवेश की रसोई घर एवं स्नानगृह के निर्माण के लिए नींव रखी गई.इस शुभ अवसर पर वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए दो निर्माण कार्यों की नींव रखी गई—एक नवीन रसोईघर एवं दूसरा स्नानगृह। यह प्रयास संगम केन्द्र को और अधिक सुविधायुक्त एवं समाज उपयोगी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस समारोह में समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही, जिनमें प्रमुख रूप से रतन लाल अजमेरी, सिद्धकुमार (मालवीय नगर), नवलजी दुब्बी, विष्णु दुब्बी, राधेश्याम बासेड़ा, सुशील कुमार सिंगदरा, विश्वम्भर दयाल दुब्बी, हरिराम खेड़ी, नन्दकिशोर बसवा, श्यामलाल टहला एवं शुभलता, डॉ. चांदमल लवादर, बाबूलाल बीलपुर, महेन्द्र कुमार (थाना), सरोज बाला, आनन्द खेड़ी, उमाकान्त खेण्डा (कल्याणपुर), देवेन्द्र बांडीकुई, पुष्पा (प्रताप नगर), बनवारीलाल बांडीकुई, राजेन्द्र डेरीवाले, संतोष सूरोठ, दिनेश बांडीकुई, सुनील सांगानेर, अशोक दौसा सहित अनेक सदस्य शामिल रहे।

इस अवसर पर सभी उपस्थितजनों ने भगवान से प्रार्थना की कि संगम निरंतर उन्नति करता रहे और समाज के अधिक से अधिक लोगों को इसकी सुविधाओं का लाभ मिलता रहे।

चहेरे की झुर्रियों और वृध्दावस्था के समय को टाला जा सकता हैं - डॉ लियाक़त अली मंसूरी

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। आज आधुनिक दौर में चहेरे की झुर्रियों और आयु को छिपाने की नाकाम कौशिशें की जा रही है वहीं उनका साईड इफ़ेक्ट देखने को भी मिल रहा हैं । क्या एंटी एजिंग या अन्य प्रसाधनों द्वारा उम्र को छिपाई जा सकती हैं ? आजकल आपने ऐसे कई लोगों का नाम सुना होगा जो एंटी एजिंग या न्यूरोटॉक्सिन दवाओं का प्रयोग सिर्फ़ इस लिये कर रहे हैं कि वे हमेशा जवान दिख सकें , उनके झुर्रियाँ ना पड़े जिससे की वे अपने जलवे बिखेर सकें । मगर उनमें साईड इफ़ेक्ट देखा जा रहा है, यहाँ तक की जान भी गवांई जा रही हैं । ये एंटी एजिंग दवाईयां कुदरत को चैलेंज देने के साथ शरीर में कई प्रकार के साईड इफ़ेक्ट पैदा करती हैं इनसे बचना चाहिए । त्वचा की सही देखभाल हर्बल यूनानी चिकित्सा द्वारा आसानी से की जा सकती है । हर्बल यूनानी दवाओं और रेजीमेंटल थैरेपियों में किसी प्रकार का कोई हानिकारक रसायन नहीं होते हैं ।बल्कि यह प्राकृतिक है और त्वचा को प्राकृतिक स्वरूप देने में मददगार होती हैं ।

यूनानी चिकित्सा—-

1. रेजीमेंटल थैरेपी —इस रेजीमेंटल थैरेपी में फेसिअल हिज़ामा थैरेपी करते हैं जिसे अनुभवी यूनानी चिकित्सक द्वारा ही करवानी चाहिए ।

2. कॉस्मैटिक थैरेपी—इसे कई प्रकार से किया जाता हैं इनमें से कुछ को यहाँ बताया जा रहा हैं—-

-. जै़तून के तेल की तीन बूँदे और अर्क गुलाब की तीन बूँदें मिक्स करके प्रात:काल गालों को फूला कर तीन से चार मिनट मालिश करें फिर चहेरे पर भाप लें इस प्रक्रिया को दो तीन बार दोहराएं ।

– मुल्तानी मिट्टी में बकरी का कच्चा दूध , जै़तून तेल, हल्दी , शहद और देसी आँकड़े की दो बूँद दूध को मिलाकर चहेरे पर लेप करें । सूखने पर गुनगुने पानी से धो लें ।

– गुनगुनें पानी में फिटकरी घोल कर चहेरे या शरीर को धोयें ।

–. अर्क गुलाब में सुपारी के फूल को रात भर गला कर चहेरे या शरीर को धोयें ।

–. घी ग्वार के गूदे से नित्य चहेरे की मालिश करें ।

3. ?–चिकित्सीय उपचार—

–कतीरा गोंद पानी में रात भर गला कर सुबह खाली पेट खायें ।

– उड़द की दाल के लड्डू बना कर खाली पेट खायें ।

– सुबह खाली पेट घीग्वार का गुदा खाना चाहिये ।

डॉ लियाक़त अली मंसूरी
(यूनानी चिकित्सक एवं हिजामा थैरेपी स्पेशियलिस्ट)
सवाई मानसिंह अस्पताल, जयपुर (राज.)

सम्पादकीय

भविष्य के युद्धों के लिए तैयार होती भारतीय सेना

वर्तमान समय में कुछ ही राष्ट्रों के पास बंकर ब्लस्टर जैसी सुविधा उपलब्ध है और जब भारत भी उस श्रेणी में आ जाएगा। जब भारत का यह स्वदेशी बंकर ब्लस्टर बम बनकर तैयार हो जाएगा तब हमारी अग्नि-5 मिसाइल दुश्मन के मजबूत ठिकानों और तहखानों को मिनटों में ध्वस्त करक वापस चली आएगी।

वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद से ही भारत अपनी सेनाओं को आत्मनिर्भर, स्वदेशी तकनीक से समृद्ध, सुदृ? व सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। भारतीय सेना को भविष्य की रक्षा चुनौतियों लिए इस प्रकार तैयार किया जा रहा है कि भूमि से लेकर वायु और समुद्र की गहराई से लेकर अंतरिक्ष की ऊंचाईयों तक अपनी सुरक्षा के लिए किसी अन्य पर निर्भर न रहना प?े। आज अति आधुनिक ड्रोन से लेकर अविश्वसनीय मारक क्षमता वाली मिसाइलों तक का निर्माण भारत में किया जा रहा है।

विगत दिनों ईरान-इजराइल के मध्य संघर्ष के बीच ईरान के शक्तिशाली व मजबूत परमाणु संयंत्रो को नष्ट करने की क्षमता न होने के कारण इजराइल को भी अमेरिका की शरण में जाना प?ा था। ऐसी ही परिस्थितियों से बचने के लिए भारत अब बंकर ब्लस्टर बम बनाने की दिशा में भी अग्रसर है। वर्तमान समय में कुछ ही राष्ट्रों के पास बंकर ब्लस्टर जैसी सुविधा उपलब्ध है और जब भारत भी उस श्रेणी में आ जाएगा। जब भारत का यह स्वदेशी बंकर ब्लस्टर बम बनकर तैयार हो जाएगा तब हमारी अग्नि-5 मिसाइल दुश्मन के मजबूत ठिकानों और तहखानों को मिनटों में ध्वस्त करक वापस चली आएगी।

भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं संगठन अग्नि 5 मिसाइल के दो नये एडवांस प्रारूप विकसित कर रहा है जिसमें प्रथम प्रारूप बंकर ब्लस्टर वॉरहेड या विस्फोटक ले जाने वाला होगा जो जमीन के भीतर 80 से 100 मीटर तक जाकर दुश्मन के ठिकानों को ध्वस्त करेगा जबकि दूसरा प्रारूप विस्फोटक ले जाने वाला होगा। ये दोनों ही प्रारूप दुश्मन के डिफेंस सिस्टम, न्यूक्लियर सिस्टम, रडार सिस्टम, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर और हथियार डिपो को ध्वस्त करके वापस लौट आएंगे। अग्नि -5 बंकर ब्लस्टर मिसाइल जमीन, स?क और मोबाइल लांचर से दागी जाएगी। अग्नि-5 भारत की एक ऐसी मिसाइल है जो एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप तक निशाना लगा सकती है। इसकी रेंज 5 से 7 हजार किमी तक हैं ये परमाणु हथियार भी ले जा सकती है। भारत का बंकर ब्लस्टर बम अमेरिकी बम से भी अधिक क्षमतावान बनाया जा रहा है।भारत की बंकर ब्लस्टर मिसाइल अमेरिकी बम से अधिक गहराई तक निशाना लगा सकती है। भारत को चीन और पाकिस्तान से पैदा हुए खतरे को देखते हुए ही इस प्रकार की मिसाइल का निर्माण किया जा रहा है।

भारतीय नौसेना को मिला तमाल- इसी प्रकार ब्रहमोस मिसाइलों से लैस अब तक का सबसे घातक आधुनिक स्टील्थ युद्धपोत आईएनएस तमाल अब भारतीय नौसेना में शामिल हो गया है जिसके कारण अब समुद्र में भी भारत की ताकत ब? गई है। इस बहुददेशीय अतिआधुनिक युद्धपोत का जलावतरण रूस के केलिनिनग्राद में हुआ। नौसेना के पश्चिमी बे? में शामिल यह युद्धपोत हिंद सागर में तैनात होगा और पाकिस्तान से लगती सीमा पर निगरानी में भारत की सबसे बढी ताकत बन जायेगा।

आज का इतिहास | बढ़ता राजस्थान

5 जुलाई की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

- 767 नेपी के ड्यूक ने अपने भाई का नाम पोप कॉन्स्टैंटाइन द्वितीय रखा।
- 1166 ऑस्ट्रियाई शहर बैड क्लेनकिर्चहेम का पहली बार चर्च दस्तावेज में उल्लेख।
- 1294 पिएत्रो डेल मुरोन पोप सेलेस्टाइन के रूप में चुने गए।
- 1295 स्कॉटलैंड और फ्रांस ने इंग्लैंड के खिलाफ औल्ड एलायंस शुरू किया।
- 1436 जर्मन सम्राट सिगिस्मंड ने हुसिएटेन के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- 1450 पोप निकोलस ङ्क ने वालराम ऑफ मोर्स को मुंस्टर का बिशप नियुक्त किया।
- 1596 एसेक्स के रॉबर्ट डेवेरेक्स के नेतृत्व में अंग्रेजी बेड़े ने कैडिज़ पर कब्जा किया।
- 1601 ओस्टेंड की घेराबंदी शुरू, स्पेनिश सेना ने फ़्लैंडर्स के किले पर हमला किया।
- 1610 जॉन गाइ और 39 उपनिवेशवादी ब्रिस्टल से न्यूफ़ाउंडलैंड के लिए रवाना हुए।
- 1626 लेन्ज़ की लड़ाई- विद्रोही ऑस्ट्रियाई बोअर्स पराजित।
- 1628 अंग्रेज़ बसने वालों ने बारबाडोस में सेंट माइकल (ब्रिजटाउन) की स्थापना की।
- 1643 अमेरिका में पहला दर्ज बवंडर, एसेक्स काउंटी, मैसाचुसेट्स।
- 1715 ओटोमन सैनिकों ने एक्रोकोरिंथ पर हमला किया, नरसंहार और गुलामी हुई।
- 1770 चेसमा की नौसैनिक लड़ाई का पहला दिन, रूसियों ने जीत हासिल की।
- 1775 द्वितीय महाद्वीपीय कांग्रेस ने किंग जॉर्ज तृतीय के लिए ओलिव ब्रांच याचिका तैयार की।
- 1803 आर्टलेनबर्ग सम्मेलन- हनोवर पर फ्रांसीसी कब्ज़ा।
- 1807 ब्यूनस आयर्स की दूसरी लड़ाई में ब्रिटिश सेना की हार।
- 1813 1812 का युद्ध- फोर्ट श्लॉसर, ब्लैक रॉक और प्लैट्सबर्ग पर ब्रिटिश छापे।
- 1830 फ्रांस ने अल्जीरिया पर आक्रमण किया, 40 साल की विजय शुरू।
- 1834 ओरेगन देश में अनंतिम सरकार का गठन।
- 1843 ओरेगन देश में नागरिक सरकार के लिए 9 सदस्यीय समिति नियुक्त।
- 1861 कार्थेज की लड़ाई, मिसौरी- अमेरिकी जनरल सिगेल ने अलगाववादियों पर हमला किया।
- 1863 जैक्सन और बर्डसॉन्ग फेरी की लड़ाई, मिसिसिपी।
- 1864 चट्टाहूची नदी, जॉर्जिया में लड़ाई, अटलांटा अभियान का हिस्सा।
- 1864 स्मिथ अभियान की लड़ाई, मिसिसिपी (टुपेलो, हैरिसबर्ग)।
- 1878 बाकू गवर्नरेट का राज्य चिह्न स्थापित।
- 1884 जर्मन महावाणिज्यदूत गुस्ताव नचटिगल ने कैमरून पर कब्ज़ा किया।
- 1884 अमेरिकी कांग्रेस ने द्वितीय चीनी बहिष्कार अधिनियम स्वीकार किया।
- 1900 डच प्रथम चैंबर से अनिवार्य शिक्षा कानून पारित।

विशेष आलेख

15 वें दलाई लामा की खोज के एलान पर आखिर चीन क्यों परेशान है!

सर्वोच्च तिब्बती बौद्ध धर्म गुरु ने यह भी स्पष्ट किया कि अगला दलाई लामा कौन होगा, इसकी प्रक्रिया 2011 में ही तय कर ली गई थी। उन्होंने कहा कि नए दलाई लामा का चुनाव करने की जिम्मेदारी केवल गादेन फोडरंग ट्रस्ट के लोगों पर होगी। यह दलाई लामा का कार्यालय है। दलाई लामा ने कहा कि इस प्रक्रिया में और कोई दखल नहीं दे सकता है। उन्होंने नए दलाई लामा के चुनाव को लेकर यह भी स्पष्ट किया है कि वह किसी 'आजाद देश' में पैदा होंगे। दलाई लामा ने यह ऐलान 6 जुलाई, 2025 को उनके 90वें जन्मदिन से पहले किया हैं।

रामस्वरूप रावतसरे

तिब्बती बौद्ध समुदाय के सबसे बड़े धर्मगुरु दलाई लामा ने ऐलान किया है कि उनका पद उनके निर्वाण के बाद भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा है कि उनके जाने के बाद भी दलाई लामा का पद जारी रहेगा और नए दलाई लामा की खोज उनका ट्रस्ट करेगा। उन्होंने यह भी साफ़ कर दिया है कि उनका पुन: अवतार किसी 'आजाद देश' में होगा। दलाई लामा ने यह घोषणा अपने 90वें जन्मदिन से पहले की हैं। दलाई लामा के बयान पर चीन बौखला भी गया है।

धर्मगुरु दलाई लामा द्वारा 2 जुलाई, 2025 को इस संबंध में अपना बयान जारी कर उन्होंने कहा, 24 सितंबर 2011 को तिब्बती आध्यात्मिक परंपराओं के प्रमुखों की एक बैठक में, मैंने तिब्बत में और उसके बाहर रहने वाले साथी तिब्बतियों, तिब्बती बौद्ध धर्म के अनुयायियों के सामने एक बयान दिया था। इसमें मैंने पूछा था कि क्या दलाई लामा की पदवी जारी रहनी चाहिए। 1969 में ही मैंने स्पष्ट कर दिया था कि यह सम्बन्धित लोगों को तय करना होगा कि यह जारी रहे या नहीं। उन्होंने 2011 में बताया था, जब मैं लगभग 90 वर्ष का हो जाऊँगा तो मैं तिब्बती बौद्ध परंपराओं के लामाओं, तिब्बती जनता और तिब्बती बौद्ध धर्म का पालन करने वाले अन्य लोगों से विचार करूँगा कि दलाई लामा की संस्था जारी रहे या नहीं।

धर्मगुरु दलाई लामा ने इस बयान में कहा कि उन्होंने कोई सार्वजनिक चर्चा नहीं की है कि लेकिन उनसे अलग-अलग जगह के तिब्बतियों और तिब्बती धर्म गुरुओं और यहाँ तक चीन के लोगों ने यह संस्था बनाए रखने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा, इन सभी अनुरोधों के अनुसार, मैं पुष्टि कर रहा हूँ कि दलाई लामा की संस्था जारी रहेगी।

सर्वोच्च तिब्बती बौद्ध धर्म गुरु ने यह भी स्पष्ट किया कि अगला दलाई लामा कौन होगा, इसकी प्रक्रिया 2011 में ही तय कर ली गई थी। उन्होंने कहा कि नए दलाई लामा का चुनाव करने की जिम्मेदारी केवल गादेन फोडरंग ट्रस्ट के लोगों पर होगी। यह दलाई लामा का कार्यालय है। दलाई लामा ने कहा कि इस प्रक्रिया में और कोई दखल नहीं दे सकता है। उन्होंने नए दलाई लामा के चुनाव को लेकर यह भी स्पष्ट किया है कि वह किसी 'आजाद देश' में पैदा होंगे। दलाई लामा ने यह ऐलान 6 जुलाई, 2025 को उनके 90वें जन्मदिन से पहले किया हैं।

तिब्बत से बौद्धों और दलाई लामा को बाहर करके 1950 के दशक में कब्जा करने वाला चीन इस ऐलान के बाद भड़क गया है। उसने इसको लेकर एक बयान जारी किया है। चीन ने कहा है कि वर्तमान दलाई लामा के उत्तराधिकारी की नियुक्ति को चीनी सरकार से अनुमति लेनी होगी। चीन ने यह भी कहा है कि नए दलाई लामा की पहचान भी उसी के यहाँ की जाएगी। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा, दलाई लामा, पंचेन लामा और अन्य महान बौद्ध हस्तियों के पुनर्जन्म का चयन सोने के कलश से लॉटरी निकालकर किया जाना चाहिए और चीन की केन्द्रीय कमिटी द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए। चीन ने एक और बयान जारी किया है जिसमें उसने एक एक्सपर्ट ली देचेंग के हवाले से कहा है कि कभी भी पवित्र बौद्ध पदवियों का पुनर्जन्म उनके जीवित रहते डिसाइड नहीं होता। उसने कहा है कि यह दलाई लामा के मामले में सीधे सोने के बॉक्स से लॉटरी निकाल कर जारी होता है। दलाई लामा को चुनने और उनकी नियुक्ति का क्या इतिहास रहा है, इसका पूरा इतिहास बखान करते हुए चीन ने 14वें और वर्तमान दलाई लामा का विरोध किया है।

जानकारी के अनुसार वर्तमान दलाई लामा 1950 के बाद तिब्बत से भारत आ गए थे। उनके साथ हजारों तिब्बती भी भारत आ गए थे। दलाई लामा तिब्बत के प्रमुख माने जाते हैं। लेकिन चीन के कब्जे के खिलाफजब तिब्बती सेना नहीं लड़ पाई, तो उन्होंने भारत आने का फैसला लिया और हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में तिब्बत की निर्वासित सरकार बनाई। वह तिब्बत को चीन का हिस्सा नहीं मानते और कम्युनिस्ट सरकार की तिब्बत की संस्कृति मिटाने के प्रयासों के खिलाफ खड़े रहे हैं। तिब्बत की बौद्ध जनता का बड़ा हिस्सा उनके वहाँ से आने के 7 दशकों के बाद भी उनके प्रति समर्पित हैं। चीन, तिब्बत को अपना हिस्सा बताता है और दलाई लामा उसका विरोध करते हैं।

दलाई लामा ने चीन की नास्तिक सरकार से समझौता करने से इनकार भी कर दिया था। ऐसे में वहाँ की कम्युनिस्ट सरकार उनके प्रति जहर उगलती रहती है। तिब्बत के लोगों को अपने पाले में करने के लिए वह दलाई लामा के विरोध में खड़ी है। चीन ने तिब्बत में अपना प्रभाव जमाने को एक फर्ज़ी पंचेन लामा भी नियुक्त किया हुआ है। पंचेन लामा तिब्बती बौद्ध धर्म में दूसरी सबसे बड़ी पदवी है। वर्ष 1995 में 6 वर्ष के एक बच्चे को दलाई लामा ने 11वां पंचेन लामा घोषित किया था। चीन की कम्युनिस्ट सरकार ने उन्हें किडनैप कर लिया और अपना आदमी उनकी जगह नियुक्त कर दिया। दलाई लामा की नियुक्ति के मामले में भी चीन यही करना चाहता था लेकिन उन्होंने अब पुन: अवतार की बात करके चीन की नींद उड़ा दी है। इसलिए वह अलग-अलग तरह से प्रोपेगेंडा कर रहा है और उन्हें झुठलाने का प्रयास कर रहा है।

जानकारी के अनुसार तिब्बती बौद्ध धर्म में अब तक 14 दलाई लामा हुए हैं। सारे दलाई लामा बोधिसत्व का अवतार माने जाते हैं। दलाई लामा को खोजने के लिए एक प्रक्रिया पहले से ही निर्धारित है।

सोशल मीडियाः नया नशा, टूटते रिश्ते और बढ़ता मानसिक तनाव

प्रियंका सौरभ

बच्चे अब खेल के मैदान में नहीं, मोबाइल स्क्रीन पर %गेमिंग% कर रहे हैं। स्कूलों से लौटकर माँ-बाप से बात करने की बजाय वे इंस्टाग्राम खोलते हैं। किशोरावस्था, जो कभी आत्म-अन्वेषण और सामाजिक अनुभवों का समय हुआ करता था, आज वह सेल्फी, फ़िल्टर और वर्चुअल पहचान की दौड़ में उलझ गया है।

सोशल मीडिया के इस अति-उपयोग ने एक ऐसा द्वंद्व पैदा किया है जहाँ व्यक्ति दिखने में बहुत व्यस्त है पर भीतर से बेहद अकेला है। रिश्ते जो कभी जीवन का आधार होते थे, अब %टैग% और %मेंशन% में बदल चुके हैं। पति-पत्नी एक ही छत के नीचे रहते हैं, लेकिन बातचीत व्हाट्सएप पर होती है।

आज का समाज एक ऐसे मोड़ पर आ खड़ा हुआ है जहाँ एक तरफ़ तकनीकी प्रगति ने जीवन को सहज और तेज़ बना दिया है, वहीं दूसरी ओर यही तकनीक धीरे-धीरे सामाजिक ताने-बाने को चुपचाप खोखला कर रही है। सोशल मीडिया, जो कभी सूचना और संपर्क का सशक्त माध्यम था, आज एक ऐसा नशा बन चुका है जिसने परिवार, संबंध और मानसिक स्वास्थ्य तीनों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।

पहले के समय में संवाद का अर्थ था - बैठ कर बात करना, साथ हँसना, रोना, बहस करना और समझना। आज यह सब कुछ टाइप और स्क्रॉल में बदल गया है। बच्चे हों या बुजुर्ग, महिलाएं हों या पुरुष - सबके हाथ में स्मार्टफोन है और निगाहें स्क्रीन पर। कभी जो बातें रसोई, आँगन या बैठक में होती थीं, आज वो %स्टेटस अपडेट%, रील या ट्वीट में समा गई हैं।

जिस रफ्तार से इंटरनेट की पहुँच और स्मार्टफोन का प्रसार हुआ है, उसी रफ्तार से हमारी असल दुनिया सिमटती जा रही है। सोशल मीडिया ने रिश्तों की परिभाषा बदल दी है - अब दोस्त वो हैं जिनके पोस्ट पर हम हार्ट भेजते हैं, परिवार वो है जिसके मैसेज को हमने सीन किया हो, और सुख-दुख वो है जो हमने स्टोरी पर साझा किया हो।

बच्चे अब खेल के मैदान में नहीं, मोबाइल स्क्रीन पर गेमिंग कर रहे हैं। स्कूलों से लौटकर माँ-बाप से बात करने की बजाय वे इंस्टाग्राम खोलते हैं। किशोरावस्था, जो कभी आत्म-अन्वेषण और सामाजिक अनुभवों का समय हुआ करता था, आज वह सेल्फी, फ़िल्टर और वर्चुअल पहचान की दौड़ में उलझ गया है।

सोशल मीडिया के इस अति-उपयोग ने एक ऐसा द्वंद्व पैदा किया है जहाँ व्यक्ति दिखने में बहुत व्यस्त है पर भीतर से बेहद अकेला है। रिश्ते जो कभी जीवन का आधार होते थे, अब %टैग% और %मेंशन% में बदल चुके हैं। पति-पत्नी एक ही छत के नीचे रहते हैं, लेकिन बातचीत व्हाट्सएप पर होती है। माँ-बाप बच्चों को खाना परोसते हैं, और बच्चे खाने से पहले उसकी तस्वीर खींचकर पोस्ट करते हैं।

यह आदत अब लत बन चुकी है - सुबह उठते ही सोशल मीडिया चेक करना, रात को सोने से पहले स्क्रॉल करना, हर क्षण को लाइव करना या कम से कम फ़ोन में कैद करना। यह व्यवहार अब केवल समय की बर्बादी नहीं, बल्कि मानसिक विकारों का बीज भी बन चुका है।

डिजिटल लाइफस्टाइल ने न केवल नींद, आहार, एकाग्रता को प्रभावित किया है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डाला है। सोशल मीडिया पर दिखने वाली %परफेक्ट ज़िंदगी% का निरंतर सामना आम इंसान को हीन भावना से भर देता है। दूसरों की सफलताओं, सुंदरताओं, यात्रा और जीवनशैली की तस्वीरें देखकर व्यक्ति अपने जीवन को तुच्छ समझने लगता है। यही वह क्षण होता है जब तनाव, अवसाद और आत्मग्लानि जैसे विकार जन्म लेने लगते हैं। खासकर किशोरों और युवाओं में यह प्रभाव और भी तीव्र है।

शख्सियत | बढ़ता राजस्थान

डॉ.अमित यादव(आईएएस)
मिशन निदेशक(एन.एच.एम)

नमस्कार साथियों हमारी आज की शख्सियत कॉलम के स्टार हैं युवा व डायनेमिक आईएएस अधिकारी डॉ.अमित यादव जोकि इस समय मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं पदेन संयुक्त शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग एवं पदेन ट्रॉमा आयुक्त, राजस्थान जयपुर जैसे पदों को सुशोभित कर रहे हैं। 09 नवम्बर सन 1989 को हरियाणा में जन्में अमित यादव शुरू से ही होनहार और कुछ कर गुजरने वाले युवा रहे हैं। एमबीबीएस करने के बाद भारतीय प्रशासनिक सेवा में आए और आज मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं पदेन संयुक्त शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग एवं पदेन ट्रॉमा आयुक्त, राजस्थान जयपुर में अपनी सेवाए दे रहे हैं। बेहद शानदार व्यक्तित्व के अधिकारी के रूप में इन्हे जाना जाता है। लोगों की अंतिम छोर तक सुनवाई करके उन्हे राहत देना इनके जॉब की प्रमुखता रही है। इससे पूर्व ये जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, भरतपुर रहे उससे पूर्व जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, नागौर। जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, सीकर। संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, स्टेट हैल्थ एश्योरेन्स ऐजेन्सी, राजस्थान जयपुर। सहायक मुख्य कार्यकारी अधिकारी,स्टेट हैल्थ एश्योरेन्स ऐजेन्सी, राजस्थान जयपुर। आयुक्त, नगर निगम जोधपुर दक्षिण, जोधपुर। मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद् .कम.-अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, ईजीएस एवं पदेन मुख्य परियोजना अधिकारी माडा भरतपुर। मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद् भरतपुर। उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट, मलसीसर झुन्झुनू। उपखण्ड अधिकारी, बागीडोरा बांसवाड़ा। सहायक सचिव, पोत परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली। सहायक कलक्टर एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट प्रशिक्षणाधीन नागौर रहे इसके अतिरिक्त संभागीय आयुक्त, भरतपुर व अध्यक्ष, भरतपुर विकास प्राधिकरण भरतपुर के अतिरिक्त पदभार को भी संभाले रखा। टीम बढ़ता राजस्थान ऐसे ऊर्जावान अधिकारी के उज्जवल भविष्य की कामना करती है। रुपक शर्मा

संस्मरण

स्वामी विवेकानंद ने पश्चिमी देशों तक पहुंचाए थे योग और वेदांत के दर्शन

कोलकाता में 12 जनवरी 1863 को नरेंद्र नाथ दत्त का जन्म हुआ था। उनके पिता का नाम विश्वदत्त था, जोकि फेमस वकील थे और उनकी मां का नाम भुवनेश्वरी देवी था। उनकी शुरूआती शिक्षा ईश्वर चंद्र विद्यासागर के मेट्रोपॉलिटन इंस्टीट्यूशन से पूरी हुई। इसके बाद उन्होंने प्रेसीडेंसी कॉलेज और स्कॉटिश चर्च कॉलेज से शिक्षा प्राप्त की। नरेंद्र नाथ एक मेधावी छात्र थे और उनको पढ़ाई के अलावा संगीत, खेलकूद और अन्य कलाओं में भी रुचि रखते थे।

रामकृष्ण परमहंस से मिलन

नरेन्द्रनाथ की आध्यात्मिक खोज ही उनको रामकृष्ण परमहंस के पास लेकर आई। रामकृष्ण परमहंस के साथ नरेन्द्रनाथ की पहली मुलाकात साल 1881 में हुई थी। परमहंस ने उनको अपने शिष्य के रूप में स्वीकार किया और आत्मज्ञान का मार्ग दिखाया।

संन्यास और नया नाम

1886 में रामकृष्ण परमहंस के निधन के बाद, नरेन्द्रनाथ ने संन्यास ले लिया। संन्यासी नरेंद्रनाथ ने अपना नाम बदलकर स्वामी विवेकानंद रख लिया। इसके बाद उन्होंने भारत के विभिन्न हिस्सों की यात्रा की और भारतीय समाज की दशा को देखा और समझा।

शिकागो धर्म महासभा

साल 1893 में शिकागो में आयोजित विश्व धर्म महासभा में स्वामी विवेकानंद ने भारत का प्रतिनिधित्व किया था। यहां पर उनके भाषण में पश्चिमी देशों में भारतीय संस्कृति और वेदांत दर्शन की महत्ता को उजागर किया। स्वामी विवेकानंद ने अपने भाषण की शुरूआत %अमेरिका के भाइयों और बहनों% के संबोधन से हुई और इसने सबका दिल जीत लिया। उनके भाषण से दो मिनट तक धर्म संसद तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा।

रामकृष्ण मिशन की स्थापना

साल 1897 में स्वामी विवेकानंद ने अपने गुरु रामकृष्ण परमहंस को समर्पित रामकृष्ण मिशन की स्थापना की। इसका उद्देश्य शिक्षा, सेवा और आध्यात्मिकता के जरिए से समाज की सेवा करना था। इस मिशन द्वारा कई विद्यालय, अस्पताल और सामाजिक सेवा के कार्य शुरू हुई। इसके अलावा स्वामी विवेकानंद ने बारानगोर मठ की स्थापना की, जोकि बाद में रामकृष्ण मिशन का मुख्यालय बना। इस मठ का उद्देश्य धार्मिक, शैक्षिक और सामाजिक कार्यों को समर्थन देना है।

निधन

स्वामी विवेकानंद का 04 जुलाई 1902 को बेलूर मठ में निधन हो गया था, उस दौरान वह सिर्फ 39 साल के थे। लेकिन स्वामी विवेकानंद के जीवन और कार्यों का प्रभाव आज भी व्यापक रूप से महसूस किया जा सकता है।

आज का राशिफल

हमारे अनुभवी ज्योतिषियों की टीम के अनुसार आप कई विविध लक्ष्यों को पूरा करेंगे। क्या आप यह जानना चाहते है कि आपके जीवन के ऐसे कौनसे क्षेत्र है, जहां आपके सितारे बुलंद रहेंगे और दूसरी तरफ, अपको किस बातों से सावधान रहना चाहिए। हम न सिर्फ हमारे काम में और जटिल मुद्दों को सुलझाते वक्त सकारात्मक ऊर्जा को महसूस करेंगे, बल्कि पारम्परिक संबंधों में भी, जहां यह स्थानान्तरण हमें संताप और बातचीत में लाभ प्रदान करेगा

मेष
उत्तम भोजन की प्राप्ति होगी। निर्धारित कार्यों में कम सफलता मिलेगी। आज आपकी वैचारिक समृद्धि बढ़ेगी। मीठी वाणी से आप लाभप्रद, सौहार्द्रपूर्ण संबंध विकसित कर सकेंगे। उत्तम भोजन, भेंट उपहारों और वस्त्रों की प्राप्ति होगी।

वृष
लंबी अवधि की आर्थिक योजना के लिए दिन अनुकूल है। आर्थिक और व्यावसायिक दृष्टि से दिन लाभदायक होगा। शारीरिक और मानसिक स्फूर्ति और ताजगी का अनुभव होगा। मित्रों तथा स्वजनों की ओर से उपहार मिलेगा।

मिथुन
आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार में किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। किसी नए मेहमान का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

कर्क
मानसिक दुविधा में होने के कारण आप महत्वपूर्ण निर्णय नहीं ले सकेंगे। पानी वाली जगहों तथा अन्य गर्म तरल पदार्थों से सावधान रहें। परिवार या जमीन से संबंधित मामलों पर चर्चा और कहीं जाने की योजना टालें। दुर्घटना से बचें। नए काम करने की प्रेरणा मिलेगी।

सिंह
परोपकार के लिए किए काम आपको आंतरिक खुशी देंगे। आज आपकी वाणी का जादू किसी को अभिभूत करके आपको लाभ दिलाएगा। वाणी की सौम्यता नए संबंध स्थापित करने में सहायक होगी।

कन्या
पठन-लेखन जैसी साहित्यिक प्रवृत्तियों में अभिरुचि बढ़ेगी। परिश्रम का अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने से थोड़े निराश हो सकते हैं। विद्यार्थी पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे। पेट की तकलीफ से परेशानी हो सकती है। सगे-संबंधियों के साथ अनबन होगा।

तुला
शारीरिक तथा मानसिक स्वस्थता बनी रहेगी। आनंद की प्राप्ति, जीवनसाथी की निकटता और प्रवास-पर्यटन से आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज के दिन ज़रा सा भी असंयमित और अनैतिक व्यवहार आपको तकलीफ में डाल सकते हैं।

वृश्चिक
वाणी की शिथिलता के कारण उग्र तकरार हो सकती है। सगे-संबंधियों के साथ अनबन होगा। मनोरंजन या घूमने-फिरने के पीछे पैसे खर्च होंगे। शारीरिक, मानसिक व्यग्रता कम करने के लिए आध्यात्मिकता सहायक साबित होगी।

धनु
स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा। परिवार में आनंद का वातावरण रहेगा। पिता तथा सरकार से लाभ मिलेगा। आर्थिक योजना अच्छी तरह पूरी कर सकेंगे। व्यापार-धंधे के लिए प्रवास की संभावना है। अन्य लोगों की सहायता करने का प्रयत्न करेंगे।

मकर
पारिवारिक सदस्यों के साथ सुख-शांति में दिन व्यतीत होगा। उनका सहयोग मिलेगा। दूरस्थ मित्र और स्नेहीजनों के साथ संपर्क लाभदायक साबित होंगे। अपनी प्रभावशाली वाणी से अन्य लोगों का ध्यान आकर्षित कर सकेंगे।

कुंभ
नौकरी-धंधे या व्यवसाय में लाभ की प्राप्ति होगी। मित्रों के साथ मुलाकात, प्रवास का आयोजन होगा। विवाहोत्सुक युवक-युवतियों के लिए सुनहरे अवसर आएंगे। पुत्र तथा पत्नी से लाभ होगा। घर के बुजुर्गों के जरिए लाभ मिलेगा।

मीन
शारीरिक और मानसिक ताजगी के साथ घर में भी आनंद का वातावरण रहेगा। दोस्तों से लाभ होगा। कार्य सफलता और प्रिय व्यक्ति का साथ आनंदप्रद रहेगा। आर्थिक लाभ और भाग्य वृद्धि की संभावनाएं हैं। सगे-संबंधियों के साथ अनबन होगा।

36 घंटे से सड़क पर शव लेकर बैठे परिजन:2 लोग डिटेन, भाई ने कहा- पुलिस समझौता करने का बना रही है दबाव

बढ़ता राजस्थान

टोंक (का.स.)। टोंक जिले के देवली के राजमहल गांव में बुधवार रात को युवक को बजरी से भरे ट्रैक्टर ने कुचल दिया था। इससे गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने विभिन्न मांगों को लेकर देवली-राजमहल मार्ग पर शव रख कर 36 घंटे से धरना दे रखा है।

व्यापारियों ने प्रतिष्ठान रखे बंद

इस पहले गुरुवार रात को देवली पुलिस उपअधीक्षक कार्यालय में टोंक एसपी विकास सांगवान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोटाराम बेनीवाल, उपखंड अधिकारी मनोज कुमार मीणा, देवली पुलिस उपाधीक्षक रामसिंह, थाना प्रभारी दौलत राम गुर्जर समेत की मौजूदगी में प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से बातचीत की। जिसमें उन्होंने परिजनों और ग्रामीणों की मांग पुलिस प्रशासन के समक्ष रखी। पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि प्रशासन की ओर से हर यथासंभव सहयोग किया जाएगा। साथ ही कहा कि परिजन जिस तरह की रिपोर्ट देंगे, पुलिस उसी को आधार मानकर कार्रवाई करेगी। जिसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने शुक्रवार को रिपोर्ट देने की बात कही। लेकिन सुबह 10 बजे तक मामले में परिजनों की ओर से कोई रिपोर्ट नहीं दी गई और न ही शव उठाने की सहमति हुई। वहीं मामले को लेकर आज व्यापारियों ने भी दुकानें और प्रतिष्ठान बंद रखे है।

टोंक जिले के राजमहल गांव में मामले को लेकर व्यापारियों ने दुकानें और प्रतिष्ठान बंद रखे ।

दो लोगों को पुलिस ने किया डिटेन

पुलिस ने बताया कि ट्रैक्टर-ट्रॉली ड्राइवर महेंद्र मीणा व बजरी माफिया ईश्वर मीणा को डिटेन कर लिया गया है। जिस पर परिजनों ने आरोप लगाया है।

सरकारी नौकरी और आर्थिक सहायता देने की मांग

मृतक पप्पू के परिवार वाले दोषियों के खिलाफ कार्रवाई, सरकारी नौकरी व 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दिलाने की मांग कर रहे हैं। गुरुवार सुबह करीब 8 बजे विधायक राजेंद्र गुर्जर और प्रशासन के अधिकारी परिजनों को पोस्टमॉर्टम कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दे रहे थे। इसी दौरान पुलिस पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। इस दौरान धरने में शामिल महिलाओं ने एक कॉन्स्टेबल को घेर लिया। उसको जमकर पीटा। कई पुलिसवालों ने भागकर जान बचाई।

वार्ता विफल, ग्रामीण फिर धरने पर लौटे

प्रशासन ने ग्रामीणों से वार्ता की। लेकिन वार्ता विफल ग्रामीण फिर से धरने पर लौट आए। ग्रामीणों ने 25 लाख की आर्थिक सहायता, परिजन को नौकरी और दूनी थाना के पुलिस कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई समेत अन्य मांगें रखी थी।

घर पर आकर दी थी धमकी- मां

पप्पू गुर्जर की मां रामी देवी ने बताया कि ईश्वर मीणा ने घर पर आकर धमकी दी कि तेरे बेटे की बोटी बोटी कर दूंगा, लेकिन हमने उसकी बात पर विश्वास नहीं किया,थोड़ी देर बाद तो मेरे बेटे की मौत की खबर मिल गई। पप्पू ईश्वर मीणा से 2 लाख रुपए मांगता था जो पैसा भी नहीं दिया और मेरे बेटे को मार दिया।

पुलिस समझौता करवाने का बना रही है दबाव- भाई

मृतक के भाई सुनील कुमार गुर्जर ने कहा कि पुलिस हम पर जोर जबरदस्ती कर समझौता करवाने का प्रयास कर रही है, पुलिस तीन-चार लाख रुपए ईश्वर मीणा से दिलवा रही है और ग्रामीणों के खिलाफ मामला दर्ज करने की धमकी दे रही है।

जैविक उर्वरक के लिए दस हजार रूपये का अनुदान

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। कृषि विभाग द्वारा किसानो को जैविक खाद के उपयोग को प्रोत्साहन के लिए प्रति किसान दस हजार रूपये का अनुदान दिया जा रहा है।कृषि विभाग के कृषि पर्यवक्षक एवं आईटी सेल सह संयोजक जुगराज सिंह ने बताया कि गोवर्धन जैविक खाद योजना के अन्तर्गत यह अनुदान दिया जा रहा है। इस योजना के तहत किसानो को अपनी खेती योग्य भूमि पर वर्मी कम्पोस्ट इकाई स्थापित करने के लिए अनुदान दिया जा रहा है। योजना का लाभ लेने के लिए किसानो के पास स्वयं कह खेती योग्य भूमि का होना आवश्यक है। साथ ही कम्पोस्ट बेंड का निर्माण होना आवश्यक है। अनुदान के लिए किसानो के पास जमाबंदी व जनाधार कार्ड होना आवश्यक है।

टोरड़ी बांध धरती पुत्रो को दे सकता है दोहरी खुशी

बांध की चादर शीध्र चलने की संभावना, पानी की पूरी आवक होने से आगामी फसलो के लिए सिंचाई का पर्याप्त पानी मिल सकेगा

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। मालपुरा क्षैत्र के मुख्य सिंचाई स्त्रोत टोरड़ी सागर बांध पूरा भरकर चादरे चलने की पूरी पूरी संभावना बन चुकी है।सिंचाई विभाग के नियन्त्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार शुकवार को सुबह आठ बजे तक मालपुरा क्षैत्र में 27 एमएम,चांदसेन क्षैत्र में 5 एमएम, टोरड़ीसागर बांध क्षैत्र में 180 एमएम,व लाम्बाहरिसिंह क्षैत्र में 4 एमएम बारिश दर्ज की गई है। वहीं दूसरी ओर शुक्रवार को दोपहर बाद तक टोरड़ी सागर बांध में कुल भराव क्षमता 30 फुट के मुकाबले 29.5 फुट पानी की आवक हो चुकी है। बांध में आवक क्षैत्र से लगातार पानी की आवक बनी हुई है। जिससे संभावना है कि टोरड़ी सागर बांध की शीध्र चादर चल सकती है जो किसानो के लिए दोहरी खुशी होगी। क्योंकि बांध की चादर चल जाने के बाद किसानो को दोहरी खुशी है एक तो बांध के भर जाने के बादचादर चलने से चादर का पानी किसानो के उपयोग आएगा। वहीं दूसरी ओर बांध के पूरा भर जाने के बाद किसानो के लिए आगामी फसल के सिंचाई का पानी पर्याप्त मात्रा में मिल सकेगा। इसके अलावा रामसागर लाम्बाहरिसिंह की चादर पूर्व में ही चल रही है।

विभिन्न पर्वो को देखते ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त

बढ़ता राजस्थान

टोंक, (का.स.)। जिला मजिस्ट्रेट कल्पना अग्रवाल ने 6 जुलाई को मोहर्रम एवं 10 को गुरु पूर्णिमा के त्योहारों को देखते हुए जिले में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किये हैं।जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि उपखंड मजिस्टेऊट टोंक को संपूर्ण शहरी क्षेत्र, तहसीलदार एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट टोंक को संपूर्ण ग्रामीण क्षेत्र, उपखंड मजिस्ट्रेट उनियारा को संपूर्ण शहरी क्षेत्र, तहसीलदार एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट उनियारा को संपूर्ण ग्रामीण क्षेत्र का ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। इसी तरह उपखंड मजिस्टेऊट निवाई को संपूर्ण शहरी क्षेत्र, तहसीलदार एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट निवाई को संपूर्ण ग्रामीण क्षेत्र, उपखंड मजिस्ट्रेट पीपलू को संपूर्ण शहरी क्षेत्र, तहसीलदार एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट पीपलू को संपूर्ण ग्रामीण क्षेत्र का ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है।इसी तरह उपखंड मजिस्ट्रेट देवली को संपूर्ण शहरी क्षेत्र, तहसीलदार एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट देवली को संपूर्ण ग्रामीण क्षेत्र, तहसीलदार एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट दूनी को संपूर्ण क्षेत्र, तहसीलदार एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट नगरफोर्ट को संपूर्ण क्षेत्र, उपखंड मजिस्ट्रेट टोडारायसिंह को संपूर्ण शहरी क्षेत्र, तहसीलदार एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट टोडारायसिंह को संपूर्ण ग्रामीण क्षेत्र एवं उपखंड मजिस्ट्रेट मालपुरा को संपूर्ण शहरी क्षेत्र तथा तहसीलदार एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट मालपुरा को संपूर्ण ग्रामीण क्षेत्र का ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया हैं।

मां काली कंकाली मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमाकान्त शर्मा को किया सम्मानित

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। रक्तांचल पर्वत की तलहटी निवाई में स्थित मां काली कंकाली मंदिर में मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें भाजपा के नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष रमाकान्त शर्मा को ट्रस्ट के अध्यक्ष शंकरलाल सोनी के नेतृत्व में मंदिर कमेठी के राजेश भट्ट, पवन साहू, लोकेश गौतम जौंला, सुनील गौतम, ओम गहलोत, टिल्लू नामा, मनीष सोनी, मनु नामा, बनवारी शर्मा व महाराज नारायण शर्मा सहित कई पदाधिकारियों ने माला व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस दौरान नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष रमाकान्त शर्मा सहित सभी मंदिर ट्रस्ट के पदधिकारियों ने माता रानी का आशिर्वाद लिया व खुशहाली की मंगल कामना की।

आज ढाई घंटे विद्युत सप्लाई रहेगी बंद

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। विद्युत लाइनों की मरम्मत के चलते शनिवार को शहर में ढाई घंटे विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। कनिष्ठ अभियंता धनराज यादव ने बताया कि विद्युत लाइनों की मरम्मत कार्य के चलते सुबह 8 से 10.30 बजे तक विद्युत सप्लाई बंद रखी जाएगी। इसके चलते हैं शिवाजी पार्क रोड, जिरात रोड, भगत सिंह कॉलोनी, अहिंसा सर्किल, बड़ा बाजार व झिलाय रोड़ में विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है- पवनकुमार मीणा

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। राजस्थान नर्सेज एसोशियशन (एकीकृत) के प्रदेशाध्यक्ष पवनकुमार मीणा ने उप जिला अस्पताल निवाई का अवलोकन करके आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने नर्सेज एसोशियशन के पदाधिकारियों की आवश्यक बैठक ली। जिसमें कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। प्रदेशाध्यक्ष पवनकुमार मीणा ने कहा कि संगठन के सभी पदाधिकारी ईमानदारी व लगन के साथ समाज सेवा का कार्य करें। उन्होंने कहा कि मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है। उन्होंने कहा कि वह एसोशियशन के पदाधिकारियों की समस्याओं के लिए संघर्षरत है। एसोशियशन के जिला अध्यक्ष त्रिलोकचंद मीणा ने बताया कि संगठन के प्रदेशाध्यक्ष पवनकुमार मीणा शुक्रवार को एसोशियशन के प्रदेश पदाधिकारी जितेंद्र कटरा, अभिजीत भारद्वाज, कमलेश गुर्जर, समौल चौधरी, सियाराम चौधरी, शंकरलाल गुर्जर, वाजिद अली, मुकेशकुमार शर्मा, राजकुमार तिवारी एवं पीएम मीणा सहित कई पदाधिकारियों के साथ अस्पताल का जायजा लिया एवं एसोशियशन के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कुहू इंटरनेशनल एकेडमी के नवीन वातानुकूलित भवन का भव्य शुभारंभ

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर/गंगापुर सिटी (राकेश शर्मा)। राजस्थान के शैक्षिक मानचित्र पर उत्कृष्टता की पहचान बन चुकी कुहू इंटरनेशनल एकेडमी ने एक बार फिर अपने नवाचार और गुणवत्ता की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए पूर्णतया वातानुकूलित नवीन भवन का विधिवत शुभारंभ किया। यह भवन न केवल आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है, बल्कि विद्यार्थियों को शांत, स्वच्छ और प्रेरणादायी वातावरण प्रदान करने हेतु डिज़ाइन किया गया है।इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. हेमंत शर्मा एवं प्रधानाचार्य डॉ. मिथलेश शर्मा ने विधिवत पूजा-अर्चना कर, रिबन काटकर भवन का उद्घाटन किया। इसके बाद सभी विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों को तिलक कर एवं मुँह मीठा कराकर नए भवन में अध्ययन की शुरुआत की गई।

एकेडमी के एचओडी भूपेन्द्र केवट ने जानकारी दी कि कुहू इंटरनेशनल एकेडमी में आईआईटी व नीट की फाउंडेशन कक्षाएं नियमित रूप से संचालित हो रही हैं। इस वर्ष संस्थान ने गौरवशाली उपलब्धि दर्ज करते हुए 7 विद्यार्थियों का चयन नीट में तथा 4 विद्यार्थियों का कक्षा 12वीं के साथ आईआईटी एडवांस में में चयन हुआ है।संस्थान के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण एवं अनुशासित वातावरण ने विद्यार्थियों को न केवल सफलता दिलाई है, बल्कि संस्कार से सफलता तक की परिकल्पना को भी यथार्थ रूप दिया है। यही कारण है कि कुहू इंटरनेशनल एकेडमी आज गंगापुर सिटी में गुणवत्ता की दृष्टि से सर्वोच्च शैक्षिक संस्थान के रूप में प्रतिष्ठित है। संस्थान ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मुख्यमंत्री द्वारा प्राइड ऑफ राजस्थान अवार्ड प्राप्त कर पहले ही अपने स्तर को सिद्ध किया है। कुहू इंटरनेशनल एकेडमी भविष्य में भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, श्रेष्ठ परिणाम और संस्कारयुक्त शिक्षा हेतु सतत प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर हिमांशु शर्मा, मैथ फैकल्टी के शिक्षक कौशलेंद्र , फिजिक्स फैकल्टी विनोद एवं भूपेश, केमिस्ट्री फैकल्टी कपिल एवं धनंजय सर उपस्थित थे।

विशाल कलश यात्रा के साथ तीन दिवसीय प्रतिष्ठा महोत्सव शुरू

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। मालपुरा उपखण्ड की धार्मिक नगरी डिग्गी में श्री श्याम मित्र मंडल पदयात्रा संघ के तत्वावधान में निकली विशाल एवं भव्य कलश यात्रा के साथ तीन दिवसीय मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारम्भ हुआ। शुक्रवार को श्री कल्याण जी महाराज के मन्दिर में पूजा अर्चना के बाद बेण्डबाजो के साथ कलश यात्रा रवाना हुई। कलश यात्रा में संघ के कार्यकर्ता पवित्र निशान को लेकर चले वहीं महिलाऐं नए एवं रंगीन परिधान पहन सिर पर पवित्र कलश धारण कर रवाना हुई। कलश यात्रा का यह जुलुस सभी मुख्य बाजारो से होकर रोडवेज बस सटेण्ड के सामने से चलकर कार्यक्रम आयोजन स्थल श्री धाम डिग्गी पहुंचा। यहां प्रतिष्ठाचार्य पं. रमेश शास्त्री टोरड़ी वालो के पावन सानिंध्य में पवित्र कलशो को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ स्थापित किया गया। साथ ही महोत्सव के अन्तर्गत शुकवार को मण्डप स्थापना, मण्डप अर्चना व अग्नि स्थापना की गई। संघ के पवन मेन्दवास्या ने बताया कि महोत्सव के अन्तर्गत 5 जुलाई शनिवार को नित्यार्चन, मूर्ति अधिवास व हवन तथा 6 जुलाई रविवार को मूर्ति अवमृत स्नान, मूर्तियो का शेष हवन, मूर्ति स्थापना के बाद महाआरती के साथ प्रतिष्ठा महोत्सव की पूर्णाहुति होगी। उन्होंने बताया कि महोत्सव के अन्तर्गत ही रविवार को कार्यक्रम स्थल पर दोपहर एक बजे विशाल भजनामृत रंसगंगा का आयोजन होगा। जिसमें गायक अविनाश शर्मा, आदित्य छीपा सहित अन्य कई कलाकार भजन प्रस्तुत करेगें।

प्रवेशोत्सव नामाकंन रैली निकली

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। मालपुरा उपखण्ड क्षैत्र के चांदसेन में सिकोईडिकोई संस्था के तत्वाधान में विद्यालयो में नामाकंन बढ़ाने के उद्धेश्य से राउमावि के सहयोग से नामाकंन रैली निकाली गई। शुकवार को निकाली रैली में शामिल शाला परिवार व विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए संस्था प्रभारी प्रहलाद जाट ने बताया कि गांव का एक भी बच्चा स्कूल जाने से वचिंत नहीं रहे इसी उद्धेश्य को लेकर यह रैली निकाली गई है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि यदि किसी अभिभावक को जरूरत महसूस हो तो संस्था ऐसे जरूरतमंद परिवारो के बच्चो को स्कूल में प्रवेश दिलाने में जो भी खर्चा आए वह वहन कर सकती है। किसान सेवा समिति अध्यक्ष जगदीश प्रसाद शर्मा ने अपने सम्बोधन में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने का आव्हान कर गांव की स्कूल जाने प्रत्येक बालिका का इस प्रवेशोत्सव के नाम नामाकंन होना चाहिए।

भविष्य की उड़ान नवाचार एवं मुख्यमंत्री जन सहभागिता विद्यालय विकास योजना

सवाई माधोपुर जिले के 40 विद्यालयों को मिला 2.24 करोड़ का वित्तीय संबल

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जिले में संचालित नवाचार भविष्य की उड़ान एवं मुख्यमंत्री जन सहभागिता विद्यालय विकास योजना के अंतर्गत राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर द्वारा जिले के 40 राजकीय विद्यालयों के भौतिक विकास हेतु कुल 2 करोड़ 24 लाख 39 हजार रुपए के कार्यों की राशि का अनुमोदन किया है। संबंधित विद्यालय की विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति द्वारा पारित कार्य के प्रस्ताव के आधार पर समग्र शिक्षा जिला कार्यालय सवाई माधोपुर की मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कृष्णा शर्मा एवं एडीपीसी समग्र शिक्षा दिनेश कुमार गुप्ता के संयुक्त हस्ताक्षर से उक्त कार्यों की वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है।

अप्रैल 2022 से संचालित है भविष्य की उड़ान नवाचार

एडीपीसी समग्र शिक्षा दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि मई 2025 तक जिन विद्यालयों ने भामाशाहों एवं जनसहयोग से एकत्रित राशि मुख्यमंत्री जन सहभागिता विद्यालय विकास योजना के अंतर्गत समग्र शिक्षा जिला कार्यालय के माध्यम से जमा करवाई थी, उन सभी को कार्य की वित्तीय स्वीकृति जारी कर दी गई है । उन्होंने बताया कि विगत 10 माह मे जिले के 40 विद्यालयों ने मुख्यमंत्री जन सहभागिता विद्यालय विकास योजना के तहत लगभग 90 लाख रुपए राशि जमा करवाई थी। इस जनसहयोग से जुटाई गई राशि के अनुपात में राज्य सरकार द्वारा 60 प्रतिशत अतिरिक्त राज्यांश के रूप में 1 करोड़ 34 लाख रुपये की अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

इस प्रकार कुल 2.24 करोड़ रुपये के कार्यों की वित्तीय स्वीकृति विद्यालयों को जारी की गई है।

गौरतलब है भविष्य की उड़ान नवाचार के लिए पूर्व जिला कलक्टर शुभम चौधरी को विगत माह राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री एक्सीलेंस अवार्ड मिला है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से की समीक्षा

बीएलओ चुनाव व्यवस्था की फील्ड पर सबसे महत्वपूर्ण कड़ी- मुख्य निर्वाचन अधिकारी

बढ़ता राजस्थान

जयपुर/टोंक,(का.स.)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवीन महाजन ने कहा कि बूथ लेवल ऑफिसर्स चुनाव व्यवस्था की फील्ड पर सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं, जो मतदाता सूची की शुद्धता एवं निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करते हैं। अत: उनकी नियुक्ति में कार्य कुशलता, प्रतिबद्धता और स्थानीय मतदाताओं से संपर्क जैसे गुणों को प्राथमिकता दी जाए। महाजन शुक्रवार को शासन सचिवालय में मतदान केंद्र रेशनलाइजेशन, मतदाता सूची पुनरीक्षण, बीएलओ नियुक्ति आदि विषयों पर विडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पोलिंग स्टेशन रेशनलाइजेशन का कार्य पूर्णत: मतदाता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किया जाए। रेशनलाइजेशन इस प्रकार हो कि हर मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की आसान पहुँच, मूलभूत सुविधाएं, दूरी आदि का संतुलन बना रहे। उन्होंने प्रत्येक मतदान केंद्र पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि के रूप में बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति के लिए निर्देश दिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि रिक्त पदों पर बीएलओ की जल्द नियुक्ति की जाये और संभावित नए मतदान केन्द्रों के लिए बीएलओ नियुक्ति की प्रक्रिया भी प्रारंभ करें। जिससे मतदाता सूची निर्माण में और अधिक पारदर्शिता लाई जा सके। उन्होंने मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, हटवाने और संशोधन से संबंधित जानकारी सरलता एवं सुगमता से आमजन तक उपलब्ध हो, इसके लिए विभिन्न प्रचार सामग्रियों एवं सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग के निर्देश दिए। जिससे हर वयस्क नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम सुनिश्चित कर सके।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि नए जिलों में निर्वाचन प्रक्रिया को सुगमता से सम्पादित करने के लिए कुशल तंत्र विकसित किया जाये। बैठक में निर्वाचन विभाग के सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे तथा सभी जिला निर्वाचन अधिकारी विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

सेना भर्ती रैली की तैयारियो के संबंध में बैठक आयोजित हुई

5 से 23 अगस्त तक राजकीय राजऋषि महाविद्यालय के खेल मैदान में होगी भर्ती आयोजित

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर बीना महावर की अध्यक्षता में आज मिनी सचिवालय के सभागार में अग्निवीर सेना भर्ती रैली की तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित हुई।अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अलवर में 5 अगस्त से 23 अगस्त तक राजकीय राजऋषि महाविद्यालय में अलवर, खैरथल-तिजारा, कोटपुतली-बहरोड, धौलपुर, भरतपुर व डीग जिले के अभ्यर्थियों के प्रस्तावित अग्निवीर सेना भर्ती रैली के

सफल आयोजन हेतु संबंधित अधिकारी सौपे गए दायित्वों का निर्वहन समयबद्ध रूप से करना सुनिश्चित करे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को रैली स्थल पर पानी, उचित बैठक व अन्य जरूरी तैयारियों को समय से पूर्ण करने निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि भर्ती रैली में फिजिकल टेस्ट के लिए आने वाले 6 जिलों के अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा ना होवे इस हेतु कार्य योजना बनाकर उसे मूर्त रूप देवे। उन्होंने बताया कि अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर लिपिक व स्टोर कीपर तकनीक, अग्निवीर तकनीकी, अग्निवीर ट्रेड्समैन (दसवीं पास) व अग्निवीर ट्रेड्समैन (आठवीं पास) के पद पर अग्निवीर भर्ती फिजिकल टेस्ट प्रस्तावित है। सेना भर्ती निदेशक कर्नल आलोक रंजन ने बताया कि अग्निवीर सेना भर्ती के दूसरे चरण में 5 अगस्त से 23 अगस्त तक अभ्यर्थियों की दौड व फिजिकल टेस्ट आदि का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि इस बार लिखित परीक्षा पहले आयोजित कराई जा रही है जिसमें उत्तीर्ण अभ्यर्थी भर्ती के दूसरे चरण में दौड आदि में भाग लेंगे। उन्होंने पीपीटी के माध्यम से भर्ती की प्रक्रिया, भर्ती ग्राउन्ड एवं प्रशासन द्वारा की जाने वाली व्यवस्थाओं के बारे में अवगत कराया।अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय तेजपाल सिंह ने कहा कि सेना भर्ती के दौरान पर्याप्त संख्या में पुलिस जाब्ता तैनात किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि रोडवेज व परिवहन विभाग से अभ्यर्थियों के आवागमन के लिए निर्धारित वाहन व स्थानों पर समन्वय रखकर आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएगी। इसके पश्चात अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर सहित समस्त संबंधित अधिकारियों व सेना के अधिकारियों ने भर्ती स्थल राजकीय राजऋषि महाविद्यालय के खेल मैदान का निरीक्षण किया। बैठक में नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका, उपखण्ड अधिकारी अलवर यशार्थ शेखर, डीटीओ श्री सुरेश यादव, जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता श्री रमेश चंद सैनी, पीडब्ल्यूडी की अधिशासी अभियन्ता श्रअल्का व्यास, विद्युत विभाग के अधिशासी अभियन्ता महेश देशवाल, डिप्टी सीएचएमओ डॉ. के.के मीना, तहसीलदार श्रीमती रश्मि शर्मा, रसद विभाग के प्रवर्तन अधिकारी श्री रणधीर सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मकान पर फायरिंग कर भागे अज्ञात बदमाश

बढ़ता राजस्थान

राजगढ़ /अलवर (राजकुमार गुप्ता)। राजगढ़ पुलिस थाना क्षेत्र के भेरूघाटी ग्राम में रात्रि को मकान पर फायरिंग कर जानलेवा हमले के प्रयास का मामला दर्ज हुआ है। थाना प्रभारी राजेश कुमार मीणा ने बताया कि भैरू घाटी निवासी दिनेश कुमार शर्मा ने मामला दर्ज कराया कि घटना 1 जूलाई की है। रात को वह घर में सोया हुआ था। अचानक तेज गोली चलने की आवाज सुनाई दी। इस पर दिनेश शर्मा ने देखा तो खिड़की का कांच टूटा हुआ था। इस घटना के बाद दिनेश एवं उसके परिवार जनों ने बाहर आकर देखा तो खिड़की के पास नीचे एक गोली पड़ी मिली। इस पर दिनेश कुमार ने अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी राजेश मीणा ने बताया कि जानलेवा हमले के प्रयास का मामला दर्ज किया गया है।

जिला कलक्टर ने तीरंदार खिलाडी डोली मीणा को सीएसआर के तहत 2 लाख रूपये की राशि का चेक प्रदान किया

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने आज सीएसआर के अंतर्गत अलवर शहर के विवेकानन्द नगर की प्रतिभावान तीरंदाज खिलाडी डोली मीणा को अलवर चैंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री की ओर से 2 लाख रूपये की सहायता राशि का चेक प्रदान किया। जिला कलक्टर ने जिले की तीरंदाज खिलाडी डोली मीणा को एसजीएफआई नेशनल गेम्स 2023 में गोल्ड मेडल तथा खेलो इंडिया नेशनल गेम्स में सिल्वर मेडल प्राप्त करने पर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कडी मेहनत व सच्ची लगन से खेल में और अच्छा प्रदर्शन जिले व देश का नाम रोशन के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने डोली मीणा को सीएसआर के तहत सहायता राशि प्रदान करने के लिए अलवर चैंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री के पदाधिकारियों को साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि युवा खिलाडी डोली मीणा की खेल प्रतिभा से जिले के खिलाडियों को भी अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की प्रेरणा मिलेगी।उल्लेखनीय है कि जिले की युवा प्रतिभावान खिलाड़ी डोली मीणा पुत्री अशोक कुमार मीना ने तीरंदाजी के क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एसजीएफआई नेशनल गेम्स 2023 में गोल्ड मेडल तथा खेलो इंडिया नेशनल गेम्स में सिल्वर मेडल हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है।इस दौरान जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र के महाप्रबंधक श्री एम.आर मीणा, अलवर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष श्री राजेश गुप्ता, श्री निकुंज सांघी, श्री संदीप गुप्ता मौजूद रहे।

कृषक उपहार योजना के तहत जारी ई-कूपनों की लॉटरी का हुआ आयोजन

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। राज्य सरकार द्वारा मण्डी समितियों के माध्यम से संचालित कृषक उपहार योजना के अंतर्गत कृषि उपज मण्डी समिति अलवर के कार्यालय में ई-उपहार कूपनों की लॉटरी आयोजित हुई। लॉटरी कृषि उपज मण्डी की प्रशासक एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं नामित प्रतिनिधि कृषि उपज मण्डी बयाना के सचिव श्री दिलीप सिंह एवं कृषि उपज मण्डी समिति अलवर की सचिव अंजु की मौजूदगी में निकाली गई। कृषि उपज मण्डी समिति की सचिव अंजु ने बताया कि ई-पेमेन्ट की विक्रय पर्चियों पर जारी कूपनों की लॉटरी में प्रथम पुरस्कार 25 हजार रूपये श्री अवनी को, द्वितीय पुरस्कार 15 हजार रूपये श्री प्रतीम सिंह एवं तृतीय पुरस्कार 10 हजार रूपये श्रीमती बत्तो देवी के नाम से निकाला गया। उन्होंने बताया कि गेटपास की विक्रय पर्चियों पर जारी कूपनों की लॉटरी में प्रथम पुरस्कार 25 हजार रूपये श्री अशोक, द्वितीय पुरस्कार 15 हजार रूपये श्री रामप्रसाद यादव एवं तृतीय पुरस्कार 10 हजार रूपये श्री शिवाराम के नाम निकाला गया।

प्रदेश की जनता भाजपा के कुशासन से परेशान-नेता प्रतिपक्ष

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली बोले राजस्थान प्रदेश की जनता भाजपा के कुशासन से परेशान है।प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। उन्होंने कहा कि राज्य में भू-माफिया, भ्रष्ट और किसान विरोधी सरकार सर्कस कर रही है। लेकिन आपके विश्वास पर दी गई जिम्मेदारी को निभाते हुए हम जनता के साथ खड़े हैं।

उन्होंने कहा कि एक मजबूत विपक्ष के रूप में जल,जंगल,जमीन,गरीबी,मूलभूत समस्याएं,रोजगार और उद्योग से जुड़े मुद्दे एवं प्रदेश की जनता के हितों की लड़ाई हम मिलकर लड़ेंगे।

जूली मेवाड़ बागड़ की धरती डूंगरपुर और उदयपुर में आयोजित जिला स्तरीय कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्र व राज्य सरकार पर जमकर बरसे।

जूली ने कहा राज्य में सरकार के मंत्री अपनी जिम्मेदारियों से भाग कर सिर्फ माल लूटने में लगे हैं, जबकि आम जनता महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रही है। जूली ने कहा कि पर्ची वाली सरकार गरीबों की समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दे रही है और पूरी तरह से संवेदनहीन हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि स्ञ कोष की राशि के लिए जनजाति वर्ग के लोग सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटकर थक गए है,यह दलितों एवं आदिवासियों के प्रति भाजपा सरकार की भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि नरेगाकर्मियों के साथ भी इस सरकार में जहां दोहरी नीति अपनाई जा रही है वही उन्हें मानदेय भी समय पर नहीं मिल पा रहा है जिससे ग्रामीण अपनी आजीविका चलाने के लिए मजबूर हो रहे है।

उन्होंने कहा कि भाजपा देश में जाति, धर्म की राजनीति कर देश को तोड़ने का काम कर रही है वही बाबा साहब द्वारा बनाए गए संविधान पर भी लगातार हमला किया जा रहा है। जूली बोले युवा बेरोजगार है, महंगाई की कोई सीमा नही रही। प्रदेश में महिलाओं और बेटियों का उत्पीड़न हो रहा है और सरकार शिलान्यास और उद्घाटन एवं पिछले डेढ़ साल से अपनी असफलता की सच्चाई को सफलता की कहानी बताकर सस्ती लोकप्रियता बटोरने का काम कर रही है।

जूली ने प्रदेश सरकार पर जमकर साधा निशाना

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम के दौरान प्रदेश सरकार पर जमकर हमला बोला और कार्यकर्ताओं से भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस सरकार के राज में हर वर्ग पूरी तरह से परेशान है।उन्होंने कहा कि किसानों को खाद, युवाओं को रोजगार , जरूरतमंद को पेंशन,विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति नहीं मिल रही वही पानी और बिजली जैसी मूलभूत समस्याओं की पूर्ति करने में प्रदेश सरकार फैलियर साबित हो गई है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं से किया एकजुट होने का आह्वान

जूली ने जन संवाद कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं में एक नई ऊर्जा का संचार करते हुए मंच से कार्यकर्ताओं को भारतीय जनता पार्टी की सरकार की वादा खिलाफी के खिलाफ एकजुट होने और प्रदेश की जनता के हक के लिए सड़क पर उतरकर लड़ाई लड़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता जनहित के मुद्दों पर मुखर होकर अपनी आवाज बुलंद करें।कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह, जूली सहित कांग्रेस नेताओं का किया जोरदार स्वागतनेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कांग्रेस नेताओं का उदयपुर के डबोक एयरपोर्ट एवं डूंगरपुर और उदयपुर पहुंचने से पूर्व विभिन्न स्थानों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया।

माता जानकी को ब्याह कर लौटे भगवान जगन्नाथ, आज होगी मुंह दिखाई की रस्म

राजगढ़ में सात दिन से चल रहा मेला सम्पन्न

बढ़ता राजस्थान

राजगढ़ /अलवर (राजकुमार गुप्ता)। भगवान जगन्नाथजी शुक्रवार देर रात जानकी मैया को ब्याहकर गंगाबाग से चौपड़ बाजार स्थित जगन्नाथ मंदिर लौट आए। इसके साथ ही गंगाबाग में सात दिन से चल रहे जगन्नाथ मेला महोत्सव का समापन हो गया। गंगाबाग मंदिर से माता जानकी की विदाई के हजारों श्रद्धालु साक्षी बने। मेला स्थल गंगाबाग पर देर रात को भगवान जगन्नाथ व माता जानकी की पूजा, अर्चना कर आरती की गई। उसके बाद पुलिस बल की टुकड़ी ने सशस्त्र सलामी दी। इसके बाद उन्हें सजे-धजे ऐतिहासिक गरूड़रूपी रथ पर विराजित किया गया। रास्ते में जगह-जगह मंदिरों में आरती का आयोजन किया गया। इस दौरान जय जगदीश हरे, जय जगन्नाथ के जयकारों से सारा

वातावरण भक्तिमय हो गया। रास्ते में जगह-जगह पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। मेले में श्रद्धालुओं की ओर से जगह-जगह पर मालपुआ, दाने, शीतल जल, ठण्डाई आदि का प्रसाद का वितरण किया गया।

मेले के अंतिम दिन श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

मेले में आखिरी दिन शुक्रवार को काफी रौनक रही। मेले का अंतिम दिन सुबह से ही मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ नजर आई। मेले में दिनभर महिलाओं, पुरुषों के बच्चों का तांता लगा रहा। लोगों ने खरीदारी के साथ खानपान का लुत्फ उठाया। मेले में शांति व्यवस्था के लिए भारी संख्या में पुलिस बल व स्काउट गाइड तैनात रहे।

आज होगी माता जानकी की मुंह दिखाई की रस्म

श्री जगन्नाथ मंदिर के महंत पूरणदास व पंडित मदनमोहन शास्त्री ने बताया कि शनिवार को सुबह करीब दस बजे कस्बे के चौपड़ बाजार स्थित जगदीशजी के मंदिर में दुल्हन माता जानकी की मुंह दिखाई की रस्म निभाई जाएगी। इस मौके पर श्रद्धालु जानकी मैया के दर्शन कर भेंट चढ़ाएंगे।

शिक्षा विभाग मौन आखिर कार्यवाही करेगा कौन, धड़ल्ले से चल रहे हैं बिना मान्यता के शिक्षण संस्थान

बढ़ता राजस्थान

राजगढ़ /अलवर (राजकुमार गुप्ता)। कस्बे सहित आसपास के क्षेत्रों में बिना मान्यता के निजी शिक्षण संस्थान व कोचिंग संस्थान संचालित हो रहे हैं। वहीं कुछ विद्यालय द्वारा बिना विभाग की अनुमति लिए ही स्थान तथा माध्यम परिवर्तन कर लिया है। अलवर जिले सहित आसपास के इलाकों में बिना मान्यता के ट्यूशन सेंटर, कोचिंग सेंटर एवं टाईअप स्कूल कोचिंग ने बिना किसी डर के शिक्षा व शैक्षणिक व्यवस्था की धज्जियां उड़ा रखी हैं। अभिभावकों को मान्यता की जानकारी नहीं होने के कारण कोचिंग, ट्यूशन सेंटर व कुछ फर्जी स्कूल टाइप कर प्रवेश ले रहे हैं। इन अवैध शैक्षणिक संस्थानों से सरकारी विद्यालय एवं मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों को प्रवेश में भारी नुकसान हो रहा है साथ ही छात्र एवं अभिभावकों को ठगा जा रहा है बिना मान्यता के संचालित या बिना मान्यता के स्थान परिवर्तन कर संचालित करने वाले तथा मान्यता से अधिक कक्षा संचालित करने वाले विद्यालयों के खिलाफ विभाग कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। कुछ फर्जी संस्थान भ्रामक प्रचार प्रसार कर दोनों माध्यमों के द्वारा बच्चों का प्रवेश ले रहे हैं। जबकि वास्तव में उनके पास मान्यता है ही नहीं। वहीं कुछ विद्यालय पांचवी तथा आठवीं तक होने के बावजूद 12वीं तक कक्षा संचालित कर रहे हैं। विद्यालयों में इस समय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम चल रहा है। इसके बाद यदि कार्यवाही होती है तो ऐसी कार्यवाही का कोई औचित्य नहीं है। निजी शिक्षण संस्थान के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि शिक्षा अधिकारियों द्वारा मिलीभगत कर इन फर्जी संस्थाओं को पूर्व में ही सूचना दे दी जाती है जिसके कारण इनके हौसले बुलंद हैं।

धड़ल्ले से चल रहे अवैध शैक्षणिक संस्थान

शहर सहित आसपास के इलाकों में धड़ल्ले से अवैध शैक्षणिक संस्थान चल रहे हैं इन शैक्षणिक संस्थाओं के पास ना तो मान्यता है ना ही इनके पास बैठने के लिए पर्याप्त भवन है। इन शैक्षणिक संस्थानों में सुविधाएं नाम मात्र की है। लेकिन शिक्षा विभाग का इस और कोई ध्यान नहीं है इन फर्जी शिक्षण संस्थानों के पास ना तो बैठने के लिए पर्याप्त फर्नीचर है ना बच्चों की सुरक्षा के लिए अग्निशमन यंत्र लगा हुआ है। इन फर्जी शैक्षणिक संस्थाओं के कारण बच्चों का भविष्य अंधकार में बना हुआ है।

हाईकोर्ट ने सूचना सहायक भर्ती-2023 से रोक हटाई:कहा- अदालत विषय की एक्सपर्ट नहीं हो सकती है, 3415 पदों पर हो सकेगी नियुक्तियां

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सूचना सहायक भर्ती-2023 पर लगी रोक को हटा दिया। जस्टिस सुदेश बंसल की कोर्ट ने रोक हटाते हुए आदेश में कहा कि प्रश्नों के उत्तरों की शुद्धता से संबंधित विवाद में अदालत विषय विशेषज्ञ की तरह काम नहीं कर सकती। इस तरह के विवाद में न्यायिक समीक्षा का दायरा अत्यंत संकीर्ण (बहुत छोटा) है। ऐसा इसलिए किया गया है कि सार्वजनिक रोजगार को अंतिम रूप दिया जा सके। यहां तक की अगर मामूली गलती हो तो उसे भी स्वीकार भी किया जा सकता है। अदालत ने सितंबर 2024 में भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगाई थी, जिससे करीब 3415 पदों पर भर्ती अटक गई थी।

पांच प्रश्नों को लेकर था विवाद

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने पहले 16 जनवरी 2023 को 2730 पदों पर भर्ती निकाली थी। उसके बाद संशोधित करते हुए 27 जून 2024 को पद बढ़ाते हुए 3415 कर दिए गए।

21 जनवरी 2024 को रिटन एग्जाम हुआ। बोर्ड ने 2 फरवरी 2024 को प्राथमिक आंसर-की जारी करते हुए आपत्तियां मांगी। बोर्ड को करीब 89 सवालों पर आपत्तियां मिली। बोर्ड ने 80 आपत्तियों को खारिज करते हुए 7 सवालों को डिलीट कर दिया। वहीं दो सवालों के उत्तर बदल दिए। 1 जुलाई 2024 को फाइनल आंसर-की जारी करते हुए परिणाम घोषित कर दिया, जिसके बाद याचिकाकर्ताओं ने 5 सवालों को हाईकोर्ट में चुनौती दी।

हजारों अभ्यर्थियों के भविष्य का सवाल

अदालत ने कहा- बोर्ड ने एक्सपर्ट कमेटी के आधार पर फाइनल आंसर-की जारी की। वहीं याचिकाकर्ताओं ने न तो परीक्षा की निष्पक्षता पर कोई सवाल उठाया और न ही बोर्ड के एक्सपर्ट की विश्वसनीयता को चुनौती दी। केवल इस आधार पर की याचिकाकर्ता फाइनल आंसर-की में इन पांच सवालों के जवाब से संतुष्ट नहीं है, लेकिन यहां हमें यह भी देखना है कि भर्ती से हजारों अभ्यर्थियों का भविष्य जुड़ा हुआ है। ऐसे में भर्ती प्रक्रिया को रोका नहीं जा सकता।

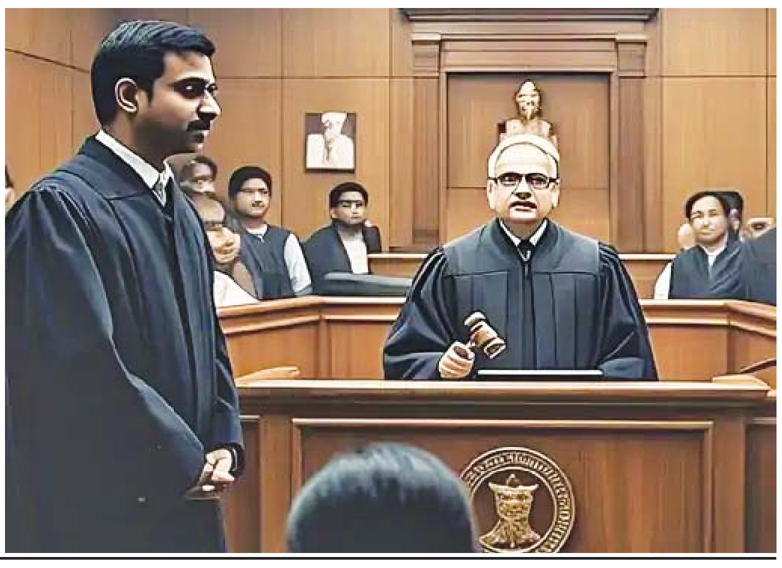

पाराशर धाम में सेल्फी लेते समय गिरने से युवक की मौत, जिला कलेक्टर ने तेज बहाव क्षेत्र में नहीं जाने की अपील

बढ़ता राजस्थान

राजगढ़ /अलवर (राजकुमार गुप्ता)। टहला थाना क्षेत्र स्थित पाराशर धाम में शुक्रवार को सेल्फी लेते वक्त एक युवक का पैर फिसल गया और वो पहाड़ी से नीचे गिर गया। हादसे में युवक की मौत हो गई। टहला थाना पुलिस ने बताया कि मृतक दौसा जिले के कोलवा थाना क्षेत्र के ग्राम खोहरा खुर्द निवासी जमूरा प्रजापत (29) अपने मामा के बेटे सोमोती के साथ पाराशर धाम घूमने आया था। पाराशर धाम में सेल्फी लेते वक्त उसका पैर फिसल गया और वह पहाड़ी क्षेत्र से नीचे जा गिरा। घटना की सूचना टहला थाना पुलिस को दी। घटना के बाद पुलिस ने शव को टहला सामुदायिक स्वास्थ्य

केंद्र में पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।जिला कलेक्टर ने की आमजन से तेज बहाव एवं रपट वाले स्थानों पर न जाएं की अपीलजिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने अलवर जिलेवासियों व पर्यटकों से अपील की है कि अलवर जिले व आसपास के जिलों में विगत दिनों से बारिश का दौर जारी है, जिसके कारण जिले के नदी, नालों, बांधों, तालाबों आदि में बड़ी मात्रा में बारिश के पानी की आवक हो रही है और जलाशयों में जल स्तर में लगातार वृद्धि हो रही है अतः ऐसी स्थिति में लोगों को अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए और नदियों, नालों, बांधों, तालाबों, झरनों व जलशयों आदि में प्रवेश नहीं करें। इस दौरान पहाड़ों व वन क्षेत्रा में भी लोगों को नहीं जाए ,वन क्षेत्रा में कही और हुई बारिश के कारण कभी भी नालों आदि में बहाव तेज हो सकता है जिसके कारण जनहानि हो सकती है।

उन्होंने परिजनों से भी अपील करते हुए कहा है कि आपका व आपके परिवार का जीवन अनमोल है,अतः परिवार के साथ कही भी ऐसे स्थलों पर ना जाए व अपने बच्चों को भी ऐसी जगहों पर जाने से रोके। बरसात के दिनों में इन जगहों पर सेल्फी आदि लेने से भी बचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रशासन व पुलिस पूरी तरह अलर्ट है। उन्होंने कहा है कि जिले में किसी भी स्थान पर जल जनित घटनाओं की सूचना त्वरित रूप से अपने नजदीकी स्थानीय प्रशासन को देवे ताकि समयबद्ध रूप से राहत एवं बचाव कार्य किए जा सके।

ऊर्जा मंत्री ने ली कलेक्ट्रेट में समीक्षा बैठक,राजस्व से जुड़े प्रकरणों की विशेष मॉनिटरिंग के अधिकारियों को दिए निर्देश

बढ़ता राजस्थान

कोटा,(का.स.)। कलेक्ट्रेट सभागार में दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए राजस्थान के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि शिविरों में अधिकतर प्रकरण रास्ता खोलने,भूमि विभाजन, नामांतरकरण, शुद्धिकरण सहित राजस्व से जुड़े अन्य प्रकरणों के आये है। अत: उपखंड अधिकारी इस समस्या के समाधान पर विशेष मॉनिटरिंग करें ताकि लोगों को राहत मिल सके।

समीक्षा बैठक में ऊर्जा मंत्री ने कहा कि शिविरों में आने वाले राजस्व से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने जिला कलक्टर एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन के स्तर पर इसकी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनवाने वाले किसानों को उनके खेत की मिट्टी के अनुसार फसल उगाने के बारे में जागरूक किया जाए। पीएचईडी अभियंताओं को उन्होंने कंटीनजेंसी में लिए जाने वाले कार्य गर्मी का मौसम समाप्त होने से पहले ही पूरे करने के निर्देश दिए।

कृषि विभाग के अधिकारियों को उन्होंने निर्देश दिए कि बीज मिनी किट वितरण से पहले पोर्टल पर आवेदन के संबंध में जानकारी जन प्रतिनिधियों एवं मीडिया के माध्यम से किसानों को दी जाए ताकि जरूरतमंद किसान इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कृषि पर्यवेक्षक योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र किसान तक पहुंचाएं। बैठक में बताया गया कि शिविरों में अब तक 1234 मृदा कार्ड दिये जा चुके है। खाद्य सुरक्षा योजना में अपात्र

व्यक्ति अगर गिव-अप अभियान में अपना नाम नहीं हटवा रहे हैं तो उनसे पैनल्टी वसूली जाएगी।

मंत्री ने मौसमी बिमारियों की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी ली। सांगोद में सुपोषित मां अभियान के शुभारंभ की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत 50 किलो से कम वजन वाली गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार उपलब्ध कराया जाता है ताकि जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ रहें।

हरियालो राजस्थान अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए ऊर्जा मंत्री के सवाल पर डीएफओ अपूर्व श्रीवास्तव ने बताया कि अक्टूबर में करवाई गई जियो टैगिंग के आधार पर करीब 70 प्रतिशत पौधे अभी जीवित हैं। वन विभाग द्वारा इस वर्ष 5 लाख 85 हजार पौधा रोपण का लक्ष्य है। कनवास की नर्सरी में करीब 3 लाख पौधे तैयार किए गए हैं जिनमें 62 प्रजाति के पौधे हैं।

बैठक में जिला प्रमुख मुकेश मेघवाल, सांगोद प्रधान जयवीर सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष ग्रामीण प्रेम गोचर, जिला कलक्टर पीयूष समारिया, ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर, एडीएम सीलिंग कृष्णा शुक्ला, प्रशासन मुकेश चौधरी सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कर दो-कर दो बेड़ा पार मेरे बागेश्वर सरकार...

भजन संध्या में बालाजी के भजनों से गूंज उठी कोटा की शिक्षानगरी

बढ़ता राजस्थान

कोटा,(दामोदर सिंह)। बागेश्वर धाम के प्रमुख आचार्य धीरेन्द्र शास्त्री के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में गुरुवार रात्रि को कोटा की शिक्षानगरी धर्ममय माहौल में डूब गई। बागेश्वर धाम सरकार शिष्य मंडल कोटा द्वारा बोरखेड़ा स्थित कंचन रिसोर्ट में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भजन संध्या का शुभारंभ रात्रि लगभग 9 बजे हुआ और देर रात तक भक्तिरस में डूबी प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। आयोजन में सुप्रसिद्ध भजन गायिका अधिष्ठा अनुष्का व गायक श्याम सलोना ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी।

कर दो-कर दो बेड़ा पार मेरे बागेश्वर सरकार..., कीजो केसरी के लाल मेरा छोटा सा ये काम..., और मेरे सिर सीताराम, फिकर फिर क्या करना... जैसे भावपूर्ण भजनों से वातावरण गुंजायमान हो उठा।
मंडल अध्यक्ष अनुज शर्मा ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य श्रद्धालुओं को अध्यात्म से जोड़ते हुए बागेश्वर सरकार के प्रति आस्था प्रकट करना था। भजन गायन के बीच-बीच में रामचरित मानस की चौपाइयों और जयकारों ने श्रद्धा की भावना को और प्रबल कर दिया। रघुकुल रीत सदा चली आई... राम सियाराम जय जय राम... जैसी चौपाइयों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए।जब अधिष्ठा अनुष्का ने धीरेन्द्र शास्त्री जी का प्रिय भजन श्रीराम के दुलारे, मां अंजनी के प्यारे... प्रस्तुत किया, तो श्रद्धा से भरे पंडाल में तालियों की गूंज और जय श्रीराम के जयकारे देर रात तक गूंजते रहे। भजन संध्या में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और उन्होंने इस आयोजन को एक अविस्मरणीय आध्यात्मिक अनुभव बताया।

25 साल बाद भी पी जी कालेज की माँग पूरी न होने से छात्र आंदोलित

मुख्यमंत्री के नाम सौंपा प्राचार्य को ज्ञापन

बढ़ता राजस्थान

रामगंजमंडी (नि.स.)। राजकीय महाविद्यालय रामगंजमंडी के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष संस्कार मीणा के नेतृत्व में महाविद्यालय परिसर में 121 छात्र-छात्राओं द्वारा महाविद्यालय को पी जी करवाने हेतु प्राचार्य को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सोपा । पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष संस्कार मीणा ने बताया कि रामगंजमंडी विधानसभा में अभी तक कोई पीजी कॉलेज नहीं है महाविद्यालय पी जी नहीं होने के चलते हैं वर्षों से छात्र-छात्राओं को कोटा झालावाड़ जाना पड़ता हैं । रामगंजमंडी कॉलेज को बने करीबन 25 साल हो गए परंतु अभी तक महाविद्यालय PG नहीं हो पाया रामगंजमंडी की बड़ी विडंबना है की शिक्षा मंत्री होने के बावजूद अभी तक उच्च शिक्षा के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं कई बार शिक्षा मंत्री को अवगत कराया गया परंतु अभी तक कोई रास्ता नहीं आया हैं मैं शिक्षा मंत्री द्वारा रामगंजमंडी के अंदर नए कॉलेज खोले गए वो नाम के हैं परंतु 25 सालों से खुले एक मात्र महाविद्यालय को उच्च शिक्षा की आवश्यकता थी उसे नजर अंदाज कर दिया गया। ज्ञापन में बताया गया कि महाविद्यालय पीजी हेतू संकड़ों बार ज्ञापन ओर प्रदर्शन किया गया है परन्तु अभी तक महाविद्यालय को उच्च शिक्षा से छात्र छात्राओं को वंचित किया गया हैं । स्थानीय शिक्षा मंत्री होने के बावजूद भी महाविद्यालय को नजरअंदाज किया जा रहा है । शिक्षा मंत्री के क्षेत्र का महाविद्यालय होने पर अभी तक पीजी नहीं हुआ है। इस दौरान पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष संस्कार मीणा, छात्रनेता धर्मवीर मीणा , राहुल गुर्जर, चंदन गुर्जर कार्तिक शर्मा , आयुष मीणा, रोहन धाकड़ , दीपांशा, प्रियंका, देवराज,दिव्या ,शिवानी ,दीक्षा , अंजलि आदि मौजूद थे।

रामधाम आश्रम में 21 बटुकों का हुआ सामूहिक यज्ञोपवित संस्कार

वेद, पुराण और शास्त्रों का ज्ञान अर्जन करेंगे बटुक

बढ़ता राजस्थान

कोटा,(दामोदर सिंह)। रामधाम सेवा आश्रम ट्रस्ट अमर निवास में संचालित भक्तमाल वेद विद्यालय में सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार का आयोजन हुआ। जिसमें विभिन्न स्थानों से पहुंचे 21 बटुकों को सामूहिक यज्ञोपवित उपनयन संस्कार संपन्न हुआ। बड़ा भक्तमाल अयोध्या के पीठाधीश्वर व रामधाम सेवा आश्रम ट्रस्ट के संस्थापक अवधेशाचार्य जी महाराज के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में वैदिक मंत्रोच्चार व अनुष्ठान के संपन्न होने के साथ 21 बटुकों को यज्ञोपवित संस्कार के तहत जनेउ धारण कराया गया। इस दौरान हवन यज्ञ और वेदमंत्रों के जाप से पूरा माहौल भक्तिमय बना रहा।

भिक्षाटन कर बटुकों ने किया गुरू को अर्पण

यज्ञोपवित संस्कार से पूर्व बटुकों का मुंडन करवाया गया। बाद में विधि विधान से भगवान गणेश सहित देवताओं का पूजन, यज्ञवेदी एवं बटुकों को अधोवस्त्र के साथ माला पहनाकर बैठाया गया। इसके बाद ब्रह्मचर्य के पालन की शिक्षा के साथ विभिन्न धार्मिक आयोजन संपन्न हुए। गायत्री मंत्र की दीक्षा देने के बाद बटुकों ने भिक्षा लेकर गुरू को अर्पण की। इसके बाद गुरू ने उनके कानों में गुरू मंत्र दिया।

कार्यक्रम में इस मौके पर बड़ा भक्तमाल अयोध्या के पीठाधीश्वर व रामधाम सेवा आश्रम ट्रस्ट के संस्थापक अवधेशाचार्य जी महाराज, जगदीशा नंद महाराज समेत अयोध्या से आए साधु संतों व बटुकों के माता-पिता ने आर्शीवाद दिया। आचार्य निधि ने नाथ बटुकों को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ जनेउ धारण करवाई।

प्रतिवर्ष निभाई जाती है वैदिक परंपरा

रामधाम सेवा आश्रम ट्रस्ट के मुख्य पुजारी लक्ष्मणदास जी महाराज ने बताया कि भक्तमाल वेद विद्यालय राजस्थान संस्कृत अकादमी जयपुर से मान्यता प्राप्त वेद विद्यालय है। जहां प्रतिवर्ष बटुकों को प्रथम वर्ष में प्रवेश से पूर्व वेद दीक्षा देने की परंपरा है।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने घटाई गृह ऋण की ब्याज दरें,

7.45प्रतिशत की किफ़ायती दर के साथ शून्य प्रोसेसिंग शुल्क की पेशकश से मिलेगा ऋण वृद्धि को प्रोत्साहन

बढ़ता राजस्थान

कोटा, (का.स.)। भारत के बड़े सरकारी बैंकों में से एक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने अपने गृह ऋण की ब्याज दरें एक बार फिर कम कर दी हैं। तत्काल प्रभाव से लागू इस दर के बाद अब गृह ऋण सिर्फ 7.45प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर मिलेगा और कोई प्रोसेसिंग शुल्क भी नहीं लगाया जाएगा । यह कदम बैंक की अपने गृह ऋण उधारकर्ताओं के लिए गृह ऋण को अधिक किफायती बनाने तथा ऋण वृद्धि को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह नवीनतम दर कटौती, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा पॉलिसी दरों में कमी किए जाने के पश्चात् जून में बैंक द्वारा अपने गृह ऋण ब्याज दरों में की गई कटौती के बाद 8.00त्र प्रति वर्ष से घटाकर 7.50प्रतिशत प्रति वर्ष किए जाने के बाद की गई है। बैंक ऑफ़ बड़ौदा के कार्यपालक निदेशक श्री संजय मुदालियर ने इस अवसर पर कहा, हम हमेशा से घर के स्वामित्व को और अधिक सुलभ बनाने की दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करते रहे हैं। गृह ऋण की ब्याज दरों में यह नई कटौती ग्राहकों के सपनों को पूरा करने और ऋण की मांग बढ़ाने के उद्देश्य से की गई है। बैंक ऑफ़ बड़ौदा लगातार बदलती मौद्रिक नीति के हिसाब से अपनी कार्यनीति बना रहा है ताकि ग्राहकों को ब्याज दरों में कमी का तुरंत लाभ मिले और साथ ही अर्थव्यवस्था में भी तेजी आए।'' बैंक ऑफ़ बड़ौदा के गृह ऋण के लिए अब डिजिटल तरीके से भी आसानी से आवेदन किया जा सकता है। आप बैंक की वेबसाइट या अपनी नज़दीकी बैंक ऑफ़ बड़ौदा शाखा में जाकर आवेदन कर सकते हैं।

मानसून में सुचारु रेल संचालन के लिए कोटा मंडल ने किये व्यापक इंतजाम

बढ़ता राजस्थान

कोटा (विनोद गौड़)। मानसून के दौरान तेज बारिश, तूफ़ान तथा बाढ़ इत्यादि की संभावनाओं को देखते हुए कोटा रेल मंडल में प्रत्येक वर्ष मानसून में हमेशा तैयार रहता है। मानसून के दौरान सुरक्षित ट्रेन संचालन हेतु व्यापक इंतजाम सुनिश्चित किए गए और आवश्यक सुरक्षा उपायों को लागू किया गया है। इन सक्रिय उपायों का उद्देश्य रेलवे संपत्ति को किसी भी तरह के नुकसान से बचाना, यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और निर्बाध ट्रेन सेवाओं को बनाए रखना है। कोटा मंडल में घाट खंडों पर विशेष जोर दिया गया है। पश्चिम मध्य रेल प्रतिकूल मौसम की स्थिति के दौरान रेलवे के बुनियादी ढांचे की संरक्षा और अपने यात्रियों की भलाई के लिए प्रतिबद्ध है । पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय ने मानसून के दौरान संरक्षा को पहली प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है। उन्होंने संबंधित इंजीनियरिंग अधिकारियों को बारिश, तूफान या मौसम की स्थिति में बदलाव के दौरान तैयार रहने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ निगरानी और समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए हैं । विद्युतीकृत क्षेत्रों का संयुक्त निरीक्षण किया गया है, जो मानसून के दौरान ओवरहेड उपकरण (ओएचई), सिग्नल, ट्रैक या किसी अन्य रेलवे प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचा सकते हैं और यातायात को बाधित कर सकते हैं। ट्रैक की सुरक्षा के लिए ऐसे पेड़ों की कटाई/छटाई की गई है। कोटा मंडल के छोटे एवं बड़े पुल, पुलियों के वाटर वे की सफाई सुनिश्चित की गई है, जिससे पानी की निकासी सुचारु रूप से हो सके एव मंडल में जहाँ-जहाँ पर रेल लाइन ऊंचे पहाड़ों की कटिंग से होकर गुजरती है, वहां पर ड्रेन क्लीनिंग का काम किया गया है ताकि बारिश का पानी रेलवे ट्रैक पर न आ सके।

मेरी पत्नी को मार उसके सारे परिलाभ हड़प कहते हैं वो तो मर गई

मुझे दाह संस्कार तक की सूचना नहीं दी 6 माह से भटक रहा हूं -पति

बढ़ता राजस्थान

कोटा (विनोद गौड़)। रेलवे कॉलोनी निवासी एक आदमी ने अपने सास ससुर पर सरकारी कर्मचारी अपनी पत्नी की हत्या करने का आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई। रेलवे कॉलोनी निवासी सत्यनारायण शर्मा ने इस मामले में एसपी को भी परिवाद पेश किया और रेलवे कॉलोनी थाने में मुकदमा दर्ज करवाया। पति ने बताया कि उसकी पत्नी दिल्ली में सरकारी कर्मचारी थी। लेकिन परिवार वालों ने साजिश के तहत उसकी हत्या कर दी। और सामान्य मौत बता दिया।

पुलिस ने कहा डेथ तो हो गई जांच करेंगे

रेलवे कॉलोनी थाना अधिकारी रामस्वरूप मीणा ने बताया कि इस मामले में दिल्ली से तनुजा की डेथ सर्टिफिकेट प्राप्त कर लिया गया है। और मामले की जांच की जा रही है।

साल भर पूर्व ही हुई थी शादी

परिवादी सत्यनारायण ने बताया कि मई 2024 में उनकी शादी पूनम कॉलोनी निवासी तनुजा शर्मा से हुई थी । शादी के बाद से ही परिवारजनों ने लाखों रुपए की डिमांड की और पैसे हड़प लिए। तनुजा की मौत दिल्ली में लेकिन पोस्टमार्टम और अन्य दाह संस्कार की जानकारी तक पति को नहीं तनुजा अपने नौकरी के लिए दिल्ली चली गई थी जहां पर पिता सहित अन्य ने दिसंबर 2024 में ही तनुजा की हत्या कर दी और नॉर्मल डेथ बता दी। इतना ही नहीं परिवार जनों ने आनन फानन में बिना बताए ही अंतिम संस्कार कर दिया। इस मामले में पीड़ित तनुजा के पति सत्यनारायण ने रेलवे कॉलोनी थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई ।

उपखंड अधिकारी कपासन राजीव सुवालका की अध्यक्षता में बीएलओ प्रशिक्षण का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। निर्वाचन विभाग के निर्देशानुसार पंचायत समिति कपासन के सभागार में शुक्रवार को बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर के एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।जानकारी अनुसार भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निर्देशानुसार राज्य में समस्त बीएलओ के एक दिवसीय प्रशिक्षण का 3 से 17 जुलाई 2025 के मध्य जिला एवं विधानसभा स्तर पर मास्टर्स ट्रेनर द्वारा आयोजित किया जाना है।जिसके तहत विधानसभा कपासन 167 के समस्त बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर को उपखंड अधिकारी कपासन राजीव सुवालका की अध्यक्षता में संबंधित एईआरओ एवं मास्टर्स ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।उक्तएक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में नवीन मतदाताओं को जोड़ना,मतदाताओं के विवरण में संशोधन, वीएचए,एप्लीकेशन का संचालन,बीएलओ एप्प में नये फीचर सहित आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 की तैयारी के संबंध में मास्टर ट्रेनर द्वारा पीपीटी के माध्यम से समस्त बीएलओ को प्रशिक्षित किया गया। इस दौरान निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी एवं उपखंड अधिकारी कपासन राजीव सुवालका की अध्यक्षता में विधानसभा कपासन 167 के प्रथम 50 बीएलओ एवं 5 सुपरवाइजर को प्रशिक्षण दिया गया।

कृषि विभाग के सिआम ऑडिटोरियम आयोजित हुआ बीएलओ प्रशिक्षण

बड़ता राजस्थान

कोटा (विनोद गौड़)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा क्षेत्र कोटा उत्तर की भाग संख्या 51 से 100 तक के समस्त बीएलओ का प्रशिक्षण शुक्रवार को सिआम ऑडिटोरियम आयोजित किया गया, जिसमें निर्वाचक पंजीयन अधिकारी कोटा उत्तर हुंकम कंवर द्वारा बीएलओ को सम्बोधन कर चुनाव आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण, निर्वाचन प्रक्रिया के विधिक प्रावधान, मतदाता सूची के अपडेशन के लिए फॉर्म्स के समयबद्ध निस्तारण संबंधी जानकारी दी गई। मास्टर ट्रेनर प्रदीप मेघवाल एवं अनूप सक्सेना द्वारा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी पीपीटी के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। आगामी दिवसों में प्रतिदिन 50-50 के ग्रुप में 7, 8, 9 एवं 14 जुलाई को कृषि सिआम ऑडिटोरियम में प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे समस्त बीएलओ भारत निर्वाचन आयोग द्वारा समस्त दिशा-निर्देशों की जानकारी प्राप्त कर सकें।

रामगंजमंडी:अंबेडकर चौराहे से मारवाड़ चौराहे तक की जर्जर सड़क बनी लोगों की मुसीबत

15 करोड़ की मंजूरी के बावजूद नहीं शुरू हुआ सड़क निर्माण कार्य

बड़ता राजस्थान

रामगंजमंडी (नि.स.)। शहर का जुल्मी रोड अंबेडकर चौराहे से मारवाड़ चौराहे तक जर्जर हो रहा है। इसके कारण हर रोज अस्पताल जाने वाले हजारों रोगियों व तीमारदारों को समस्या हो रही है। आलम यह है कि 500 मीटर में 40 से अधिक गड्ढे बने हुए है। जिसके कारण राहगिरों यहां से निकलना तक मुश्किल हो रहा है। यह अस्पताल जाने का एक मात्र सीधा व उचित रास्ता है। ऐसे में जिम्मेदारों की लापरवाही का खामियाजा अस्पताल जाने वाली गर्भवतियों समेत सैकड़ों रोगियों व तीमारदारों को भुगतना पड़ रहा है। इस वर्ष 19 फरवरी को राज्य सरकार की ओर से घोषित किए गए बजट में सरकार की ओर से अंबेडकर चौराहे से जुल्मी रोड तक सड़क निर्माण के लिए 15 करोड़ दिए गए है। ऐसे में लोगो का कहना है कि यहां जल्द नई सड़क का निर्माण करना चाहिए। जिससे कि लोगो को राहत मिल सकें।

जर्जर सड़क के मामले में पड़ताल की जिसमें सामने आया कि वर्ष 2008 में यहां सीसी सड़क बनाई गई थी।

पूर्व पालिका अध्यक्ष विजय गौतम ने बताया की 2008 में सड़क बनने के बाद बाद सीसी सड़क के ऊपर डामरीकरण करवायां गया था, इसके बाद से यहां नई सड़क नहीं बनी। इसके बाद से बारिश व अन्य कारणों से जर्जर होने के बाद यहां पेच वर्क करवायां जा रहा है। जिससे यहां सड़क कम और पेच वर्क ज्यादा हो गया था। ऐसे में पिछले वर्ष बालाजी मंदिर से राधा कृष्ण मंदिर तक डामरीकरण का कार्य करवायां गया, लेकिन अंबेडकर चौराहे से बालाजी मंदिर तक सड़क के बजाय गड्ढे और पेच वर्क ही दिखाई देता है।

हर रोज गर्भवतियों समेत 700 रोगियों की आवाजाही

शहर में मारवाड़ चौराहे के समीप जिला अस्पताल स्थित है। जहां तक पहुंचने के लिए शहरवासियों को अंबेडकर चौराहे से होते हिग जाना पड़ता है। जिसमें गर्भवतियों भी शामिल होती है। ऐसे में रास्ते के गढ्डों व पेच वर्क के होने के कारण गर्भवतियों को समस्या हो रही है। अस्पताल में हर रोज 700 ओपीडी होती है। इसके अलावा यही रास्ता जुल्मी होते हुए झालावाड़ की ओर जाता है। इतना ही नहीं क्षेत्र की कई ग्राम पंचायते और कस्बे इसी रास्ते से जुड़े होने के कारण यहां हर रोज 3 हजार राहगिरों की आवाजाही जोती है।

कॉलोनीवासी बोले आए दिन हो रहे हादसे

एचएस कॉलोनी के अंकुश धाकड़ ने बताया कि सड़क पर गढ्डों के कारण आए दिन हादसे हो रहा है। जिसमें दुपहिया वाहन चालक घायल होते है। बारिश के कारण गढ्डों में पानी भर जाता हैं। इससे गड्ढे दिखाई नहीं देते है। ऐसे में यहां आए दिन बाइक सवार फिसल कर चौटिल हो रहे है। किसी सड़क से कृषि उपजमंडी से जाने वाले भारी वाहनों की भी आवाजाही होती है। ऐसे में जल्द यहां नई सड़क का निर्माण नहीं हुआ तो बड़ा हादसा होने की संभावना बनी हुई है।

दैनिक
बढ़ता राजस्थान

आजादी के 78 साल बाद भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित बूंदी के ये पांच गांव:जान जोखिम में डाल कर रहे जिंदगी का सफर तय

हर बारिश में इस चितावा नदी की पुलिया पार करते समय होता है हादसा, व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर 9256001930 व 9257510100 शुरू

बढ़ता राजस्थान

बूंदी (अनन्त दाधीच)। आजादी के 78 साल बीत जाने के बाद भी बूंदी जिले की मंगल पंचायत के पांच गांव - रूपनगर, गरनारा, भीम का खेड़ा, श्रीनगर और लाखा की झोपड़ियां - आज भी मूलभूत सुविधाओं से महरूम हैं। इन गांवों को जोड़ने वाली एक चितावा नदी की पुलिया हर साल बारिश के दिनों में मौत का सबब बन जाती है, लेकिन प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता ग्रामीणों के लिए अभिशाप बनी हुई है।

रोजमर्रा की ज़िंदगी पर आफत

सैकड़ों ग्रामीण अपने रोजमर्रा के कार्यों के लिए, बूंदी और सिलोर जाने के लिए, या अपने खेतों में आने-जाने के लिए साथ ही शिक्षा स्वास्थ्य संबंधित इसी जानलेवा नदी की पुलिया से गुजरने को मजबूर हैं। उनकी आजीविका सीधे तौर पर इस पुलिया के सुरक्षित होने पर निर्भर करती है। ग्रामीणों की मांग पुलिया का उन्नयन और वैकल्पिक व्यवस्था ग्रामीणों और स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन और सरकार को इस पर तुरंत संज्ञान लेते हुए इस पुलिया को ऊंचा करना चाहिए, ताकि किसी भी संभावित अनहोनी और जनहानि को रोका जा सके। हर साल लोक निर्माण विभाग और स्थानीय राजनेताओं को इस समस्या से अवगत कराया जाता है, लेकिन पीडब्लूडी की लापरवाही और राजनेताओं की उदासीनता के कारण यह मामला हर बार ठंडे बस्ते में चला जाता है। अब जबकि आजादी के 78 साल पूरे हो चुके हैं और यह समस्या हर साल ग्रामीणों पर कहर ढाती है, सरकार को इस पर तत्काल ध्यान

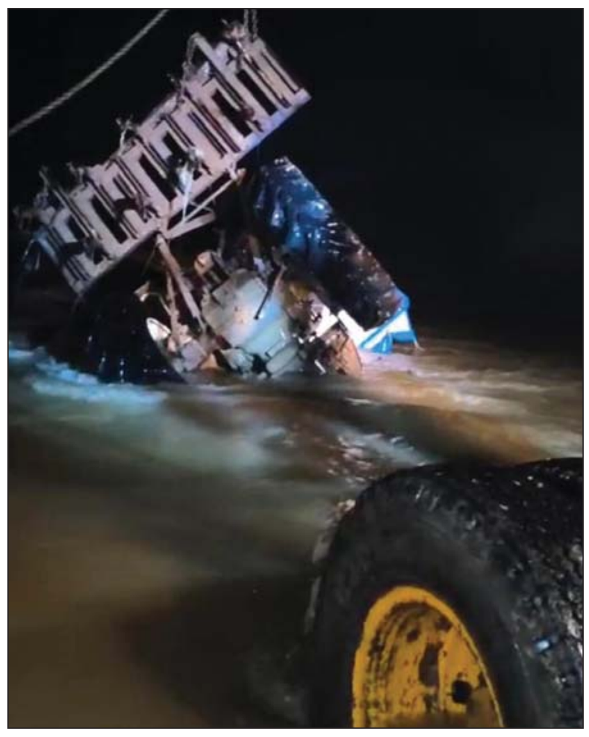

देने की सख्त आवश्यकता है। जब तक यह पुल नहीं बन जाता, तब तक प्रशासन को यहां पर किसी व्यक्ति की नियुक्ति करनी चाहिए, ताकि आने-जाने वाले लोगों को गहरे पानी में उतरने से रोका जा सके और उनकी जान सुरक्षित रखी जा सके। क्या जिला प्रशासन एक और बड़ी घटना होने का इंतजार कर रहा है, या इस बार ग्रामीणों की गुहार सुनी जाएगी? यह सवाल इन पांचों गांवों के निवासियों के मन में हर बारिश के साथ उठता है।

हर साल का दर्द- जानलेवा पुलिया और प्रशासन की अनदेखी

बारिश के मौसम में यह पुलिया पानी में डूब जाती है, जिससे इन पांचों गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह टूट जाता है। आलम यह है कि यदि कोई व्यक्ति बूंदी गया हो और बारिश आ जाए, तो वह अपने घर नहीं लौट सकता। पुलिया पार करने की कोशिश अक्सर जानलेवा साबित होती है। गुरुवार रात को फिर ऐसा ही एक वाक्या देखने को मिला, जब पुलिया पार करते समय एक ट्रैक्टर पानी में जा गिरा। गनीमत रही कि ग्रामीणों की मदद से ड्राइवर को बड़ी मुश्किल से बचाया जा सका। और आधी रात को क्रेन के माध्यम से ट्रैक्टर को नदी से निकाला गया । पिछले साल भी इसी पुलिया पर एक दर्दनाक हादसा हुआ था, जब श्रीनगर रेलवे स्टेशन पर कार्यरत एक कर्मचारी अपनी बाइक सहित पानी में बह गया और उसकी जान चली गई। इन घटनाओं के बावजूद, सरकार और प्रशासन का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर नहीं गया है, और ग्रामीण हर साल बारिश के दिनों में इसी परेशानी से जूझने को मजबूर हैं।

मकानों के ऊपर से गुजर रही हाई टेंशन लाइन को हटाने की मांग, सौंपा ज्ञापन

बढ़ता राजस्थान

बाडी/सैंपऊ (राजू शर्मा)। कस्बे के भरतपुर मार्ग स्थित 11000 केवी लाइन एक कॉलोनी के अंदर मकानों की छत के ऊपर से गुजर रही है। जिससे कभी भी बड़ा हादसा घटित हो सकता है। लोगों में भारी भय का माहौल देखा जा रहा है। गुरुवार को स्थानीय लोगों ने तहसीलदार को विज्ञापन दिया है। कॉलोनी में रहने वाले प्रशांत कुमार कुशवाह सतीश राम लखन आनंद कुमार मोहन सिंह आदि ने बताया कि कई सालों से कस्बे के भरतपुर मार्ग स्थित कॉलोनी में बने मकानों के ऊपर से हाई टेंशन लाइन गुजर रही है। मकान की छतों पर लोगों का चढ़ना मुश्किल हो रहा है। आए दिन हाई टेंशन लाइन के तारों में स्पार्किंग होती रहती है। छतों पर चिंगारियां निकलने से आग लगने का खतरा बना रहता है।महिला और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। मकान से तार टकराने पर कभी-कभी करंट के झटके भी महसूस किए जाते हैं। यह समस्या करीब 15 सालों से कई कॉलोनी में बनी हुई है। इस समय बारिश का सीजन चल रहा है। इसलिए खतरा अधिक देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया इस समस्या को लेकर कई बार प्रशासन को शिकायत दी है। लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका है। गुरुवार को कॉलोनी के लोग लामबंद होकर तहसीलदार नाहर सिंह से मिलने पहुंचे और ज्ञापन देकर हाई टेंशन लाइन को दूसरी जगह शिफ्ट करने की मांग की।

बैटरी इन्वर्टर चोरी के तीन आरोपी गिरफ्तार

बढ़ता राजस्थान

भुसावर (यतेन्द्र पाण्डेय)। खेड़ली मोड़ थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 21 स्थित उलूपुरा गांव में रात्रि को घर में घुसकर घर के अंदर से बैटरी इन्वर्टर आदि सामान चुरा कर ले जाने की प्राथमिक की दिग्विजय सिंह पुत्र राजेश बाबू जा जाति राजपूत निवासी टूंडला थाना टूंडला जिला फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश में प्राथमिक की डी की 2 में 2025 को रात्रि को अज्ञात जान घर में अंदर घुसकर अंदर से बैटरी इन्वर्टर आदि सामान चोरी कर ले गए । अनुसंधान उपरांत न्यायालय के आदेश पर सेवर केंद्रीय जेल से आरोपीहम्बीर पुत्र तेजसिह जाति जाट उम्र 40 साल निवासी गारौली थाना जनूवर जिला डीग, इमरान पुत्र आसुखां जाति मेव उम्र 24 साल निवासी विरगया थाना नगर जिला डीग, अत्सद पुत्र पलटू जाति मेव उम्र 35 साल निवासी विरगवा थाना नगर जिला डीग को सुपरवीजन में एवं श्री बलराम यादव धानाधिकारी पुलिस थाना खेडलीमोड भरतपुर के कुशल नेतृत्व में टीम गठित कर दिनांक 03.07.2025 को तीन मुलजिमानों को गिरफतार किया जाकर एक बैटरी, इन्वर्टर घर से बरामद किया गया।

भाजपा जिलाध्यक्ष का किया सम्मान

बढ़ता राजस्थान

बाडी (राजू शर्मा)। भारतीय जनता पार्टी मंडल आंगई की ओर से गुरुवार को ग्राम पिपरैट में जिला अध्यक्ष राजवीर सिंह राजावत का स्वागत किया गया। विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद एवं जिला प्रभारी रामस्वरूप कोली एवं पूर्व विधायक रानी सिलोटिया रही। जिला अध्यक्ष ने कहा कि हम सबको जमीन से जुड़कर कार्य करना है। पं दीनदयाल उपाध्याय जी ने जो सपना देखा था आज वह साकार हो रहा है। अंत्योदय हमारा लक्ष्य है। हर कार्यकर्ता महत्वपूर्ण है। मोदी जी का नारा सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास सार्थक करना है। भाजपा को मजबूत करें। मंडल अध्यक्ष मनोज सिंह परमार ने स्वागत किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री मदन कोली, अनिल गोयल, नवल लोधा, उपाध्यक्ष धीर सिंह जादौन, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष ब्रजराज सिंह परमार, सरमथुरा मंडल अध्यक्ष विशाल शर्मा, बसेड़ी मंडल अध्यक्ष भैरों सिंह परमार, छन्नू मंगल, धर्मेंद्र सरपंच, बृजेश दिघरा, राजेंद्र शर्मा रामगोपाल हरदेनिया, मोनू राजपुरोहित, मंगल सिंह, कैप्टन बनवारी सिंह, शंभू सिंह, नरोत्तम सिंह, सियाराम मीणा, पूर्व सरपंच पातीराम कोली, मानसिंह, पातीराम प्रजापति आदि लोग उपस्थित रहे।

जिले के सभी थानों में शुरू होगी साइबर हेल्प डेस्क, ठगी की वारदातों पर लगेगी लगाम

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (नि.स.)। बढ़ते साइबर अपराध पर लगाम लगाने के लिए जिले के सभी थानों में साइबर हेल्प डेस्क बनाई जाएगी। इसके अलावा पुलिस मुख्यालय में साइबर अपराध के शिकार पीड़ित लोगों की मदद के लिए राज्य स्तरीय वाट्सएप हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है। पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा ने बताया कि साइबर धोखाधड़ी से पीड़ित लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए पुलिस मुख्यालय के निर्देशन में जिले के सभी थानों पर साइबर हेल्प डेस्क शुरू की जा रही है। इसके लिए पुलिस लाइन में थानों से चयनित पुलिसकर्मियों को 6 जुलाई तक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में साइबर अपराध रोकने, सायबर पीड़ित लोगों की त्वरित मदद की बारीकी सिखाई जा रही है।जिले में मोबाइल गुम या चोरी होनी की भी कई घटनाएं होती हैं। इसके लिए भी मोबाइल गुम होने पर हेल्पडेस्क राजस्थान पुलिस की वेबसाइटपर ऑनलाइन या ऑफलाइन रिपोर्ट दर्ज करने और सीईआइआर पोर्टल पर डिवाइस को ब्लॉक करवा सकेंगे। इसके साथ ही नेशनल हेल्पलाइन नंबर 1930 के माध्यम से फ्रीज की गई धनराशि को आपके बैंक खाते में वापस दिलाने की प्रक्रिया में साइबर हेल्प डेस्क सहायता करेगी। यह साइबर हैल्प डेस्क फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर बने फर्जी अकाउंट की रिपोर्ट करने या उन्हें बंद करवाने की कार्रवाई में भी मदद करेगी। उन्होंने बताया कि पुलिस मुख्यालय में साइबर अपराध के पीड़ित लोगों की मदद के लिए राज्य स्तरीय वाट्सएप हेल्पलाइन नंबर 9256001930 व 9257510100 शुरू किए गए है। जिन पर पीड़ित अपनी समस्या से अवगत करा सकेंगे।

चंबल के पानी में गंदलापन बढ़ने से जल शोधन संयंत्र का उत्पादन 25 प्रतिशत घटा, जल संग्रहण की अपील

बढ़ता राजस्थान

बूंदी (अनन्त दाधीच)। विगत कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश और राणा प्रताप सागर व जवाहर सागर बांध से लगातार छोड़े जा रहे पानी के कारण चंबल नदी का जल स्तर और गंदलापन अत्यधिक बढ़ गया हैं। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग परियोजना खण्ड बूंदी के अधिशाषी अभियंता सर्वेश्वर ने बताया कि लगातार पानी छोड़े जाने के कारण रेट्रोफिटिंग ऑफ बून्दी क्लस्टर पेयजल परियोजना (विस्तार चम्बल-भीलवाडा पेयजल परियोजना) के जल शोधन संयंत्र पर अत्यधिक टर्बिडीटी (गंदलापन) युक्त पानी की आवक होने से जल शोधन संयंत्र की क्षमता 25 प्रतिशत तक कम हो गई हैं। उन्होंने बताया कि जब तक पेयजल आपूर्ति सामान्य नहीं होती जब तक सभी जल उपभोक्ता आवश्यक मात्रा में पेयजल संग्रहण करके रखे, जिससे पेयजल की समस्या उत्पन्न नहीं हों।

खड़ी बस से तेल चोरी के स्कॉर्पियो गाड़ी सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

बढ़ता राजस्थान

भुसावर (यतेन्द्र पाण्डेय)। भुसावर उपखंड क्षेत्र के खेड़ली मोड़ थाना पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए रात्रि के समय खड़ी हुई बस से तेल चोरी के तीन आरोपियों को स्कॉर्पियो सहित गिरफ्तार किया है थाना अधिकारी बलराम यादव ने बताया कि थाना क्षेत्र के पथैना गांव निवासी गुलाब सिंह पुत्र हरि सिंह जाति जाट ने थाने पर उपस्थित होकर प्राथमिक की दी की बस के डीजल टैंक से रात्रि के समय चोरी की गई है इस पर उच्च अधिकारियों से वार्ता कर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयनारायण मीणा एवं भुसावर व्रत अधिकारी धर्मेंद्र शर्मा के सुपरविजन में टीम गठित कर चोरी के आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है।

ये हुये आरोपी गिरफ्तार-

सोनु पुत्र श्री ब्राम्हा जाति भोग्या उम्र 20 साल निवासी जीवली थाना दत्तवास जिला टोक . माखन पुत्र चक्कन जाति भोग्या उम्र 19 साल निवासी जीवली थाना दत्तवास जिला टोक , मुनीम पुत्र मौहरसिहं जाति भील मीना उम्र 20 साल निवासी सौनागढ़ खिलौरा थाना रामगढ़ जिला अलवर,

यह सामान हुआ बरामद-

बरामदशुदा सामान, एक स्कार्पियो गाडी नम्बर आरजे 14 यूई 2709, एक प्लास्टिक की कैन जिसमे करीब 20 लीटर तैल भरा हुआ है।,

टीम के सदस्य-

बलराम यादव थानाधिकारी थाना खेडली मोड

विनीत कुमार हैड कानि0,सुगड सिह कानि0 , योगेश कानि0

जहां सुमति वहाँ सुख व संपत्ति, जहां कुमति वहाँ दुख व विपत्ति - श्री हरि चैतन्य महाप्रभु

बढ़ता राजस्थान

कामां / भरतपुर(यतेन्द्र पाण्डेय)। तीर्थराज विमल कुण्ड स्थित श्री हरि कृपा आश्रम के संस्थापक एवं श्री हरिकृपा पीठाधीश्वर व विश्व विख्यात संत स्वामी श्री हरि चैतन्य पुरी महाराज ने आज यहां श्री हरि कृपा आश्रम में उपस्थित विशाल भक्त समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि सुमति व कुमति हर प्राणी के अंदर सदैव रहती है। कब कौन सी बुद्धि उजागर हो जाए कोई कुछ कह नहीं सकता। हाँ अच्छे संग से सुमति व बुरे संग से कुमति ही उत्पन्न होगी। तथा जहाँ सुमति होगी वहाँ सुख, सम्पत्ति तथा जहाँ कुमति होती है

वहाँ दु:ख व विपत्तियां मंडराने लगती है। जब हितैषी शत्रुवत तथा शत्रु मित्रवत लगने लगे तो समझ लो कि कुमति उजागर हो रही है। जो की विनाश का कारण बनेगी। अत: कुमति को त्यागकर सुमति के पथ का ही अनुसरण करना चाहिए।

उन्होंने अपने दिव्य प्रवचनों को आगे बढ़ाते हुए कहा कि संसार के सभी जीव मोहरूपी रात्रि में सोए हुए हैं। मोह नींद में सोए उन जीवों को जगाने ही आते हैं सभी संत, महापुरुष यहाँ तक कि परमात्मा भी। इस संसार रूपी रात्रि में मात्र परमार्थी व प्रपंच से वियोगी लोग ही जागते हैं। जीव को जगा हुआ तभी जानना चाहिए जबकि उसे सभी विषयों व विलासताओं से वैराग्य हो जाए, उठो, जागो व अपने लक्ष्य की ओर बिना रुके तब तक चलते रहो जब तक कि तुम्हें तुम्हारा लक्ष्य प्राप्त न हो जाए, शास्त्रों का भी यही उद्घोष है। व्यक्ति जन्म ,रूप, कुल, वैभव आदि से नहीं अपितु अपने कर्मों से महान बनता है। महाराज श्री के दिव्य ओजस्वी प्रवचनों को सुनकर सभी भक्त मंत्रमुग्ध व भाव विभोर हो गये व महाराज जी के द्वारा गाए गए भजनों को सुनकर, उनकी प्रेममय सुंदर छटा को देखकर वहाँ उपस्थित भक्तों की प्रेमवश अश्रुधारा बह उठी। महाराज श्री के दिव्य प्रवचनों को सुनने के लिए स्थानीय, क्षेत्रीय व दूर दराज से काफ़ी संख्या में भक्तजन यहाँ पहुँच रहे हैं।

आश्रम में श्री महाराज जी के दर्शनों व दिव्य अमृत वचनों को सुनने के लिए भक्तों का निरंतर ताँता लगा हुआ है ।

बाडी धर्म और देश विरोधी गतिविधियों पर नजर रखें और प्रशासन को अवगत कराएं: यादव

बढ़ता राजस्थान

बाडी (राजू शर्मा)। बसेड़ी रोड पर स्थित एक मैरिज गार्डन में हिंदू जागरण मंच की वार्षिक जिला बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि मंच जयपुर प्रांत के संयोजक हुकुमचंद यादव एवं विशिष्ट अतिथि याजवेंद्र यादव प्रचार आयाम केंद्र टोली के सदस्य रहे। अतिथियों ने भारत माता एवं प्रभु श्री राम भगवान का पूजन किया। संचालन डॉक्टर अशोक शर्मा ने किया। प्रांत संयोजक हुकुमचंद यादव ने मंच की रचना एवं योजना के बारे में विस्तार से समझाया। हिंदू जागरण मंच का काम आंतरिक सुरक्षा है। जो धर्म और देश विरोधी गतिविधियां संचालित हैं उन सूचनाओं को जिला प्रशासन को अवगत कराना है। इसी के साथ-साथ हिंदू

> इसी के साथ-साथ हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं का कार्य वैचारिक जागरण, शारीरिक जागरण, जागृत, संगठित, सक्रिय सुरक्षा, विजई हिंदू समाज करना है। खंड स्तर पर वार्षिक अभ्यास वर्ग, शक्ति पूजन शस्त्र पूजा, अखंड भारत संकल्प दिवस, महापुरुषों की जयंती, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता स्व जागरण, नागरिक शिष्टाचार सम्मान, अग्रज अनुजों को प्यार स्वावलंबन आदि कार्य करना है।याजवेंद्र यादव ने बताया कि समय के अनुसार हम सभी को अपनी अपनी जाति भेदभाव को भूलकर सनातनी बनने की आवश्यकता है। संगठित रहने की आवश्यकता है। सर्व समाज को जोड़ना है।

जागरण मंच के कार्यकर्ताओं का कार्य वैचारिक जागरण, शारीरिक जागरण, जागृत, संगठित, सक्रिय सुरक्षा, विजई हिंदू समाज करना है। खंड स्तर पर वार्षिक अभ्यास वर्ग, शक्ति पूजन शस्त्र पूजा, अखंड भारत संकल्प दिवस, महापुरुषों की जयंती, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता स्व जागरण, नागरिक शिष्टाचार सम्मान, अग्रज अनुजों को प्यार स्वावलंबन आदि कार्य करना है।

याजवेंद्र यादव ने बताया कि समय के अनुसार हम सभी को अपनी अपनी जाति भेदभाव को भूलकर सनातनी बनने की आवश्यकता है। संगठित रहने की आवश्यकता है। सर्व समाज को जोड़ना है। जिला संयोजक अंजनी पाराशर ने जिला टोली में घोषणा की, जिसमें भावना शर्मा को सह जिला संयोजिका, रजनी मृदुल को महिला आयाम प्रमुख, रतन सिंह मीणा को सह जिला संयोजक, हरेंद्र ओझा को जिला कार्य समिति सदस्य संवेदन शील क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी गई। नगर संयोजक शुभांक शर्मा, सह संयोजक गौरव राजौरिया व ऋतिक यादव को बनाया गया। सैंपऊ खंड में खंड संयोजक सीताराम बघेल सह संयोजक आनंद शर्मा, एवं शुभम को सौंपी गई। बाड़ी नगर में नगर नगर संयोजक धीरज पाठक, सह संयोजक कुंवर सिंह कुशवाह, युवा आयाम सदस्य यश पाराशर, विधि सलाहकार नरेश शर्मा को नियुक्त किया गया। टोटरी उपखंड संयोजक राधाकृष्ण शर्मा सह संयोजक सूरज राजपूत को जिम्मेदारी सौंपी गई। पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। इस दौरान राधेश्याम शर्मा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी सरमथुरा खंड संघचालक, बद्री प्रसाद शर्मा जिला टोली सदस्य संपर्क आयाम, एड. अमित शर्मा जिला विधि सलाहकार, मनोज कुमार जिला प्रचार प्रसार प्रमुख आदि मौजूद रहे।

जल भराव की समस्या के स्थाई समाधान के लिए मिलकर प्रयास करें-जिला कलक्टर

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर(यतेन्द्र पाण्डेय्)। जिला कलक्टर कमर चौधरी ने नगर निगम एवं आरयूआईडीपी के विकास कार्यों व बजट घोषणाओं की समीक्षा बैठक लेकर सभी कार्य गुणवत्ता के साथ शीघ्र कराने एवं शहर में जल भराव की समस्या के लिए टीम भावना से कार्य करने के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर ने कहा कि शहर में नियमित साफ-सफाई एवं जलभराव क्षेत्रों में पानी निकासी कर सभी नालों की नियमित सफाई कराने के लिए अधिकारी सक्रियता से कार्य करें। उन्होंने कहा कि सीएफसीडी के कार्य के दौरान किसी भी स्थान पर पानी के बहाव को रोकें नहीं, आसपास के क्षेत्रों के पम्पिंग के द्वारा ड्रेन में पानी डालें। उन्होंने कहा कि जहां-जहां भी पानी निकासी के लिए पम्प सेट लगा रखे हैं उनका स्थाई समाधान के लिए प्लान बनाकर उसे मूर्त रूप

दें। उन्होंने कहा कि आवासीय क्षेत्रों के नालों से मुख्य नालों में पानी का बहाव में जो भी अवरोधक हैं, उन्हें शीघ्र हटवायें।

जिला कलक्टर ने शहर के पुराने आवासीय क्षेत्र में जामा मस्जिद से नदिया मौहल्ला, खिडकी मौहल्ला, बडा मौहल्ला, नमक कटरा होकर सीएफसीडी में जाने वाले पानी के बहाव को व्यवस्थित करने के लिए सम्पूर्ण क्षेत्र के नालों की पूरी तरह सफाई करायें। उन्होंने कुम्हेर गेट से पेट्रोल पम्प के पीछे होकर जा रहे भूमिगत नाले, पोस्ट ऑफिस, आदर्श कॉलोनी, पुरानी कोतवाली के भूमिगत नाले की सफाई भी कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तिलकनगर, इन्द्रा कॉलोनी, पैराडाईज आवासीय क्षेत्र के पानी निकासी के लिए अतिरिक्त पम्प सेट लगायें। उन्होंने लोहागढ स्टेडियम एवं नुमाइश मैदान में पानी की निकासी के लिए पम्प सेट लगाकर स्थाई समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर निगम की टीम सम्पूर्ण शहर में भ्रमण कर पानी निकासी के लिए आवश्यक स्थानों पर पम्प सेट लगाने के साथ स्थाई समाधान के लिए निचली बस्तियों, कॉलोनियों से पानी लिफ्ट करने के लिए सोलर पम्प सेट का प्लान तैयार करें।

जिला कलक्टर ने शहर में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुये नगर निगम, बीडीए एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग को आपसी समन्वय के लिए अतिरिक्त कलक्टर शहर को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो भी विकास कार्य कराये जायें उनमें लेवलिंग एवं ड्रेनेज सिस्टम की पूरी पालना की जाये। उन्होंने गोलपुरा रोड निर्माण के दौरान इसका ध्यान रखने तथा नगर निगम को स्टेडियम का पानी निकासी के लिए नाला निर्माण का प्लान स्टेडियम के गेट से करने के निर्देश दिए। उन्होंने शहर में चल रहे आरयूआईडीपी के कार्यों को बरसात के दौरान स्थगित रखते हुये मरम्मत को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निगम द्वारा सेवर, हीरादास, गोलमोल बगीची व ब्रह्मचारी कुण्ड का जीर्णोद्धार कार्य कराया है इनमें गुणवत्ता की कमीं पाई जाने पर संवेदक के खिलाफ कार्यवाही करें।

आयुक्त नगर निगम श्रवण विश्नोई ने विकास कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर अतिरिक्त कलक्टर शहर राहुल सैनी, नगर निगम के अधिशाषी अभियन्ता भरत कुमार, राजुल शर्मा, राहुल मित्तल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पेयजल और बिजली जैसी मूलभूत आवश्यकताएं प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराना राज्य सरकार की जिम्मेदारी-मंत्री कन्हैयालाल

अधिकारियों को समयबद्ध क्रियान्वयन के दिए निर्देश

बढ़ता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (संजय खाबिया)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू-जल मंत्री कन्हैयालाल ने शुक्रवार को जिला परिषद परिसर स्थित ग्रामीण विकास अभिकरण सभागार में चित्तौड़गढ़ एवं प्रतापगढ़ के जन स्वास्थ्य एवं पेयजल से जुड़ी योजनाओं की विधानसभा क्षेत्रवार समीक्षा बैठक ली।

बैठक में मंत्री कन्हैयालाल ने जल जीवन मिशन, हैंडपंप एवं ट्यूबवेल मरम्मत, ग्रामीण एवं शहरी जलप्रदाय योजनाएं, तथा बजट घोषणाओं के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन को निरंतर एवं स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और योजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किया जाए।

जल एक प्राथमिकता-मंत्री का स्पष्ट संदेश

मंत्री कन्हैयालाल ने कहा कि पेयजल और बिजली जैसी मूलभूत आवश्यकताएं हर नागरिक का अधिकार हैं, और इन्हें प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने चित्तौड़गढ़, निंबाहेड़ा, छोटीसादड़ी सहित अन्य उपखंडों में जल जीवन मिशन और अन्य योजनाओं के भौतिक व वित्तीय प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नाकारा हैंडपंपों और ट्यूबवेलों की सूची तैयार कर उन्हें शीघ्र चालू कराया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट की स्थिति उत्पन्न न हो। साथ ही, शहरी जलप्रदाय योजनाओं की भी प्रगति की समीक्षा की गई और धीमी गति से चल रही परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में प्रतापगढ़ जिले की जाखम परियोजना तथा चंबल परियोजना के माध्यम से पेयजल आपूर्ति की समीक्षा की गई। मंत्री ने इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जनप्रतिनिधियों ने रखी जनसमस्याएं

इस अवसर पर निंबाहेड़ा विधायक श्रीचंद्र कृपलानी, चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या तथा जिला प्रमुख गब्बर सिंह अहीर ने अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़ी पेयजल संबंधी समस्याओं की ओर मंत्री का ध्यान आकृष्ट किया। मंत्री ने प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से चर्चा करते हुए समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मंत्री कन्हैयालाल ने अंत में अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि पेयजल संकट से संबंधित किसी भी शिकायत का तत्काल समाधान प्राथमिकता पर किया जाए, ताकि आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

बैठक में पूर्व विधायक एवं भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष बद्रीलाल जाट, पूर्व विधायक अशोक नवलखा, अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रभा गौतम, चित्तौड़गढ़ एवं प्रतापगढ़ जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता, तकनीकी व प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर की अध्यक्षता में 8 जुलाई को स्वाधीनता दिवस समारोह-2025 की तैयारी बैठक

बढ़ता राजस्थान

कपासन/चित्तौड़गढ़ (सुनील कुमार डभाड़ीया)। स्वाधीनता दिवस समारोह-2025 15 अगस्त को गरिमामय एवं उल्लासपूर्वक मनाने के उद्देश्य से आवश्यक तैयारियों की समीक्षा बैठक जिला कलक्टर आलोक रंजन की अध्यक्षता में 8 जुलाई मंगलवार को प्रातः 11 बजे जिला परिषद परिसर स्थित ग्रामीण विकास अभिकरण सभागार में बैठक का आयोजन होगा। अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रभा गौतम ने बताया कि इस बैठक में समारोह की रूपरेखा,कार्यक्रम संबंधी सुरक्षा व्यवस्था,सांस्कृतिक कार्यक्रमों, अतिथियों के स्वागत-सत्कार,साफ-सफाई,यातायात व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक तैयारियों पर चर्चा की जायेगी।जिसको लेकर संबंधित समस्त विभागों,संस्थाओं,अधिकारीयो गणों एवं कार्मिकों से आग्रह है कि निर्धारित समय एवं स्थान पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर बैठक में भाग लेने की सुनिश्चितता करें।जिससे स्वतंत्रता दिवस समारोह 2025 को भव्य सुव्यवस्थित रूप से मनाया जा सके।

लंबे समय से फरार 50 हजार का इनामी कुख्यात तस्कर बजरंग मीणा पुलिस के हत्थे चढ़ा

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। ज़िले की पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। 50 हजार रुपये के इनामी व खतरनाक अपराधी बजरंग मीणा को पुलिस ने विशेष अभियान के तहत गिरफ्तार कर लिया है। हथियारों व मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त यह अपराधी लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बाहर था। आरोपी की गिरफ्तारी धर्मेन्द्र सिंह, आईपीएस, जिला पुलिस अधीक्षक, भीलवाड़ा के निर्देशन में की गई।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इनामी व वांछित अपराधियों की धरपकड़ को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बजरंग मीणा की गिरफ्तारी हेतु एक विशेष टीम का गठन किया गया था। इस टीम का नेतृत्व श्री राजेश आर्य, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा, एवं श्री ओमप्रकाश बिश्नोई, वृत्ताधिकारी शाहपुरा द्वारा किया गया। टीम में शाहपुरा थाने के उप निरीक्षक श्री बालकिशन, हमीरगढ़ थानाधिकारी श्री संजय गुर्जर, साइबर सेल के हेड कांस्टेबल श्री सत्यनारायण, व अन्य पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया।पुलिस थाना शाहपुरा में दर्ज प्रकरण संख्या 22/2025 व 165/2025 में आरोपी बजरंग मीणा पर आरोप था कि उसने अन्य अपराधियों को अवैध हथियार उपलब्ध करवाए। इसके अलावा उसके खिलाफ पहले से ही चार प्रकरण एक्साइज एक्ट, दो एनडीपीएस एक्ट, एक डकैती, तीन जानलेवा हमलों और एक जालसाजी का मुकदमा दर्ज है। अजमेर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक ने उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये के इनाम की घोषणा की थी।पुलिस की विशेष टीम ने लगातार दबिश देते हुए आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखी। उसके दोस्तों और रिश्तेदारों के यहां मुखबिरों को सक्रिय किया गया। बजरंग मीणा बार-बार ठिकाने बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था। लेकिन साइबर सेल की तकनीकी टीम, विशेषकर हेड कांस्टेबल 541 की सूझबूझ और विश्लेषण के चलते आरोपी का सुराग लग सका।आखिरकार कई प्रयासों के बाद आरोपी बजरंग मीणा पुलिस की गिरफ्त में आ ही गया। आरोपी टोपा, थाना शाहपुरा का रहने वाला है और अवैध गतिविधियों का लंबे समय से सरगना रहा है।

शंभूपुरा में आज चितौड़ क्लब द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर एवं एक पेड़ मां के नाम

बढ़ता राजस्थान

निम्बाहेड़ा (प्रकाश खत्री)। फिट चित्तौड़ क्लब के संरक्षक एवं भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं चित्तौड़ सांसद महोदय सी.पी. जी जोशी की पहल और प्रेरणा व सानिध्य में निशुल्क चिकित्सा शिविर शनिवार सुबह 9 बजे से दोपहर 3⁼ बजे तक लगाया जाएगा चित्तौड़ विधानसभा संयोजक राजू अग्रवाल शंभूपुरा ने बताया कि निशुल्क चिकित्सा शिविर में स्वास्थ्य जांच वेन द्वारा से स्वास्थ्य जांच की जाएगी विशेष अनुभवी डॉक्टरों से स्वास्थ्य चेकअप मौसमी बीमारियां नाक कान गला मरीज को फ्री दवा दी जाएगी साथ ही एक पेड़ मां के नाम की शुरुआत करेंगे ।

अवैध अतिक्रमण से मिली राहत - ग्राम रोलिया का रास्ता फिर से हुआ सुगम

बढ़ता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (नि.स.) । ग्राम पंचायत रोलिया के निवासियों के लिए बीते कुछ वर्षों से एक सामान्य-सी दिखने वाली लेकिन अत्यंत गंभीर समस्या ने उनके जीवन को प्रभावित कर रखा था। गाँव के मुख्य रास्तों में से एक सार्वजनिक मार्ग, जो कि खेतों, मंदिर और अन्य घरों तक पहुँचने के लिए उपयोग में लिया जाता था, वह रास्ता कई वर्षों से अवैध अतिक्रमण का शिकार हो गया था। यह अतिक्रमण धीरे-धीरे इतना बढ़ गया कि लोगों का आवागमन बाधित हो गया और अनेक ग्रामीणों को अपने दैनिक कार्यों के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा था।

ग्रामवासियों की एकजुट पहल

इस समस्या से त्रस्त होकर गाँव के जागरूक नागरिकों ने आपसी समन्वय से एक संयुक्त आवेदन पत्र तैयार कर तहसील कार्यालय कपासन में प्रस्तुत किया, जिसमें वर्षों से अवरुद्ध हो रहे सार्वजनिक रास्ते को अतिक्रमण मुक्त करवाने की माँग की गई। इस आवेदन को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार कपासन ने त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

प्रशासन ने की त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई

राजस्व विभाग के अधिकारीगण, जिनमें गिरदावर और पटवारी अमित चौधरी प्रमुख रूप से शामिल थे, ने तत्काल मौके का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान यह स्पष्ट रूप से पाया गया कि उक्त सार्वजनिक रास्ते पर अवैध रूप से निर्माण सामग्री, अस्थायी निर्माण और निजी उपयोग की वस्तुएं रखी हुई थीं, जिससे गाँव की बड़ी आबादी को असुविधा हो रही थी।

श्री सांवलिया धाम मूंगाना के महंत चेतनदास महाराज के देवलोकगमन से चहुंओर शोक व्याप्त

आज हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में होगा अंतिम संस्कार

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। उपखंड क्षेत्र के ग्राम मुंगाना स्थित श्री सांवलिया धाम आश्रम के महंत चेतनदास महाराज का शुक्रवार को आकस्मिक देवलोकगमन होने से चहुंओर शोक की लहर व्याप्त हो गयी।साथ ही महंत के अंतिम दर्शनों हेतु हजारों भक्तों का तांता लगा रहा।

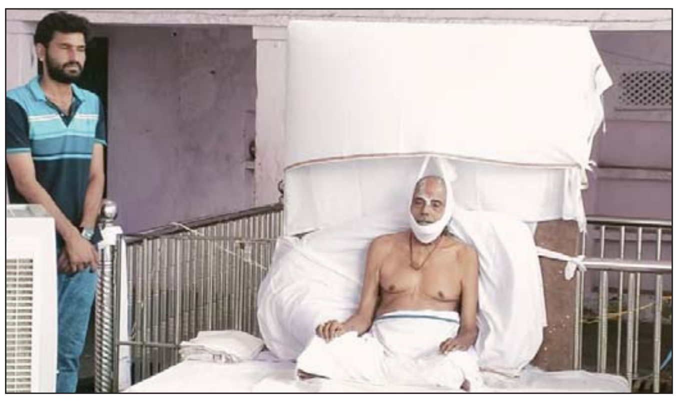

जानकारी अनुसार उपखंड क्षेत्र कपासन में स्थित श्री सांवलिया धाम मूंगाना के महंत चेतनदास महाराज (90) ने शुक्रवार को श्री सांवलिया धाम आश्रम में अंतिम सांस ली तथा पार्थिव देह को भक्तों एवं श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ आश्रम में रखा गया। साथ ही मेवाड़ क्षेत्र के महंत चेतनदास महाराज के अंतिम दर्शनार्थ भक्तों एवं श्रद्धालुओं का हुजूम बना रहा। इस दौरान श्रद्धालुओं द्वारा धार्मिक भजन कीर्तन जारी रखा गया।यहां मेवाड़ के महंत चेतनदास महाराज की अंतिम यात्रा आज शनिवार सुबह 8 बजे आश्रम से निकलेगी तथा सुबह 11 बजे मुंगाना आश्रम में अंतिम संस्कार किया जायेगा।

उल्लेखनीय है कि चेतनदास महाराज द्वारा सैकड़ों मंदिरो की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ विगत कई वर्षों से पवित्र कुंभ मेले में मीरा मेवाड़ खालसा का संचालन कर आगंतुक भक्तों एवं श्रद्धालुओं की निस्वार्थ सेवा में सक्रिय रहे।साथ ही मेवाड़,मालवा,गुजरात एवं महाराष्ट्र में विशेष वर्चस्व रहा है।महंत चेतनदास महाराज द्वारा विगत कई वर्षों से प्रत्येक गुरु पूर्णिमा पर संतों एवं हजारों भक्तों हेतु विशाल धार्मिक अनुष्ठान किया जाता रहा है।

इधर नगर कपासन के व्यापार मंडल द्वारा महंत चेतनदास महाराज के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आज शनिवार को आयोजन होगा।व्यापार मंडल कपासन अध्यक्ष कोमल बारेगामा ने बताया कि मेवाड़ के महंत चेतनदास महाराज श्री सांवलीया धाम मूंगाना के निधन पर व्यापार मंडल की अगुवाई में आज 5 जुलाई शनिवार को नगर के समस्त व्यापारियों द्वारा श्रद्धासुमन स्वरूप सुबह 9 बजे रामद्वारा में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जायेगा।साथ ही व्यापार मंडल के आह्वान पर नगर क्षेत्र के व्यापारीगण अपने प्रतिष्ठान दोपहर 12 बजे तक बंद रखेंगे।जिसको लेकर समस्त व्यापारीयो द्वारा सहमति व्यक्त की गयी।

सवाईपुर स्कूल के छात्रों ने किया गांव का नाम रोशन, विद्यालय परिवार ने किया अभिनंदन

कृष्ण पाल सिंह राठौड का आर्मी में एवं अविष्कार साल्वी का खेल एकेडमी जयपुर मे हुआ चयन

बढ़ता राजस्थान

भीलवाडा (अमित शर्मा)। जब किसी सरकारी स्कूल में अध्ययन करने वाले छात्र किसी अच्छे पद पर चयन हो जाते हैं तो वह उसे स्कूल और शिक्षकों के साथ ही उसे गांव का नाम भी रोशन कर देते हैं ऐसे ही कुछ प्रतिभा के धनी है भीलवाड़ा जिला मुख्यालय से 22 किलोमीटर दूर स्थित सवाईपुर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के दो छात्रों जिनमें से एक पूर्व ने सेना मे चयन होकर एवं एक वर्तमान छात्र ने हॉकी में सवाई मानसिंह ऐकडमी में चयन होकर स्कूल और गांव का नाम रोशन किया है। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सवाईपुर की प्रधानाचार्य डॉ. प्रतिष्ठा ठाकुर (पीईईओ) ने यह जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय में कक्षा दसवीं मे अध्यनरत छात्र अविष्कार साल्वी शुरू से ही विद्यालय की हॉकी टीम का मजबूत और श्रेष्ठ खिलाड़ी रहा है और इस श्रेष्ठता और अपने खेल की चातुर्यता के बल पर उसका राजस्थान सरकार द्वारा संचालित प्रदेश की राजधानी जयपुर में सवाई मानसिंह स्टेडियम खेल एकेडमी में चयन हुआ है। इसी तरह इसी विद्यालय के छात्र रहे कृष्ण पाल सिंह राठौड़ का चयन केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बलसीआईएफ (आर्मी) में कांस्टेबल के पद पर चयन हुआ और वह टीआरजी मुंडली ओडीशा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा है। डॉ.प्रतिष्ठा ठाकुर ने बताया कि राठौड का चयन के बाद प्रथम बार अपने गांव और विद्यालय में आने पर विद्यालय परिवार की ओर से उनका माल्यार्पण कर तिलक लगाकर मुहं मीठा कराकर अभिनंदन किया गया। इसी तरह अविष्कार साल्वी का भी चयन होने पर उसका स्वागत और अभिनंदन किया गया। और दोनों ही छात्रों को विद्यालय और गांव का नाम रोशन कर गौरांवित करने पर उनके मगंलमय भविष्य की कामना की गई।

विधायक कोठारी ने तृतीय वेतन श्रृंखला अध्यापकों के स्थानांतरण के लिए पॉलिसी निर्धारण की मांग की

बढ़ता राजस्थान

भीलवाडा (अमित शर्मा)। विधायक अशोक कोठारी ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को लिखे एक महत्वपूर्ण पत्र के माध्यम से सरकार का ध्यान वर्तमान में तृतीय वेतन श्रृंखला अध्यापकों के स्थानांतरण के लिए पॉलिसी निर्धारण की ओर आकर्षित किया है। उन्होंने स्थानांतरण नीति को न्यायसंगत और प्रभावी बनाने हेतु ठोस कदम उठाने का आग्रह किया है। मीडिया प्रभारी पंकज आडवाणी ने बताया कि विधायक कोठारी ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि प्रदेश में लगभग 2 लाख 50 हजार से अधिक तृतीय वेतन श्रृंखला अध्यापक है, पिछले लम्बे समय से इन अध्यापकों के स्थानांतरण संबंधी किसी भी तरह की स्पष्ट नीति निर्धारण के अभाव में स्थानांतरण नहीं हो पा रहे है। उन्होंने विशेष रूप से महिला अध्यापिकाएं के स्थानांतरण के संबंध में बताया कि महिलाएं लम्बे समय से दुरस्थ स्थानों पर कार्यरत रहने से स्वयं के परिवार की देखभाल नहीं कर पाती है। लम्बे समय से तृतीय वेतन श्रृंखला अध्यापकों के स्थानांतरण नहीं हो पाए है ज्ञात हो अंतिम बार वर्ष 2018 में वसुंधरा राजे सरकार के दौरान तृतीय श्रृंखला शिक्षकों के तबादले हुए थे तथा गहलोत सरकार ने इस दिशा में कोई महत्वपूर्ण कदम नहीं उठाया था। जिससे की तृतीय वेतन श्रृंखला शिक्षकों को लम्बे समय से इंतजार करना पड़ रहा है। इन मौजूदा समस्याओं पर प्रकाश डाला तथा उन्हें व उनके परिवारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

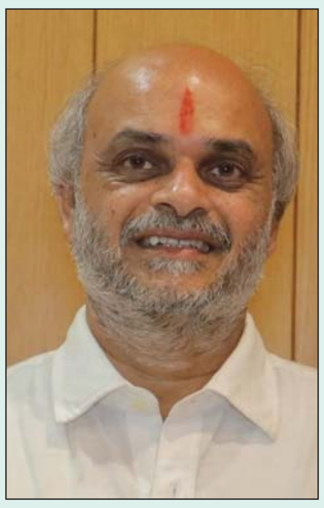

स्थानांतरण नीति निर्धारण में दिए सुझाव

प्राथमिकता-स्थानांतरण प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए और प्रदेश में कार्यरत अध्यापकों को उनकी प्राथमिकता के अनुसार स्थानांतरण का लाभ मिले।

मानवीय आधार- गंभीर बीमारियों से ग्रस्त अध्यापकों को मानवीय आधार पर स्थानांतरण में प्राथमिकता दी जाए।

पति-पत्नी एक साथ- पति-पत्नी दोनों के राजकीय सेवा में होने पर एक ही स्थान पर या निकटतम संभव स्थान पर पदस्थापन की व्यवस्था की जाए।

पदानुक्रम का पालन- स्थानांतरण प्रक्रिया में पदानुक्रम का पालन किया जाए, जिसमें एक संभाग से दूसरे संभाग में निदेशक स्तर पर व एक जिले से दूसरे जिले में स्थानांतरण संयुक्त निदेशक स्तर पर और एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण हेतु जिला शिक्षा अधिकारी को अधिकृत किया जाए।

निकटस्थ स्थान पर पदस्थापित-महिला अध्यापिकाओं, एकल महिला, तलाकशुदा तथा विधवा महिला अध्यापिकाओं को भी यथासंभव निवासस्थल के निकटस्थ स्थानों पर पदस्थापित करना चाहिए जिससे की वह पारिवारिक जिम्मेदारी निर्वहन कर सकेगी।

रात्रि चौपाल में 42 से अधिक प्रकरणों में ज्यादातर का मौके पर ही समाधान,जिला कलक्टर ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

बढ़ता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (संजय खाबिया) । राज्य सरकार के निर्देशानुसार आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से जिला कलक्टर आलोक रंजन की अध्यक्षता में गुरुवार को चित्तौड़गढ़ पंचायत समिति की ग्राम पंचायत उदपुरा में रात्रि चौपाल एवं जनसुनवाई का आयोजन किया गया।

इस जनसुनवाई में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और अपनी व्यक्तिगत एवं सामुदायिक समस्याओं को लेकर जिला कलक्टर को आवेदन पत्र सौंपे। ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी ने जनसुनवाई को प्रभावशाली एवं उद्देश्यपूर्ण बनाया।

जनसमस्याओं का हुआ त्वरित निराकरण

रात्रि चौपाल के दौरान 42 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकांश प्रकरणों का जिला कलक्टर ने मौके पर ही विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ चर्चा कर समाधान किया एवं बाकी प्रकरणों को शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर आलोक रंजन ने वन भूमि पट्टे से संबंधित मामलों पर वन विभाग के अधिकारियों से संवाद कर आवश्यक निर्देश दिए। सुरेश गुर्जर द्वारा उठाए गए आम रास्ता चौड़ीकरण के मामले में जरूरी कार्रवाई के निर्देश दिए। छोटू सिंह द्वारा प्रस्तावित खेल मैदान हेतु भूमि चिन्हांकन के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य से प्रस्ताव लेने के निर्देश दिए।

एफआईआर दर्ज नहीं होने जैसे 3-4 मामलों में पुलिस विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

रात्रि चौपाल में पीने के पानी की समस्या, अतिक्रमण हटाने, भूमि आवंटन, राशन कार्ड में नाम जोड़ना, प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्रों को लाभ दिलाने सहित विभिन्न प्रकरणों पर संबंधित विभागों के अधिकारियों से चर्चा कर निराकरण के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में एक संवेदनशील प्रकरण सामने आया, जिसमें एक ग्रामीण ने अपनी पत्नी की दोनों किडनी फेल होने की जानकारी दी। इस पर जिला कलक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को तत्काल संज्ञान लेकर जरूरी चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर आलोक रंजन ने कहा कि जनसुनवाई एवं रात्रि चौपाल आमजन की समस्याओं से सीधे संवाद और समाधान का माध्यम है। हर अधिकारी की यह जिम्मेदारी है कि वह समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करे। इस दौरान प्रशिशु आईएएस रविन्द्र मेघवाल, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी राकेश पुरोहित, उपखण्ड अधिकारी बीनू देवल,विकास अधिकारी, तहसीलदार, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, ष्ट्रू॥ह्र, जलसंसाधन, कृषि, रसद, सार्वजनिक निर्माण विभाग , शिक्षा सहित जिला व ब्लॉक स्तरीय अधीकारी, कर्मचारी, प्रशासक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

दैनिक
बढ़ता राजस्थान
www.badhatarajasthan.in

RNI NO. RAJHIN/2010/35060

"आध्यात्मिकता के बिना व्यक्ति वैसे ही अधूरा है जैसे अग्नि के बिना दिया अधूरा होता है।"

-हर्षित विजयवर्गीय, बढ़ता राजस्थान

राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए कृतसंकल्पित - मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

राज्य महिला सदन में 11 आवासनियों का विवाह सम्मेलन सामूहिक विवाह सम्मेलन से मिल रही, समाज को सकारात्मक दिशा

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र व राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए हमारी सरकार कृतसंकल्पित है। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन जरूरतमंदों का सहारा बन रहे हैं। ऐसे आयोजन समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। शर्मा शुक्रवार को राज्य महिला सदन, सांगानेर में सामूहिक विवाह सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन हमारी सरकार की सामाजिक समावेशन और महिला सशक्तिकरण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह आयोजन सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित बेटियों के लिए एक नया सवेरा है। इससे उन्हें सम्मान, स्नेह और आत्मनिर्भरता की राह मिली है।

13 हजार से ज्यादा बेटियों को 71 करोड़ रुपये की सहायता

श्री शर्मा ने कहा कि हमारा दृढ़ संकल्प है कि प्रदेश की हर बेटी, हर महिला न केवल आत्मनिर्भर बने, बल्कि समाज में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए। हमारी सरकार ने उनके कल्याण और सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं शुरू की हैं, जिनका सीधा लाभ लाखों बालिकाओं और महिलाओं तक पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में विवाह के लिए 21 हजार से 51 हजार रुपये तक की सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत पिछले डेढ़ वर्ष में 13 हजार से ज्यादा बेटियों को 71 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है। लाडो प्रोत्साहन योजना बालिकाओं के जन्म को प्रोत्साहित करने और उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और सशक्तिकरण को सुनिश्चित करने के लिए एक गेम-चेंजर साबित हो रही है।

मुख्यमंत्री ने 11 लाड़लियों और उनके जीवनसाथियों को सुखी-वैवाहिक जीवन के लिए आशीर्वाद दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 21-21 हजार रुपये की सहायता राशि के चैक भेंट किए। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री अविनाश गहलोत, निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग आशीष मोदी, आयुक्त नगर निगम ग्रेटर डॉ. गौरव सैनी, प्रताप राव, राजीव सिंह चौहान, डी.डी. सिंह, बबीता शर्मा, रीना शर्मा सहित समाजसेवी एवं आमजन उपस्थित रहे।

पारदर्शिता से चुने गए योग्य जीवनसाथी

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले सामूहिक विवाह के बाद 1900 से अधिक युवकों ने यहां की बेटियों से विवाह के लिए आवेदन किया था। इनमें से 11 योग्य युवकों का चयन किया गया, जो आज हमारी लाड़लियों के जीवनसाथी बने हैं। यह चयन प्रक्रिया पारदर्शी रही, इसमें बेटियों के सम्मान और पसंद को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई।

अमरनाथ से आयी पहली मौत की खबर, शिविर में बैठे तीर्थयात्री की निकल गयी जान

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा के शेषनाग आधार शिविर में उत्तर प्रदेश के एक तीर्थयात्री की अचानक बेहोश होकर गिर जाने के बाद मौत हो गई। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि तीर्थयात्री की पहचान उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी निवासी दिलीप श्रीवास्तव के रूप में हुई है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा बुधवार सुबह जम्मू से हरी झंडी दिखाकर 38 दिवसीय अमरनाथ यात्रा गुरुवार को दो मार्गों से शुरू हुई – अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा नुनवान-पहलगाम मार्ग और गंदेरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबा छोटा लेकिन अधिक खड़ी चढ़ाई वाला बालटाल मार्ग। खबर आयी कि पहलगाम हमले से डरे बिना पहले ही दिन 12 हजार तीर्थयात्रियों ने बाबा अमरनाथ के दर्शन किए। इस खबर से सभी खुश थे लेकिन अक एक उदास कर देने वाली खबर आयी है। अमरनाथ यात्रा के दौरान एक तीर्थयात्री की मौत हो गयी है।

जम्मू से दूसरा जत्था रवाना

इस बीच, 5,200 से अधिक तीर्थयात्रियों का दूसरा जत्था गुरुवार को जम्मू के बेस कैंप से गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि तीर्थयात्री भगवती नगर बेस कैंप से 168 वाहनों के काफिले में रवाना हुए, जिन्हें सुरक्षा पुलिस और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों ने सुरक्षा प्रदान की। अधिकारियों ने बताया कि इसके साथ ही जम्मू बेस कैंप से तीर्थयात्रियों की संख्या 10,000 को पार कर गई है।

मुस्लिमों को लेकर आपस में भिड़े भाजपा के नेता

बढ़ता राजस्थान

कोलकाता (एजेंसी)। यह विवाद केवल दो नेताओं के बीच मतभेद नहीं, बल्कि भाजपा के भीतर एक गहरी रणनीतिक बहस को दर्शाता है। एक पक्ष (समिक भट्टाचार्य जैसा नेतृत्व) मानता है कि बंगाल जैसे राज्य में धार्मिक ध्रुवीकरण के बजाय समावेशी राजनीति अपनानी चाहिए ताकि पार्टी का दायरा बढ़े।पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष बनते ही समिक भट्टाचार्य ने एक ऐसा बयान दे दिया है जिससे उनके और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गये हैं। हम आपको बता दें कि अध्यक्ष चुने जाने के बाद संवाददाताओं से बातचीत करते हुए समिक भट्टाचार्य ने कहा कि पार्टी को मुस्लिम समाज के साथ संवाद बढ़ाना चाहिए। उनके इस बयान से कुछ मिनट पहले ही वरिष्ठ भाजपा नेता और पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा था कि बंगाल में चुनौती गुंडागर्दी और मुसलमान हैं और कोई अन्य चुनौती नहीं है।देखा जाये तो यह विवाद केवल दो नेताओं के बीच मतभेद नहीं, बल्कि भाजपा के भीतर एक गहरी रणनीतिक बहस को दर्शाता है। एक पक्ष (समिक भट्टाचार्य जैसा नेतृत्व) मानता है कि बंगाल जैसे राज्य में धार्मिक ध्रुवीकरण के बजाय समावेशी राजनीति अपनानी चाहिए ताकि पार्टी का दायरा बढ़े। वहीं दूसरा पक्ष (शुभेंदु अधिकारी जैसा नेतृत्व) कहता है कि भाजपा की पहचान उसकी हिंदुत्ववादी विचारधारा से है और इससे हटना आत्मघाती होगा।ॉ हम आपको बता दें कि बंगाल की 27त्न आबादी मुस्लिम है, जो कई सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाती है। बंगाल की राजनीति का एक सच यह है कि भाजपा अभी तक मुस्लिम वोट बैंक को नहीं साध पाई है और यह अधिकांशतः तृणमूल कांग्रेस, वाम दलों और कांग्रेस के साथ रहा है।

अहमदाबाद प्लेन हादसा, आरोप-एयरलाइन मुआवजा देने से बच रही

वकील बोले- एअर इंडिया पीड़ित परिजनों से वित्तीय जानकारी मांग रही, 1050 करोड़ बचाना चाहती है

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली/लंदन (एजेंसी)। अहमदाबाद प्लेन क्रैश में जान गंवाने वाले यात्रियों के परिजन को एअर इंडिया मुआवजा देने से बचना चाहती है। यह आरोप 40 से ज्यादा पीड़ित परिवारों का केस लडने वाली ब्रिटेन की कानूनी फर्म स्टीवर्ट्स ने लगाए हैं। स्टीवर्ट्स 40 से ज्यादा पीड़ित परिवारों का केस लड़ रही है। फर्म के एडवोकेट पीटर नीनन ने कहा है कि एअर इंडिया ने मुआवजा देने से पहले परिवारों से कानूनी रूप से संवेदनशील वित्तीय जानकारी मांगी, जिससे उनका हक कम हो सकता है। उधर, एअर इंडिया ने आरोपों को नकार दिया है।नीनन ने कहा कि एअर इंडिया पीड़ित परिवारों के साथ अनैतिक और अपमानजनक व्यवहार कर रही है। एअर इंडिया इस तरह से व्यवहार कर लगभग 1,050 करोड़ रुपए बचाने की कोशिश कर सकती है। उन्होंने मामले की जांच की मांग भी की है। वहीं, उन्होंने अपने क्लाइंट्स को सलाह दी है कि वे फॉर्म न भरें और मुआवजा पाने के लिए कानूनी रास्ता अपनाएं।अहमदाबाद में एअर इंडिया का प्लेन क्रैश 12 जून को हुआ था। उस वक्त विमान में 242 लोग सवार थे। इनमें एक यात्री की जान बच गई थी। इसके अलावा, जिस मेडिकल हॉस्टल पर विमान गिरा था, वहां 29 लोगों की जान गई थी। इस तरह इस हादसे में 270 लोगों की जान गई थी।

एअर इंडिया ने इन सभी आरोपों को नकारते हुए कहा है कि ये दावे गलत और आधारहीन हैं। एयरलाइन ने इंडिया टुडे को दिए बयान में कहा कि फॉर्म का उद्देश्य केवल पारिवारिक संबंधों की पुष्टि करना है। हमने फॉर्म को जितना हो सके सरल बनाने की कोशिश की है, ताकि मुआवजा सही व्यक्ति तक जल्दी और सही तरीके से पहुंचे।एयरलाइन ने दावा किया कि पहले ही कुछ परिजन को अंतरिम मुआवजा देना शुरू कर दिया है और वे सभी परिवारों की पूरी मदद कर रहे हैं।

नीनन बोले- एअर इंडिया ने परिजन को कोई कानूनी सहायता नहीं दी

नीनन ने आरोप लगाया, न तो किसी परिजन को पहले से कोई सूचना दी गई, न ही उन्हें कानूनी सलाह मिली और न ही इन दस्तावेजों की कोई कॉपी दी गई। एअर इंडिया के अधिकारियों ने कुछ परिजन पर फॉर्म भरने का दबाव डाला और उनके घर जाकर पूछने लगे कि फॉर्म क्यों नहीं भरे गए।परिजन से कहा गया कि जब तक वे फॉर्म नहीं भरते, उन्हें कोई मुआवजा नहीं मिलेगा। जबकि अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक, एयरलाइन को पहचान और रसीद पर हस्ताक्षर के बाद तत्काल अंतरिम मुआवजा देना होता है, किसी फॉर्म की जरूरत नहीं होती।

बाजार को चढ़ाती-गिराती थी अमेरिकी फर्म : सेबी ने बैन लगाया

4,844 करोड़ की अवैध कमाई की; आम निवेशकों को नुकसान

बढ़ता राजस्थान

मुंबई (एजेंसी)। जेन स्ट्रीट एक अमेरिकी ट्रेडिंग कंपनी है, जो हाई-टेक्नोलॉजी और क्वांटिटेटिव ट्रेडिंग यानी मैथेमेटिकल मॉडल्स का इस्तेमाल करके शेयर बाजार में ट्रेडिंग करती है।सेबी ने अमेरिकी ट्रेडिंग फर्म जेन स्ट्रीट ग्रुप और उससे जु?ी 3 कंपनियों पर बैन लगा दिया है। अमेरिकी ट्रेडिंग फर्म पर इंडेक्स एक्सपायरी के दिन कीमतों में हेराफेरी करने का आरोप लगा है। SEBI ने 4,843.57 करो? रुपए की अवैध कमाई को जब्त करने का आदेश भी दिया है।

सवाल 1- जेन स्ट्रीट ग्रुप क्या है?

जवाब- जेन स्ट्रीट एक अमेरिकी ट्रेडिंग कंपनी है, जो हाई-टेक्नोलॉजी और मैथेमेटिकल मॉडल्स का इस्तेमाल करके शेयर बाजार में ट्रेडिंग करती है। ये कंपनी भारत में डेरिवेटिव्स मार्केट, खासकर बैंक निफ्टी और निफ्टी 50 इंडेक्स ऑप्शंस में ब? पैमाने पर ट्रेड करती थी।

सवाल 2-सेबी ने जेन स्ट्रीट पर क्या आरोप लगाए हैं?

जवाब- सेबी का कहना है कि जेन स्ट्रीट ने बैंक निफ्टी और निफ्टी 50 जैसे इंडेक्स की कीमतों को एक्सपायरी डे पर जानबूझकर प्रभावित किया। कंपनी ने दो मुख्य तरीकों का इस्तेमाल किया-

इंट्रा-डे इंडेक्स मैनिपुलेशन- सुबह जेन स्ट्रीट बडी मात्रा में बैंक निफ्टी के फ्यूचर्स और कैश मार्केट में शेयर खरीदती थी। उसी समय ये पुट ऑप्शंस बेच देती थी। पुट ऑप्शंस में इंडेक्स के गिरने पर मुनाफा मिलता है। दोपहर बाद ये उसी इंडेक्स के फ्यूचर्स को ब? पैमाने पर बेच देती थी, जिससे इंडेक्स नीचे आ जाता था। इससे ऑप्शंस में फायदा होता था।

एक्सटेंडेड मार्किंग द क्लोज- एक्सपायरी के दिन ट्रेडिंग के आखिरी घंटों में जेन स्ट्रीट ब?ी मात्रा में खरीद-बिक्री करके इंडेक्स की क्लोजिंग को अपने फायदे के लिए प्रभावित करती थी। ये सब इतनी तेजी से होता था कि आम निवेशकों को भनक भी नहीं लगती थी।

एसएमएस के चरक भवन आने वाले मरीजों को बड़ी राहत

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स)। जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में इलाज करवाने के लिए आने वाले मरीजों के लिए राहत की खबर है। चर्म, आंखों से जुड़ी बीमारी के लिए डॉक्टर को दिखाने आने वाले मरीजों को अब गर्मी में बैठकर इंतजार नहीं करना पड़ेगा। यहां चरक भवन के ओपीडी ब्लॉक को सेंट्रललाइज्ड एसी सिस्टम से जोड़ा गया है। लम्बे समय से चरक भवन के आंखों की ओपीडी वाले हॉल में मरीजों के लिए गर्मी से बचाव के लिए केवल पंखे ही थे। तेज गर्मी और उमस में कूलर या एसी नहीं होने से मरीजों को काफी परेशानी होती थी। अब यहां एसएमएस प्रशासन ने पीडब्ल्यूडी के जरिए इस पूरे ओपीडी परिसर में सेंट्रलाइज्ड एसी सिस्टम लगवाया गया।

बिहार में 5 लाख महिलाओं को सेनेटरी पैड बांटेगी कांग्रेस

कवर पर राहुल गांधी की फोटो से मचा बवाल

बढ़ता राजस्थान

पटना (एजेंसी)। महिलाओं-लड़कियों के बीच बांटे जाने वाले सेनेटरी पैड के कवर पर राहुल गांधी की तस्वीर छापी गई है। इतना ही नहीं, पैकेट पर माई-बहिन योजना के तहत दिए जाने वाले 2500 रुपये का भी जिक्र है।बिहार में कांग्रेस चुनाव को लेकर महिलाओं को लुभाने की कोशिश में है। इसी कड़ी में कांग्रेस ने ऐलान किया है कि पार्टी राज्य में 5 लाख लड़कियों-महिलाओं को सेनेटरी पैड बांट रही है। हालांकि, इसको लेकर विवाद भी शुरू हो गया है। महिलाओं-लड़कियों के बीच बांटे जाने वाले सेनेटरी पैड के कवर पर राहुल गांधी की तस्वीर छापी गई है। इतना ही नहीं, पैकेट पर माई-बहिन योजना के तहत दिए जाने वाले 2500 रुपये का भी जिक्र है। इसको लेकर बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने प्रेस कांफ्रेंस किया। इस दौरान राहुल गांधी की तस्वीर के साथ माई-बहिन योजना का स्लोगन छपे सेनेटरी पैड पैकेट लॉन्च किया गया। राजेश कुमार नेकहा, बिहार के परिपेक्ष्य में महिलाओं के लिए हमने विशेष तैयारी की है। राज्य की महिलाओं को सेनेटरी पैड दिया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमारा लक्ष्य 5 लाख महिलाओं को सेनेटरी पैड बांटना है। महिला कांग्रेस हेल्थ के लिए महिलाओं को जागरूक करेगी। इसके बाद भाजपा और जेडीयू ने कांग्रेस नेताओं की मानसिकता पर सवाल खड़े किए हैं। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने एक्स पर लिखा कि सैनिटरी पैड पर राहुल गांधी की तस्वीर बिहार की महिलाओं का अपमान! कांग्रेस एक महिला विरोधी पार्टी है! बिहार की महिलाएं कांग्रेस आरजेडी को सबक सिखाएंगी। पार्टी प्रवक्ता अजय आलोक ने कहा कि इससे बड़ी पप्पूगिरी कुछ हो सकती हैं? घृणित, अपमानजनक हैं ये, अपने घर में कांग्रेसी ये पैकेट दे सकते हैं चले हैं बिहार में बाँटने। विज्ञापन हीरो बन जाये पप्पू यही बचा हैं।

बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस

दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक समाचार पत्र मुद्रण के लिए संपर्क करें।

उच्च क्वालिटी का कागज एवं स्याही

कलर एवं ब्लैक मुद्रण | किफायती मुद्रण लागत

Printing Press
- Hameedpura Road Khandwa, Newai, Tonk, Rajasthan - 304021

Office
- Badhata Rajasthan, Near Rajkiya Mahavidhyalaya, NH-12, Bypass Newai, Tonk, Rajasthan - 304021 (M) +91-9214048888, Phone No. - 01438-223201, 02, 03
- 185/116, "Pratiksha", Sector-18, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur - 302033 (M) +91-9414242258, Phone No. - 0141-2796795

Email: badhatarajasthanprintingpress@gmail.com

भारत ने एक साथ तीन देशों को हराया

कब, कैसे और कहां खुद उप सेना प्रमुख से जानें

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने शुक्रवार को बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के वक्त बॉर्डर एक और दुश्मन तीन थे। पाकिस्तान मोर्चे पर था। चीन और तुर्किए हथियार और बाकी दूसरे सपोर्ट मुहैया करा रहे थे। उन्होंने बताया, चीन ने पाकिस्तान को हथियार दिए और हमें हथियारों की टेस्टिंग के लिए लैब की तरह इस्तेमाल किया। चीन हमारे हर रणनीतिक कदम की लाइव अपडेट पाकिस्तान के साथ शेयर कर रहा था। तुर्किये ने बैरेक्टर समेत दूसरे ड्रोन दिए। इनका इस्तेमाल हमारे खिलाफ भी किया गया। लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने यह बात नई दिल्ली में फिक्की के न्यू एज मिलिट्री टेक्नोलॉजीस इवेंट में बताई। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर ने हमें कई महत्वपूर्ण सबक सिखाए। यह एक ऐसा संघर्ष था, जिसने मॉडर्न वॉरफेयर की कठिनाइयों को उजागर किया। इसलिए अब हमें और मजबूत एयर डिफेंस चाहिए।

लेफ्टिनेंट जनरल बोले- पिछले युद्धों की तरह दर्द बर्दाश्त नहीं कर सकते थे

लीडरशिप का संदेश साफ था। जिस तरह से हमने कुछ साल पहले बर्दाश्त किया, उस तरह से दर्द को सहने की कोई गुंजाइश नहीं थी। टारगेट की प्लानिंग और सिलेक्शन बहुत सारे डेटा पर बेस्ड था। इसलिए कुल 21 टारगेट की पहचान की गई, जिनमें से 9 को निशाना बनाना समझदारी समझी गई। लास्ट मोमेंट पर इन नौ लक्ष्यों पर निशाना लगाने का फैसला लिया गया।

पूरे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एयर डिफेंस और उसका ऑपरेशन कैसे हुआ, यह बेहद अहम था। इस बार, हमारे पॉपुलेशन सेंटर पर ध्यान नहीं दिया, लेकिन अगली बार, हमें इसके लिए तैयार रहना होगा। और इसके लिए ज्यादा से ज्यादा एयर डिफेंस सिस्टम, काउंटर-रॉकेट आर्टिलरी ड्रोन जैसे सिस्टम तैयार करने होंगे। हमें बहुत तेजी से आगे बढ़ना होगा। हम इजराइल को देख रहे हैं। उनके पास आयरन डोम हैं। दूसरे एयर डिफेंस सिस्टम हैं। हमारे पास वैसी सुविधाएं नहीं है क्योंकि हमारा देश विशाल है। और ऐसी चीजों पर बहुत पैसा खर्च होता है। इसलिए हमें फिर से अपनी तैयारी और सुरक्षा पर ध्यान देने की जरूरत है।

पहलगाम हमले का जवाब था ऑपरेशन सिंदूर

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। आतंकियों ने 26 टूरिस्ट्स की हत्या की थी। 7 मई को भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और पाक में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। सेना ने 100 आतंकियों को मार गिराया था।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गीय द्वारा बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस,हमीदपुरा रोड खण्डवा,निवाई टोंक (राज.) से मुद्रित एवं 185/ 116 ''प्रतीक्षा'' सेक्टर-18, प्रताप नगर सांगानेर, जयपुर से प्रकाशित, संपादक-तनुजा पठान*। प्रधान संपादक-राम बिलास विजयवर्गीय मो.नं. 9414242258, 9214048888,जयपुर फोन नं.0141-2796794,795 टोंक कार्यालय-बाईपास निवाई, टोंक मो.नं.9414823448 अलवर कार्यालय-मेहताब सिंह का नोहरा,अलवर मो.नं. 7733000123,कोटा कार्यालय-छावनी मेन रोड,कोटा मो.नं.7023350734 । ई मेल-badhatarajasthan@yahoo.com *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार